उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

1
कक्षा

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका
भाषा
सत्र 2024–2025

भारत का संविधान

मूल अधिकार

भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित छह मूल अधिकार प्राप्त हैं।

- समता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18)
  - (1) विधि के समक्ष समता।
  - (2) धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
  - (3) लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता।
  - (4) अस्पृश्यता का अन्त।
  - (5) उपाधियों का अन्त।
- स्वातंत्र्य – अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22)
  - (1) वाक्–स्वातंत्र्य आदि विषयक कुछ अधिकारों का संरक्षण।
  - (2) अपराधों के लिए दोष सिद्धि के सम्बन्ध में संरक्षण।
  - (3) प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
    - (क) शिक्षा का अधिकार।
  - (4) कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।
- शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24)
  - (1) मानव के दुर्व्यापार और बलात्श्रम का प्रतिषेध।
  - (2) कारखानों आदि में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध ।
- धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)
  - (1) अन्तःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।
  - (2) धार्मिक कार्यो की प्रबंध की स्वतंत्रता।
  - (3) किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।
  - (4) कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।
- संस्कृति और शिक्षा सम्बन्धी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30)
  - (1) अल्पसंख्यक–वर्गों के हितों का संरक्षण।
  - (2) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक–वर्गों का अधिकार।
- सांविधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32 से 35)
  - (1) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार।
  - (2) इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का, बलों आदि को लागू होने में, उपांतरण करने में संसद की शक्ति।
  - (3) जब किसी क्षेत्र में सेना विधि प्रवृत्त है तब इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों का निर्बंधन।
  - (4) इस भाग के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए विधान।

उत्तर प्रदेश शासन

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

NIPUN BHARAT

आधारशिला क्रियान्वयन शिक्षक संदर्शिका

कक्षा 1 (भाषा)

शिक्षक का नाम ____________________

विद्यालय का नाम ____________________

विकास खंड ____________________

जनपद ____________________

संरक्षण : डॉ. एम.के. शनमुगा सुंदरम, आई.ए.एस, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

संकल्पना : श्रीमती कंचन वर्मा, आई.ए.एस, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
श्री मधुसूदन हुल्गी, आई.ए.एस, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

निर्देशन : डॉ. सरिता तिवारी, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ
डॉ. पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.), कृते निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उ.प्र., लखनऊ

समन्वयन : श्री आनन्द कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
श्री पी.एम. अन्सारी, राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा

विशेष सहयोग : श्री रमेश चंद्र और श्री अरविन्द सिंह, लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन

समीक्षा : श्री नवल किशोर (प्राचार्य, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), श्री योगिराज मिश्र (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), सुश्री प्रज्ञा सिंह (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.), डॉ. प्रतिभा सरोज (प्रवक्ता- शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ, उ.प्र.), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी, उ.प्र.)

लेखन मंडल : डॉ. हरे राम पाण्डेय (प्रवक्ता, राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज), डॉ. प्रतिभा सिंह (प्रवक्ता- शोध, एस.सी.ई.आर.टी., लखनऊ), डॉ. अमरजीत (शोध प्रवक्ता, राज्य हिंदी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी), श्री अमित वर्मा (प्रवक्ता- डायट सीतापुर), डॉ. अनीता (प्रवक्ता, डायट रायबरेली), श्रीमती अर्चना सिंह (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय पतेरवाँ, वाराणसी), श्रीमती कुहू बैनर्जी (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय अटकोहना, लखीमपुर खीरी), सुश्री वैशाली गुलसिया (सहायक अध्यापिका, उ.प्रा. विद्यालय कुम्हरौरा, बाराबंकी), डॉ. अनिशा सिंह (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय दादुपुर, लखनऊ), श्रीमती इंदु पाण्डेय (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय देवरी रूखारा-2, लखनऊ), श्रीमती किरन त्रिवेदी (सहायक अध्यापिका, बेसिक विद्यालय बढ़ौली, लखनऊ), श्रीमती सीमा श्रीवास्तव (प्रधानाध्यापिका, प्रा. विद्यालय मलौली, गोसाईंगंज, लखनऊ), श्री विजय तिवारी (प्रधानाध्यापक, प्रा. विद्यालय विरमापुर, रुद्रपुर, देवरिया), श्रीमती रूशना ज़ैदी (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय काकोरी-2, लखनऊ), श्रीमती दीपिका कनौजिया (सहायक अध्यापिका, प्रा. विद्यालय भट खेरवा, काकोरी, लखनऊ), श्री रवि ज्योति मिश्रा (सहायक अध्यापक, प्रा. विद्यालय साथी, गैसड़ी, बलरामपुर)

श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री बिपिन कुमार पाण्डेय, श्री विद्याधर मिश्र, सुश्री ऋचा ज्योति, सुश्री सुप्रिया घोष, श्री विशाल कश्यप - **लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन**

लेआउट : श्री कौस्तुभ खरे

ग्राफिक्स : अरविन्द गोयल (रामा पब्लिकेशन्स), दिल्ली

आभार : संदर्शिका के विकास में विभिन्न संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री/साहित्य का उपयोग किया गया है। हम उन सभी के प्रति आभारी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक :

संस्करण : प्रथम संस्करण

शिक्षा सत्र : 2024-25

मुद्रित प्रतियों की संख्या :

अंत पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरण : प्रयुक्त कागज मिल सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर्स वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी. x 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कोब टेस्ट अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम-85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग-टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी.डी. 40 एवं एम.डी. 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियां बी.आई.एस. कोड-1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार है। पुस्तकों में प्रिंट साइज : 15.9 सेमी. x 22.1 सेमी., ट्रिम साइज : 1841 सेमी. x 24.13 सेमी. है।

उत्पादन: पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ.प्र.
© उत्तर प्रदेश शासन

निपुण सूची - हिंदी (कक्षा-1)

खंड	कोड	दक्षताएँ
मौखिक भाषा	H101	अपनी आवश्यकताओं तथा परिवेश के बारे में, दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में बातचीत करना।
	H102	कविताओं और गीतों को हाव-भाव के साथ सुनाना।
	H103	कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री व इसकी विषय-वस्तु पर घर की भाषा में 1-2 वाक्यों में बताना।
	H104.1	अपने अनुभवों के बारे में स्थानीय भाषा में 1-2 वाक्यों में बताना।
	H104.2	चित्र/घटना/वस्तु के बारे में अपने घर की भाषा में 2-3 वाक्य बताना।
	H104.3	कविता/कहानी से जुड़े 2-3 तथ्यात्मक एवं 1-2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में देना।
	H104.4	कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ सुनी हुई कहानी का अभिनय करना।
पठन	H105	किसी शब्द से संबंधित तुकांत शब्द बनाना और पहली ध्वनि को पहचानना।
	H106.1	2-3 वर्ण/अक्षर (अब तक सिखाए गए) से बने सरल शब्द पढ़ना।
	H106.2	आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से 4-5 सरल शब्द सहित छोटे-छोटे वाक्य पढ़ना।
लेखन	H107	पहचानने योग्य चित्र बनाना।
	H108.1	अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर की पहचान करना एवं सुनकर लिखना।
	H108.2	परिचित संदर्भों (कहानी/कविता/पर्यावरण सम्बन्धी प्रिंट आदि) में प्रयोग होने वाले शब्दों में मात्राओं के साथ परिचित होना।
	H108.3	2-3 अक्षर वाले शब्द (1 से अधिक मात्रा वाले) को सुनकर लिखना।
	H109.1	चित्र/घटना/वस्तु पर आधारित 4-5 शब्द लिखना।
	H109.2	लेखन, ड्राइंग और अन्य चीजों को अर्थ देना तथा अपने कार्यपत्रक, बधाई संदेश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिखना एवं ऐसे चित्र बनाना, जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।

वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर (2024-25)

- अकादमिक वर्ष 2024-25 में कुल 25 सप्ताहों में शिक्षण कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रथम 12 सप्ताहों में स्कूल रेडिनेस से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सप्ताह की योजना 6 शैक्षणिक दिवसों में पूरी की जाएगी। प्रत्येक शैक्षणिक दिवस में भाषा शिक्षण के लिए 3 कालांश निर्धारित हैं।
- पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक आधारित और अन्य शिक्षण सामग्रियों द्वारा मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य किया जाएगा। दूसरे कालांश में डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन और तीसरे कालांश में पठन अभ्यास एवं रिमीडियल (सप्ताह के शुरुआती पाँच दिनों में) पर कार्य किया जाएगा।
- प्रत्येक दिन तीनों कालांशों का कार्य पूरा होने पर, आप इस ट्रैकर को भरेंगे। इस ट्रैकर की सहायता से आप अपने शिक्षण कार्य को ट्रैक कर पाएंगे।

ट्रैकर भरने का नमूना

साप्ताहिक शिक्षण कार्य की शुरुआत और समाप्ति का दिनाँक भरें।

03 / 08 / 2024 → 09 / 08 / 2024 (रविवार एवं अन्य अवकाशों को छोड़कर)

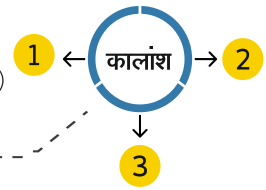

सप्ताह 9 — 1 ✓ 2 ✓ 3 ✓ 4 ✓ 5 ✓ 6 ✓

☞ यहाँ दिनाँक केवल उदाहरण मात्र के लिए दिया गया है।

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 9 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 10 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 11 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 12 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 13 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 14 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 15 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 16 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 17 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 18 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 19 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 20 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 21 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 22 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 23 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 24 — 1 2 3 4 5 6

DD/ MM/ YYYY → DD/ MM/ YYYY
सप्ताह 25 — 1 2 3 4 5 6

संदर्शिका का उपयोग

संदर्शिका की मुख्य संकल्पनाएँ

भाषा शिक्षण के सैद्धान्तिक पक्षों की समझ

'राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2023' की अनुशंसाओं और शिक्षक संदर्शिका की शिक्षण योजनाओं में संरेखण किया गया है, जिसके अंतर्गत भाषा में घर की भाषा का महत्व एवं पढ़ने की समझ के महत्व पर चर्चा की गई है।

2024-25

निपुण सूची की 16 दक्षताएँ

पूरे वर्ष के साप्ताहिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक वर्ष 2024-25 में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन की लक्षित दक्षताओं को साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण उद्देश्यों में विभाजित किया गया है।

शिक्षण प्रक्रियाएँ

साप्ताहिक एवं दैनिक शिक्षण योजना

प्रभावी शिक्षण कार्य के लिए प्रत्येक कालांश हेतु दैनिक शिक्षण योजना दी गई है। शिक्षण योजनाएँ कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई हैं। प्रत्येक शिक्षण योजना के शिक्षण उद्देश्य निर्धारित हैं। समय के साथ इन उद्देश्यों एवं उन पर कार्य करने की रणनीतियों की जटिलता बढ़ती गई है।

हर सप्ताह की शुरुआत में

- शिक्षण उद्देश्यों को साप्ताहिक शिक्षण योजनाओं में देख सकते हैं।

दिवस 6 — हर सप्ताह के अंत में

- साप्ताहिक आकलन (सप्ताह 14 से 25 तक) - **'मैंने सीख लिया'** के द्वारा प्रत्येक बच्चे की प्रगति को समझें व कठिनाइयों को चिह्नित करें। आगामी सप्ताह के रिमीडियल कार्य की योजना को इस जानकारी के आधार पर बनाएँ।

हर दिन की शुरुआत में

- कक्षा में जाने से पूर्व शिक्षण योजना या गतिविधि के अनुसार पहले से तैयारी कर लें।
- शिक्षण दिवस की आवश्यक शिक्षण सामग्री (संदर्शिका, अन्य शिक्षण अधिगम सामग्री आदि) लेकर कक्षा में प्रवेश करें।

हर दिन के अंत में

- प्रतिदिन बच्चों की कार्यपुस्तिका की जाँच करें और उन्हें आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन दें।
- बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका ट्रैकर भरा जाना सुनिश्चित करें।
- दैनिक कार्य पूरा होने पर वार्षिक-साप्ताहिक ट्रैकर भरें।

सावधिक पुनरावृत्ति सप्ताह 13 और 20 में

- सप्ताह-13 में सप्ताह 9-12 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें।
- सप्ताह-20 में सप्ताह 9-19 तक में पढ़ाई गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति करें।
- रिमीडियल कार्य के लिए कक्षा स्तर की स्वयं रणनीति बनाकर कार्य करें।

विषय सूची

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज - 2023 — 7

इसमें आप राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में बुनियादी भाषा शिक्षण से संबंधित अनुशंसाओं के बारे में जान और समझ सकते हैं। अकादमिक वर्ष 2024-25 की भाषा की शिक्षण योजना इन अनुशंसाओं से संरेखित है।

घर की भाषा का महत्व एवं पढ़ने की समझ — 8-10

भाषा शिक्षण की जिन रणनीतियों के द्वारा कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर किया जा सकता है, इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य — 11

पूरे वर्ष की वार्षिक शिक्षण योजना एवं शिक्षण उद्देश्यों की जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

साप्ताहिक शिक्षण चक्र — 12

किसी एक सप्ताह में भाषा शिक्षण की प्रक्रिया कैसी होगी एवं किसी एक दिन की तीनों कालांशों की प्रक्रिया कैसी होगी, इसकी जानकारी आपको इस भाग में मिलेगी।

साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ — 13

प्रत्येक सप्ताह में दिवसवार की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी इस भाग में मिलेगी।

शिक्षण सामग्रियों का विवरण — 14

कालांशों की रूपरेखा — 15

दैनिक शिक्षण योजना — 16-107

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 108-123

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 124-129

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ — 130-132

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य — 133-137

मौखिक भाषा विकास का आकलन — 138

बहुकक्षीय शिक्षण — 139-140

कहानियाँ एवं कविताएँ — 141-143

ग्रिड — 144-149

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर — 150-152

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए और **'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022 : फाउंडेशनल स्टेज'** की प्रमुख अनुशंसाओं के आधार पर उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा **'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023'** का विकास किया गया है। उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. ने इस दस्तावेज का विकास करते समय इस बात का प्रमुखता से ध्यान रखा है कि इसमें 3-8 साल के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के सारे आयामों पर चर्चा की जाए और अलग-अलग रणनीतियों द्वारा इसे क्रियान्वित भी किया जाए। इस दस्तावेज के विकास में इस बात का प्रमुखता से ध्यान रखा गया है कि इसके अलग-अलग घटकों में उत्तर प्रदेश के संदर्भ, सभ्यता, संस्कृति सम्बन्धित उदाहरण प्रचुर मात्रा में आएं।

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा अपने प्रस्तावना में ही यह बात स्पष्ट रूप से सुझाती है कि कक्षा में बच्चों को रटने या परीक्षा के लिए सीखने के बजाय, अवधारणात्मक समझ के विकास पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही तार्किक ढंग से सोचने, निर्णय लेने, सृजनात्मक एवं समालोचनात्मक चिंतन आधारित गतिविधियों को कक्षा-कक्ष में सुनिश्चित करने की बात की गयी है।

'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023' के निर्देशक तत्व

संरचित शिक्षणशास्त्र (SCF, खंड-3.2.3)

राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज-2023 कक्षा-कक्ष में प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाओं के संचालन हेतु 'संरचित शिक्षणशास्त्र' आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन की अनुशंसा करता है। संरचित शिक्षणशास्त्र में मुख्य रूप से अधिगम प्रतिफल एवं उसके आधार पर शैक्षणिक योजनाओं को तैयार करके उसके आधार पर वार्षिक, साप्ताहिक रूपरेखा बनाई जाती है और दैनिक शिक्षण योजनाएँ तैयार की जाती हैं। बच्चों के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री और शिक्षकों के लिए शिक्षक संदर्शिकाओं की उपलब्धता के साथ-साथ नियमित आकलन एवं रिमीडियल शिक्षण योजनाओं के द्वारा शिक्षण कार्य को क्रियान्वित किया जाता है। साथ ही कक्षा-कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया बेहतर और प्रभावी हो, इसके लिए संरचित शिक्षणशास्त्र आधारित शिक्षक प्रशिक्षण एवं शिक्षकों को नियमित सहायता एवं फीडबैक प्रदान किया जाता है एवं इसके साथ ही ए.आर.पी., एस.आर.जी., डायट मेंटर्स द्वारा की गयी मेंटरिंग से प्राप्त आंकड़ो का सतत विश्लेषण करते हुए योजना को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाता है।

कक्षा 1-3 की भाषा एवं गणित की कार्यपुस्तिकाएँ, शिक्षक संदर्शिकाएँ, शिक्षक प्रशिक्षणों की योजनाएँ एवं मेंटरिंग चेकलिस्ट संरचित शिक्षणशास्त्र को ध्यान में रखकर ही विकसित की गयी हैं।

'राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज 2023' और अकादमिक वर्ष 2024-25 की शिक्षण योजनाओं और सामग्रियों से जुड़ाव

भाषा शिक्षण की चार खंडीय मॉडल द्वारा शिक्षण कार्य (SCF, खंड 4.2, 4.4, 4.6)

SCF 2023 का यह स्पष्ट रूप से मानना है कि बुनियादी स्तर पर बच्चों को सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना, सब समानान्तर रूप से एक साथ सिखाए जाने की आवश्यकता है। वर्ष 2024-25 की भाषा की शिक्षण योजनाएँ भाषा के चार खंडीय मॉडल पर ही आधारित हैं। भाषा के तीनों कालांशों में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, समझ के साथ पढ़ना, लेखन, पर एक साथ एवं सतत रूप से कार्य किया जाता है।

खेल-खेल में सीखना (SCF, खंड 3.3)

भाषा के अलग-अलग कालांशों में खेल के द्वारा सीखने, आपसी संवाद द्वारा सीखने पर काफी जोर दिया गया है। इसके लिए सृजनात्मक खेल, मौखिक भाषा विकास के खेल, शब्द अन्ताक्षरी, खोजे-जाने आदि जैसी गतिविधियाँ दी गयी हैं। भाषा के तीनों कालांशों में ऐसे अवसर भी प्रचुर मात्रा में दिए गए हैं, जिनमे बच्चे आपस में मिलकर, जोड़ियों में, समूहों में कार्य करते हुए सीखने का प्रयास करेंगे।

बच्चे के घर की भाषा को महत्व देना (SCF, खंड-3.1)

SCF 2023 बुनियादी भाषा शिक्षण में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक उपयोग की अनुशंसा करता है। वर्ष 2024-25 के भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में इस बात का विशेष ध्यान दिया गया है कि शिक्षक बच्चों को उनके घर की भाषा के उपयोग को अधिकाधिक प्रोत्साहित करें। इसके लिए किसी चित्र, कविता, कहानी, अनुभव आदि पर बच्चों को अपने घर की भाषा में विचार रखने के लिए प्रोत्साहित करना, पाठ्यपुस्तक के पाठों के कठिन / अमूर्त शब्दों के अर्थ को बच्चों को स्थानीय भाषा में बताना आदि शामिल हैं ।

अन्य महत्वपूर्ण आयाम (SCF, खंड 3.4, 9.3., 9.5)

SCF 2023 की कुछ अन्य बेहद महत्वपूर्ण अनुशंसाओं को भी वर्ष 2024-25 की अकादमिक योजना में शामिल किया गया है, जैसे- शिक्षक एवं बच्चों के मध्य सकारात्मक सम्बन्धों के सतत विकास हेतु सौहार्दपूर्ण गतिविधियाँ, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ दी गयी हैं। इसके साथ ही साप्ताहिक आकलन एवं उसके विश्लेषण के आधार पर सप्ताह के पहले 5 दिनों में रिमीडियल शिक्षण की योजना भी बनाई गयी है। इन सारी प्रक्रियाओं के क्रियान्वयन के द्वारा हम निश्चय ही कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाओं को बेहतर तरीके से क्रियान्वित कर पाएंगे।

घर की भाषा का महत्व

हम सभी जानते हैं कि उत्तर प्रदेश एक बहुभाषी राज्य है। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग भागों में हिंदी, अवधी, भोजपुरी, ब्रज भाषा, उर्दू, बुन्देली आदि बोली और समझी जाती हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों में पठन-पाठन की भाषा 'मानक भाषा हिंदी' है। घर और स्कूल की भाषा में अंतर के कारण अधिकांश बच्चों को कक्षा-कक्ष की प्रक्रियाओं में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रारम्भिक स्तर पर बच्चे कक्षा-कक्ष में भाषाई स्तर पर चुनौती का सामना ना करें, इसके लिए आवश्यक है कि एक शिक्षक के रूप में हम बच्चों के घर की भाषा को पर्याप्त महत्व दें एवं कक्षा में हो रही गतिविधियों एवं चर्चाओं में इसका उपयोग करें।

स्कूल की भाषा और घर की भाषा के अंतर के कारण बच्चों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसे शिक्षाविदों एवं नीति नियंताओं ने भली प्रकार समझा है। इसी कारण से चाहे वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हो अथवा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा : फाउंडेशनल स्टेज-2022 (कक्षा 3 तक के लिए) या फिर उत्तर प्रदेश एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा विकसित की गई राज्य पाठ्यचर्या : फाउंडेशनल स्टेज 2023 (देखें SCF 2023, खंड 4.2.1 और 4.2.2.) हो, सबने एक सुर में कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग की अनुशंसा की है।

कक्षा-कक्ष में घर की भाषा के प्रयोग का महत्व

प्रारम्भिक स्तर पर कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा का अधिकाधिक प्रयोग करने से कक्षा-कक्ष में होने वाले कुछ प्रमुख सकारात्मक बदलाव नीचे देखे जा सकते हैं -

- बच्चों के घर की भाषा की मदद से कक्षा-कक्षीय प्रक्रियाओं में बच्चों की भागीदारी बेहतर होती है और उनमे चिंतन क्षमता का विकास बेहतर तरीके से होता है।
- बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से बच्चों का आत्मसम्मान एवं आत्मविश्वास बढ़ता है।
- बच्चों के घर की भाषा का अधिकाधिक प्रयोग बच्चों के लिए एक ऐसा मजबूत आधार तैयार करता है, जिसके द्वारा बच्चे क्रमशः मानक भाषा और अन्य दूसरी भाषाएँ (जैसे अंग्रेजी) सीखने की तरफ अग्रसर होते हैं।
- बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से बच्चे अन्य अलग-अलग विषयों में बेहतर प्रदर्शन करने में सहायक होते हैं।

कक्षा-कक्ष में बच्चों के घर की भाषा के प्रयोग के अवसर एवं तरीके

कक्षा 1-3 में भाषा के अलग-अलग कालांशों में बच्चों के घर की भाषा के अधिकाधिक प्रयोग के ढ़ेरों अवसर दिए गए हैं, जिन्हें आप शिक्षक संदर्शिकाओं में दी गई शिक्षण योजनाओं में आसानी से देख सकते हैं। नीचे दी गई सारणी में आप देख सकते हैं कि भाषा के अलग-अलग कालांशों में किस तरह से बच्चों के घर की भाषा का प्रयोग करते हुए शिक्षण कार्य को बेहतर किया जा सकता है।

कक्षा 1-3 में घर की भाषा के प्रयोग के अवसर एवं तरीके

कालांश-1	कालांश-2	कालांश-3
• पाठ्यपुस्तक पर कार्य के दौरान पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों के अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताएँ एवं उन शब्दों से बच्चों से वाक्य बनवाएँ। • चित्र चार्ट, कविता, कहानी पोस्टर, चित्र कहानी पोस्टर और अनुभव पर चर्चा आदि पर चर्चा के दौरान बच्चों को उनके घर की भाषा में अपने विचार रखने को कहें।	• कार्यपुस्तिका से कक्षा 2 और 3 में 'पढ़ें' और 'आओ इन पर बात करें' के अंतर्गत कठिन/अमूर्त शब्द दिए गए हैं, उनके अर्थों को बच्चों के घर की भाषा में बताएँ। • स्तरित पाठों की चर्चा बच्चों के घर की भाषा में करना भी बेहतर होगा। • कक्षा-1 में कार्यपुस्तिका (भाग-1) में 'पढ़ें' के अंतर्गत दिए गए शब्दों का अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताना बेहतर होगा।	• कार्यपुस्तिका (भाग-2) में दिए गए पठन अभ्यास के कठिन शब्दों का अर्थ बच्चों के घर की भाषा में बताएँ।

पढ़ने की समझ

पढ़ना लिखित सामग्री से अर्थ निर्माण करने की प्रक्रिया है। किसी लिखित पाठ को बिना समझे उच्चारित करने के काम को डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर और ध्वनि के संबंध में ज्ञान के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदल कर उच्चारित करना) तो कहा जा सकता है, पर पढ़ना नहीं कहा जा सकता। पढ़ना कई कौशलों का समुच्चय है, जिसमें वर्ण/अक्षर और ध्वनि के सहसंबंध को जानना, उचित गति से सही डिकोडिंग करना, शब्दों के अर्थ को जानना, अपने पूर्व ज्ञान को इस्तेमाल करना आदि शामिल हैं। पढ़ने के दौरान, हम शब्दों और वाक्यों को अपने अनुभवों से जोड़कर देखते हैं, जिसमें अनुमान लगाना आदि शामिल है। इस प्रक्रिया में पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना आदि बातें भी शामिल होती हैं। इसे एक सरल समीकरण के रूप में देख सकते हैं-

शब्द पहचान × **भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ** = **समझ के साथ पढ़ना**

ऊपर दी गई आकृति को **'सिम्पल व्यू ऑफ रीडिंग'** (Simple View of Reading) कहा जाता है। इसके अनुसार किसी पाठ को पढ़कर समझने के लिए शब्द पहचान (डिकोडिंग) और भाषा के विभिन्न पहलुओं की समृद्ध समझ होनी चाहिए।

जब भी हम **'पढ़ना'** कहते हैं तो इसका आशय पढ़कर समझने से है। पढ़ते समय ये सभी कौशल सक्रिय रहते हैं, इसी से पढ़कर अर्थ ग्रहण करना संभव होता है।

पढ़कर समझने के कौशल की बुनियाद, सुनकर समझना है। कक्षा में समृद्ध मौखिक वातावरण और शिक्षण ऐसे अवसर प्रदान करते हैं, जिससे अर्थ निर्माण और रचनात्मक समझ विकसित हो पाती हैं। बच्चे नई शब्दावली, तर्क-वितर्क और विश्लेषण करना सीखते हैं। पढ़कर समझने के लिए, शिक्षक द्वारा बच्चों को सक्रिय रूप से जोड़ने की आवश्यकता होती है। विभिन्न उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए खुले छोर के प्रश्न पूछना महत्त्वपूर्ण होता है। प्रश्नों के उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

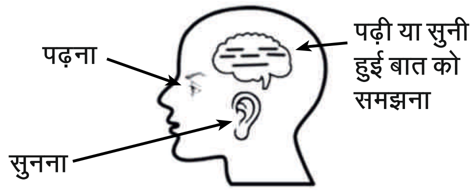

मस्तिष्क में पढ़कर समझना और सुनकर समझने के लिए एक ही यंत्र कार्य करता है।

बच्चों से पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार

अनुमान लगाना
- आपको क्या लगता है? यह कहानी किसके बारे में होगी ? (पढ़ने के पहले)
- आपको क्या लगता है, आगे कहानी में क्या होगा? (पढ़ने के दौरान)
- आपने पाठ पढ़ने से पहले जो अनुमान लगाया था, वह कहानी से कितना अलग था? (पढ़ने के बाद)

पूर्वज्ञान से जुड़ाव
- आपको कहानी के बारे में और क्या-क्या पता है ?
- आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों होता है ?

निष्कर्ष आधारित
- आपको इस कहानी में कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों?
- यदि कहानी के पात्र बदल दिए जाए तो क्या होगा?

कल्पना आधारित
- इस कहानी में आप होते तो क्या करते?
- कहानी का अंत बदलना हो, तो आप इसे कैसे बदलना चाहेंगे?

पढ़कर समझने के लिए नियमित पठन अभ्यास आवश्यक है। कक्षा 1 से ही बच्चों का किताबों से संबंध स्थापित होना चाहिए। किताबों के माध्यम से बच्चों में पढ़ने की समझ विकसित होती है, जैसे- किसी किताब को खोला कैसे जाता है? कैसे पकड़ा जाता है? कैसे पढ़ा जाता है? किताब का एक शीर्षक होता है, आदि। बच्चों को नियमित रूप से पठन अभ्यास के अवसर देने से, बच्चे शब्दों को सरलता से पहचान पाते हैं और अपना सारा ध्यान पाठ की समझ पर लगा पाते हैं।

बच्चों को पठन अभ्यास के नियमित अवसर देने के लिए प्रत्येक सप्ताह, पाँचवें दिन के तीसरे कालांश में पुस्तकालय की किताबों को पढ़ने का अवसर दिया गया है। इस कालांश में पुस्तकालय से बच्चों के स्तर की किताबों को उनकी पहुँच में रखें और किताबों को स्वयं से चुनकर उलटने-पलटने और पढ़ने के लिए प्रेरित करें। कहानियों की किताबों में कहानियाँ पढ़ने के दौरान, कुछ शब्द / वाक्य बार-बार आते हैं। ऐसे में बच्चों को उन्हें पढ़ने में हर बार विशेष ध्यान देना पड़ता है। ऐसे शब्द दृश्य शब्द कहलाते हैं। दृश्य शब्द ऐसे शब्द होते हैं, जिन्हें बच्चे सचेत प्रयास (डिकोडिंग) के बिना, यानि देखते ही पहचान और पढ़ लेते हैं। जैसे-जैसे बच्चे डिकोडिंग में निपुण होते जाते हैं, वे अधिकाधिक शब्दों को केवल देखकर पहचानने लगते हैं। यह रास्ता तब संभव होता है, जब किसी शब्द को इतनी बार पढ़ लिया हो कि वह तस्वीर की तरह दिमाग में बस जाए। शब्द पहचान में स्वतःस्फूर्तता विकसित करने के लिए आवश्यक है कि बच्चे बहुत सारे शब्दों को दृश्य शब्दों के रूप में पहचानने में सक्षम हों।

इसके लिए कहानियों की किताबों के अलावा बिग बुक या अन्य पठन सामग्री के माध्यम से भी आप बच्चों में पढ़ने की समझ को विकसित कर सकते हैं। यह एक चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत होता है, जिसे नीचे देखा जा सकता है-

प्रिंट से परिचय	आदर्श वाचन	साझा पठन	लोगोग्राफिक पठन	साझा लेखन

- **प्रिंट से परिचय :** लिखी हुई सामग्री के बारे में बच्चों की समझ में इस बात की जागरूकता शामिल है कि बोले गए शब्दों को लिखा जा सकता है, लिखे गए शब्दों को पढ़ा / बोला जा सकता है तथा प्रिंट संचार के लिए प्रयोग किया जाता है। इसे 'प्रिंट के प्रति जागरूकता' या 'प्रिंट की चेतना' भी कहा जाता है। इसके अलावा यह समझ कि किताब कैसे पकड़नी चाहिए, किसी पेज पर कहाँ से पढ़ना शुरू किया जाता है, लिखी हुई सामग्री की दिशा क्या होती है (जैसे- बायीं से दायीं, ऊपर से नीचे, आगे से पीछे की तरफ), अक्षर और शब्द में क्या अंतर है? आदि।
- **आदर्श वाचन :** शिक्षक द्वारा किसी कहानी को उचित हाव-भाव और उत्साह से आवाज के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए, पढ़कर सुनाने को आदर्श वाचन कहा जाता है। इस प्रक्रिया में शिक्षक पढ़कर सुनाते हैं और बच्चे ध्यान से सुनते हैं। इससे बच्चे औपचारिक भाषा से परिचित हो पाते हैं और लिखित भाषा का स्वरूप समझ पाते हैं।
- **साझा पठन :** साझा पठन में शिक्षक बड़े चित्र और बड़े फॉण्ट वाली किताबें उपयोग में लेते हैं। इस प्रक्रिया में शिक्षक और बच्चे मिलकर पढ़ते हैं। जिसमें पठन प्रक्रिया के दौरान, बच्चे चित्रों के माध्यम से, कहानी का अनुमान लगाते हैं। शिक्षक कहानी पढ़ते समय वाक्य को अधूरा पढ़कर, थोड़ा विराम लेते हैं और बच्चे चित्र से अनुमान लगाकर, अधूरे वाक्य को पूरा करने में अपने शब्द जोड़ते हैं।
- **लोगोग्राफिक पठन :** लोगोग्राफिक पठन में शब्दों को आकृति के रूप में पढ़ना होता है। इसमें पूरे शब्द को उसकी आकृति के आधार पर चित्र की तरह याद रखा जाता है। पढ़ना प्रारंभ करने वाले बच्चे अधिकतर इसी स्तर से प्रारंभ करते हैं। (यदि उन्हें इस प्रकार की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है।)
- **साझा लेखन :** इस लेखन रणनीति में शिक्षक और बच्चे मिलकर लिखते हैं। इस प्रक्रिया में, लिखने में दोनों ही अपने विचारों का योगदान देते हैं। संयुक्त रूप से लिखे गए पाठ को बोर्ड पर लिखने के लिए, शिक्षक लेखक की भूमिका निभाते हैं।

2024-25

वार्षिक शिक्षण उद्देश्य

अकादमिक सत्र 2024-25 के शिक्षण उद्देश्य, निपुण सूची, (शिक्षण योजनाएँ), (कार्यपुस्तिका) और (पाठ्यपुस्तक) से संरेखित हैं।

अकादमिक सत्र 2024-25 के शिक्षण उद्देश्य, निपुण सूची, शिक्षण योजनाएँ, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक से संरेखित हैं।

सप्ताह	वार्षिक शिक्षण उद्देश्य	पृष्ठ संख्या (शिक्षण योजनाएँ)	पृष्ठ संख्या (कार्यपुस्तिका)	पृष्ठ संख्या (पाठ्यपुस्तक)
सप्ताह 9-12	**स्कूल रेडिनेस पर कार्य** 1 कहानी/चित्र चार्ट, कहानी/कविता पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य 2 कार्यपुस्तिका पर कार्य- वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान (7 वर्ण और 1 मात्रा) 3 बिग बुक पर कार्य, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	16-39	5-24	
सप्ताह 13	सप्ताह 9-12 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	40	25-29	
सप्ताह 14-17	1 पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-1'** के पाठ 1-5 पर आदर्श वाचन एवं गतिविधियों पर कार्य। कहानी/चित्र चार्ट, कहानी/कविता पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य- वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान/शब्द पठन/वाक्यांश पठन (9 वर्ण और 2 मात्रा) 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य- पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	41-64	30-49 90-94	2-33
सप्ताह 18-19	1 पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-1'** के पाठ 6-9 पर आदर्श वाचन एवं गतिविधियों पर कार्य। कहानी/चित्र चार्ट, कहानी/कविता पोस्टर एवं उससे संबंधित लेखन कार्य 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य- वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान/शब्द पठन/वाक्यांश/ वाक्य पठन (6 वर्ण और 1 मात्रा) 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य- पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	65-76	50-59 95-98	34-59
सप्ताह 20	सप्ताह 9-19 तक की दक्षताओं पर आधारित पुनरावृत्ति	77	60-64	
सप्ताह 21-25	1 पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-1'** के पाठ 10-19 पर आदर्श वाचन एवं गतिविधियों पर कार्य। कविता पोस्टर/कहानी पोस्टर पर कार्य। 2 कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य- वर्ण/अक्षर/मात्राओं की पहचान/शब्द पठन/वाक्य पठन (18 वर्ण, 4 मात्रा और अनुस्वार) 3 कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य- पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य	78-107	65-89 99-108	60-114

☞ सप्ताह 1 से 8 तक स्कूल रेडिनेस कैलेंडर (विद्या प्रवेश) और संदर्शिका के अनुसार कार्य किया जाएगा। सप्ताह 9 से 12 में भी इस पर कार्य जारी रहेगा।

☞ सप्ताह 9 से 25 में आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (भाषा)-कक्षा-1, की शिक्षण योजनाओं के अनुसार कार्य किया जाएगा।

साप्ताहिक शिक्षण चक्र

साप्ताहिक शिक्षण चक्र के माध्यम से आपको यह पता चलता है कि पूरे अकादमिक वर्ष में किसी भी सप्ताह के 6 कार्य दिवसों में कक्षा-कक्ष में किस तरह की कार्य योजना क्रियान्वित की जाएगी। इस शिक्षण योजना से आपको निम्न जानकारियाँ मिलेंगी-

1. सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना।
2. सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना।

सप्ताह के 6 दिवसों की कार्य योजना इस शिक्षण चक्र से आपको यह स्पष्टता के साथ पता चलता है कि सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में नई दक्षताओं का शिक्षण कार्य किया जाएगा। पाँचवें दिन सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति होगी और छठे दिन सप्ताह की दक्षताओं का आकलन कार्य किया जाएगा। आकलन के आधार पर अगले सप्ताह के तीसरे कालांश में प्रतिदिन किए जाने वाले रिमीडियल कार्य की योजना बनाई जाएगी।

सप्ताह के किसी भी दिन के तीनों कालांशों की शिक्षण योजना इस शिक्षण चक्र से आपको स्पष्ट होगा कि पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक एवं मौखिक भाषा विकास पर कार्य किया जाएगा और दूसरे कालांश में कार्यपुस्तिका भाग-1 से डिकोडिंग की दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। तीसरे कालांश में कार्यपुस्तिका भाग-2 से पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा तथा प्रतिदिन (सप्ताह के शुरुआती पाँच दिन) तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट का समय रिमीडियल कार्य के लिए निर्धारित किया गया है।

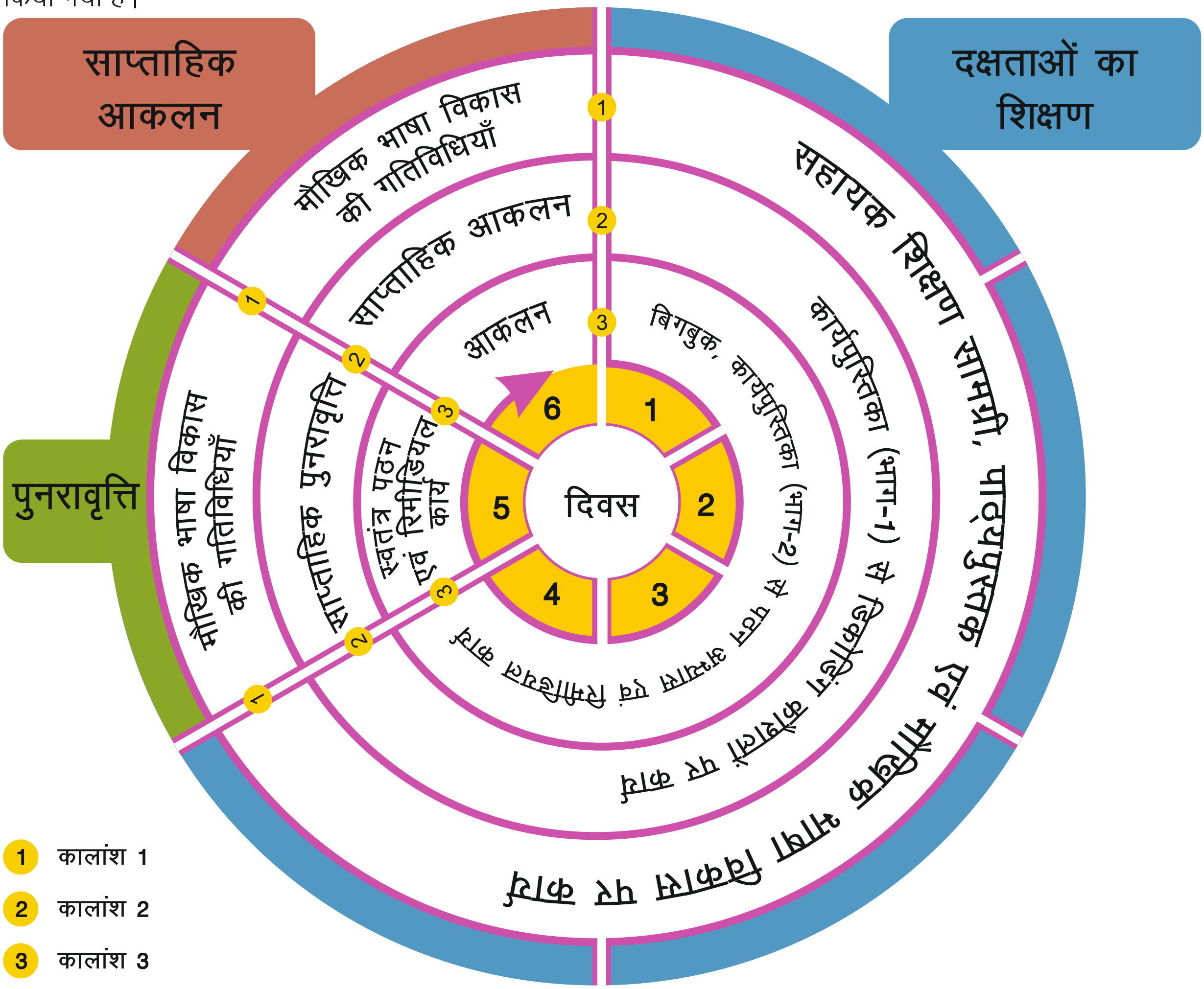

☞ इस शिक्षण चक्र के अनुसार कक्षा 1 में सप्ताह 9 से 25 तक कार्य किया जाएगा।

सप्ताह
दिवस

साप्ताहिक एवं दैनिक गतिविधियों का संदर्भ पृष्ठ

अकादमिक वर्ष 2024-25 में भाषा के तीनों कालांशों की शिक्षण योजनाओं में अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों की चर्चा की गई है। कक्षा में कार्य करते समय शिक्षण योजना को सुचारू रूप से चलाने के लिए गतिविधियों के चरणों को विस्तार से देखने की आवश्यकता है। इन गतिविधियों का विस्तृत विवरण देखने के लिए नीचे गतिविधियों के सामने उनके विस्तृत चरणों के संदर्भित पृष्ठों की संख्या दी गई है, आप उन पृष्ठों पर जाकर गतिविधियों के विस्तृत चरणों को देख सकते हैं। गतिविधियों के चरणों को पहले से पढ़कर आवश्यकतानुसार तैयारी कर लें, ताकि कक्षा-कक्ष की प्रक्रिया प्रभावी रूप से पूरी की जा सके।

कालांश	खंड	गतिविधि	पृष्ठ संख्या
1 (40 मिनट)	**मौखिक भाषा विकास और पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' एवं संबंधित लेखन पर कार्य (सप्ताह 9-25)**	चित्र चार्ट पर कार्य	108-109
		अनुभव पर चर्चा	109-110
		कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य	110-111
		मौखिक भाषा की खेल गतिविधियाँ	111-116
		सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ	116-120
		मौखिक कहानी सुनाना	120
		पाठ्यपुस्तक पर कार्य करने की रणनीति	121-122
		सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण	123
2 क स म (40 मिनट)	**कार्यपुस्तिका भाग-1 पर कार्य (सप्ताह 9-25)**	वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान/ब्लेंडिंग/शब्द/वाक्य/ग्रिड पर कार्य	124-126
		श्रुतलेख पर कार्य करने की रणनीति	127
		डिकोडिंग आधारित खेल गतिविधियाँ	127-129
3 (40 मिनट)	**कार्यपुस्तिका भाग-2 पर कार्य (सप्ताह 9-25)**	बिग बुक पर कार्य	130-131
		पठन अभ्यास पर कार्य	132
		स्वतंत्र पठन पर कार्य	132
		आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य	133-138

शिक्षण सामग्रियों का विवरण

अकादमिक **वर्ष 2024-25** में कक्षा-1 में तीनों कालांशों में भाषा शिक्षण हेतु निम्नलिखित सामग्रियाँ उपयोग में लाई जाएँगी-

कक्षा-1 की भाषा की पाठ्यपुस्तक सारंगी-1 मुख्य रूप से भाषा के चार खंडीय मॉडल पर आधारित है। इसमें **मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन** एवं **लेखन** आधारित गतिविधियाँ एक साथ दी गई हैं। **मौखिक भाषा विकास** के अवसर से सम्बन्धित **'चित्र और बातचीत, कविता, आओ कुछ बनाएँ, खेल-खेल में एवं खोजें और जानें'** आदि गतिविधियाँ हैं। वहीं **डिकोडिंग** (शब्द पहचान, ब्लेंडिंग आदि) के अवसर से सम्बन्धित गतिविधियों में अलग-अलग पाठों में **'शब्दों का खेल'** गतिविधि प्रमुख रूप से है। **पढ़ने** का अवसर से सम्बन्धित गतिविधियों में मुख्य रूप से **'आनंदमयी कविता, खेलगीत, सुनें कहानी, मिलकर पढ़िए'** आदि दिए गए हैं। **लेखन** सम्बन्धित गतिविधियों की बात की जाए तो पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ के पीछे अभ्यास गतिविधियों में लिखने का प्रारम्भ **चित्रों से, अक्षर प्रतीकों** से होता हुआ **शब्द एवं वाक्य लिखने** तक की गतिविधियों का समावेशन किया गया है।

☞ **सारंगी-1** के अलग-अलग पाठों एवं उनकी अभ्यास गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीतियों को आप इसी शिक्षक संदर्शिका के आगे के हिस्सों में विस्तार से देख सकते हैं।

चित्र चार्ट

चित्र चार्ट का उपयोग **कालांश 1** में किया जाएगा। इस अकादमिक सत्र में कुल 13 चित्र चार्ट (5 चित्र चार्ट और 8 पाठ्यपुस्तक के चित्र) उपलब्ध होंगे। चित्र चार्ट पर दो दिन और पाठ्यपुस्तक के चित्र पर एक दिन कार्य किया जाएगा। चित्र चार्ट के द्वारा बच्चे अपने घर की भाषा में खुद को अभिव्यक्त करना सीख पाएंगे। साथ ही, उनमें मौखिक भाषा विकास की अन्य दक्षताओं जैसे- कल्पना करना, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना आदि का भी विकास होगा।

कहानी पोस्टर

कहानी पोस्टर का उपयोग **कालांश 1** में किया जाएगा। इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कहानी पोस्टर उपलब्ध होंगे। इस पर सप्ताह में एक दिन कार्य किया जाएगा। कहानी पोस्टर पर कार्य के द्वारा बच्चों की मौखिक शब्दावली का विकास किया जाएगा। साथ ही, उनमें मौखिक भाषा विकास की अन्य दक्षताओं जैसे- कल्पना करना, अनुमान लगाना, विश्लेषण करना आदि का भी विकास होगा।

कविता पोस्टर

कविता पोस्टर का उपयोग **कालांश 1** में किया जाएगा। इस अकादमिक सत्र में कुल 5 कविता पोस्टर उपलब्ध होंगे। इस पर सप्ताह में एक दिन कार्य किया जाएगा। कविता पोस्टर में मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं पर कार्य के साथ-साथ बच्चे शिक्षक के साथ कविता का गायन भी करेंगे।

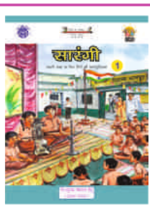

कार्यपुस्तिका

कार्यपुस्तिका (भाग-1) का उपयोग **कालांश-2** में किया जाएगा। इसमें डिकोडिंग के कौशलों के अभ्यासों पर कार्य किया जाएगा। इस अकादमिक सत्र में प्रत्येक बच्चे के पास कार्यपुस्तिका होगी। सप्ताह के सभी दिवसों में इस पर कार्य होगा। **कार्यपुस्तिका (भाग-2)** का उपयोग **कालांश-3** में किया जाएगा। इसमें बच्चों के पठन अभ्यास की दक्षता पर कार्य होगा।

बिग बुक

बिग बुक का उपयोग (सप्ताह 9 से 14 में) **कालांश 3** में **पठन संबंधित** गतिविधियों में किया जाएगा, जिसमें आदर्श वाचन, साझा पठन, लोगोग्राफिक पठन एवं साझा लेखन की गतिविधियाँ कराई जाएँगी। सप्ताह के शुरुआती चार दिनों में इन पर कार्य होगा। इस अकादमिक सत्र में कुल 5 बिग बुक उपलब्ध होंगी।

1 2 3 कालांशों की रूपरेखा

- इस संदर्शिका में 17 सप्ताहों की शिक्षण कार्य योजना दी गई है। प्रत्येक सप्ताह में 6 दिन शिक्षण कार्य होगा। भाषा शिक्षण के लिए प्रतिदिन 40-40 मिनट के तीन कालांश निर्धारित है।
- कालांश-1 में सारंगी-1 एवं मौखिक भाषा विकास से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-2 में डिकोडिंग के कौशल पर कार्य किया जाएगा।
- कालांश-3 में बिग-बुक, पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा। इसके साथ-साथ रिमीडियल कार्य भी, तीसरे कालांश में प्रतिदिन (सप्ताह के शुरुआती पाँच दिनों में) किया जाएगा।

1 कालांश — 40 मिनट

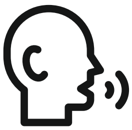

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत / छोटी कहानियाँ / खेल गतिविधि
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य
- चित्र चार्ट पर कार्य
- अनुभव पर चर्चा
- सामाजिक एवं भावनात्मक विकास एवं खेल गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना
- कविता / कहानी पोस्टर पर कार्य

☞ **इन सभी गतिविधियों से संबंधित लेखन कार्य भी किया जाएगा।**

शिक्षण सामग्री

- पाठ्यपुस्तक सारंगी-1
- चित्र चार्ट
- कविता / कहानी पोस्टर
- शिक्षक संदर्शिका

2 कालांश — 40 मिनट

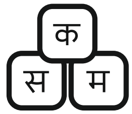

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत / छोटी कहानियाँ / खेल गतिविधि
- वर्ण / अक्षर / शब्द पठन की गतिविधियाँ
- वाक्यांश और वाक्य पठन की गतिविधियाँ

शिक्षण सामग्री

- कार्यपुस्तिका (भाग-1)
- शिक्षक संदर्शिका

3 कालांश — 40 मिनट

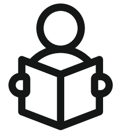

गतिविधियाँ

- कविता / बालगीत / छोटी कहानियाँ / खेल गतिविधि
- बिग बुक पर कार्य
- पठन अभ्यास
- स्वतंत्र पठन
- रिमीडियल कार्य

शिक्षण सामग्री

- बिग बुक
- कार्यपुस्तिका (भाग-2)
- पुस्तकालय की किताबें
- शिक्षक संदर्शिका

नोट- सप्ताह 14 से 25 तक प्रत्येक सप्ताह के दिवस-6 में कालांश 2 व 3 के दौरान, साप्ताहिक आकलन '**मैंने सीख लिया**' पर कार्य किया जाएगा।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और **खेल गतिविधि**

तैयारी: गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'हाव-भाव की झलक'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।
- गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ, जैसे- इस गतिविधि में हाव-भाव के कार्डों में से आपको एक कार्ड उठाना है और उसके भाव से जुड़ी कोई घटना सुनानी है।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'ओला-ओला, बम का गोला'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'क' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 5

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान:** आप परिचित शब्द 'कलम' की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे- /क/ /ल/ /म/ कलम और पहली आवाज /क/ को अलग करें और 'क' को बोर्ड पर लिखकर 3-4 बार उच्चारित करें।
- अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में 'क' वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें।
- अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'क' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को 'क' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को उनकी पसंद का चित्र बनाने व उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों का प्रिंट से परिचय कराना, आदर्श वाचन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'मुर्गी के तीन चूजे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : can Nksj ds iz'u rS;kj j[ksaA

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन-कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं।
- बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान, क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'खेल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- यह चित्र कहाँ का है? चित्र में क्या हो रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कंचे खेलते हुए बच्चे आपस में क्या बात कर रहे होंगे? आप अपने मित्रों के साथ कौन-कौन सा खेल खेलते हो? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'क' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 6

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान:** आप परिचित शब्द 'करन' की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें, जैसे- /क/ /र/ /न/ - करन और पहली आवाज /क/ अलग करें और 'क' को बोर्ड पर लिखकर 3-4 बार उच्चारित करें।
- आप बच्चों को 'क' वर्ण कार्ड या बोर्ड पर लिखकर उच्चारित करें। अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में 'क' वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** 'क' वर्ण के गोले में रंग भरवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** 'क' वर्ण के लेखन एवं चित्रों को पहचान कर पहले वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, चित्रों के नाम अपने साथी को बताने को कहें।

बच्चे अगर सटीक वर्ण नहीं लिख सकें, तो उनके लेखन को स्वीकारते हुए सुधार करें और लिखकर दिखाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'मुर्गी के तीन चूजे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : can ,oa [kqys Nksj ds iz'u rS;kj j[ksaA

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएँ जाएँ।
- अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मुर्गी और उसके चूजे को आगे क्या मिला होगा? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- मुर्गी, बच्चे, चूजे, खेल आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे बिग बुक की कहानी समझ पाए और शब्दों को पढ़ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'खेल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए, आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर मैदान ना हो, तो आप कहाँ-कहाँ खेल सकते हैं? आदि।
- बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनका नाम लिखने को कहें। (यहाँ वर्तनी की अशुद्धता पर ध्यान न देते हुए, उन्हें लिखने के अवसर दें।) फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र एवं उन्होंने क्या और क्यों बनाया है, इसे कक्षा के बाकी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'र' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 7

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप परिचित शब्द 'रतन' की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे- /र/ /त/ /न/ - रतन और पहली आवाज /र/ अलग करें और 'र' को बोर्ड पर लिखकर 3-4 बार उच्चारित करें।
- अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में 'र' वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** 'र' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** 'र' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'र' वर्ण के प्रतीक की पहचान करवाकर गोला लगवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को उनकी पसंद का चित्र बनाने व उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें।

☞ दूसरे कालांश में वर्ण लेखन के अतिरिक्त अभ्यास के लिए नोटबुक का भी उपयोग कर सकते हैं।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'मुर्गी के तीन चूजे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- शिक्षक द्वारा साझा पठन के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षक के पढ़ने पर उनके पीछे सामूहिक रूप से दोहराना बच्चों के पढ़ने-सीखने में सहायता नहीं करता।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और खेल गतिविधि

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'कक्षा में बात कहने के तरीके को समझना'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल **'बोलो-बोलो कौन है मिलता'** गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज के खेल से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपने साथी से बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'र' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 8

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप परिचित शब्द 'रमन' की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें। जैसे- /र/ /म/ /न/ - रमन और पहली आवाज /र/ अलग करें और 'र' को बोर्ड पर लिखकर 3-4 बार उच्चारित करें।
- अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में 'र' वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** 'र' वर्ण के गोले में रंग भरवाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** 'र' वर्ण के लेखन एवं चित्रों को पहचानकर पहले वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों से दिए गए चित्र पर बातचीत के माध्यम से अपने विचार अपने साथी के साथ साझा करने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'मुर्गी के तीन चूजे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएँ और पढ़ें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे कालांश-2 की गतिविधियों को समझ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना और चर्चा करना।

विषयवस्तु : मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था? आदि।

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। उन्हें अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं सप्ताह में सिखाए गए वर्णों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'यह मेरा अक्षर'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और पहली आवाज को अलग करें। फिर कुछ बच्चों को इस सप्ताह सिखाए गए वर्णों से बनने वाले शब्दों में, चयनित वर्ण ढूँढ़कर गोला लगाने को कहें। अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'क' और 'र' वर्ण के साथ-साथ कुछ अन्य वर्ण लिखें। अब कुछ बच्चों को बुलाकर उन्हें 'क' और 'र' वर्ण पहचानने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका की गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** चित्रों पर उनके स्वाद के बारे में चर्चा करते हुए बच्चों को अपने साथी को स्वाद बताने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और कालांश-2 के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें ।

सप्ताह 9 | दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास।

विषयवस्तु : कविता पोस्टर **'चींटी'**

तैयारी : dfBu ,oa vewrZ 'kCnksa dks rS;kj j[ksaA

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान बच्चों से लगाने को कहें, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- पिद्दी, नन्ही, प्यारी आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, कुछ प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- आपको कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

सप्ताह में सिखाए गए वर्णों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 9

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और पहली आवाज को अलग करें। फिर कुछ बच्चों को इस सप्ताह सिखाए गए वर्णों से बनने वाले शब्दों में, चयनित वर्ण ढूँढ़कर गोला लगाने को कहें। अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-9 दिवस-6 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** चित्रों को पहचानकर बच्चों से पहले वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** 'क' और 'र' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

नोटबुक पर कार्य

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'क' और 'र' वर्ण के साथ-साथ कुछ अन्य वर्ण लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर उन्हें 'क' और 'र' वर्ण पहचानने को कहें। सुनिश्चित करें कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को अवसर मिले।

लोगोग्राफिक पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा लोगोग्राफिक पठन पर कार्य करना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: लोगोग्राफिक पठन और रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के नाम का चार्ट तैयार कर लें।

लोगोग्राफिक पठन (15-17 मिनट) :

- आप एक चार्ट/बोर्ड पर सभी बच्चों के नाम लिख दें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को कागज़ की गेंद देंगे और ताली बजाएगे, जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के पास होगी, उन्हें कक्षा में चिपकाए गए नाम चार्ट में से अपना नाम खोजकर पढ़ना होगा।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 8 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 10 दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु: SEL और **खेल गतिविधि**

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'एक दो तीन'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल **'झोले की वस्तुएँ'** गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपने साथी से बातचीत करने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'न' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 10

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, अलग-अलग तरीकों (पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाकर, वर्णों को बड़े आकार में बोर्ड पर लिखकर आदि) से करवाएँ। अब आप 'न' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें।
- अलग-अलग तरीकों से बच्चों को 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले), जैसे- अपनी अंगुली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखने का अभ्यास आदि।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'न' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को पतंग का चित्र बनाने व उसके बारे में अपने साथी से बात करने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों का प्रिंट से परिचय कराना, आदर्श वाचन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'चिड़िया'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन- कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं।
- बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान, क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 10 दिवस 2

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'गाँव'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बच्चे क्या खेल रहे हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चारपाई पर बैठे लोग क्या बातचीत कर रहे होंगे? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'न' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 11

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान:** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, अलग-अलग तरीकों से करवाएँ। अब आप 'न' को अलग से बोर्ड पर बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। अलग-अलग तरीकों से बच्चों को 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास (बोर्ड एवं नोटबुक) करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को 'न' वर्ण के गोले में रंग भरने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 2 और 3 (7-10 मिनट) :** 'न' वर्ण के लेखन एवं चित्रों को पहचान कर पहले वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप कुछ यातायात के साधनों के नाम, जो बच्चों के परिवेश के हों, उस पर चर्चा करें। फिर उन्हें दिए गए चित्रों के नाम अपने साथी को बताने को कहें।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'चिड़िया'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : can ,oa [kqys Nksj ds iz'u rS;kj j[ksaA

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएँ।
- अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर बिल्ली नहीं सोई होती तो चिड़िया बचने के लिए क्या करती? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- चिड़िया, पानी आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे बिग बुक की कहानी समझ पाए और शब्दों को पढ़ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

सप्ताह 10 दिवस 3

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'गाँव'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें एवं बातचीत करें। आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चारपाई पर कितने लोग बैठे हैं? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- आपने गाय के अलावा और कौन-कौन से जानवरों को चारा खाते देखा है? वे चारा ही क्यों खाते हैं? आदि।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनका नाम लिखने को कहें। (यहाँ वर्तनी की अशुद्धता पर ध्यान न देते हुए, उन्हें लिखने के अवसर दें।) फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र एवं उन्होंने क्या और क्यों बनाया है, इसे कक्षा के बाकी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्ण 'म' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 12

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (12-15 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, अलग-अलग तरीकों (पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाकर, वर्णों को बड़े आकार में बोर्ड पर लिखकर आदि) से करवाएँ। अब आप 'म' को अलग से बोर्ड पर, बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें।
- अलग-अलग तरीकों से बच्चों को 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ (कार्यपुस्तिका में कार्य करने से पहले) जैसे- अपनी अंगुली से हवा में लिखना, जमीन या रेत पर लिखने का अभ्यास आदि।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'म' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों से दिए गए चित्र पर बातचीत के माध्यम से अपने विचार अपने साथी के साथ साझा करने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'चिड़िया'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षक के पढ़ने पर उनके पीछे सामूहिक रूप से दोहराना बच्चों के पढ़ने-सीखने में सहायता नहीं करता।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और **खेल गतिविधि**

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट) :

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'हाव-भाव'** के विस्तृत चरणों को संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट) :

- आप खेल **'करके दिखाओ'** गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'म' की ध्वनि व प्रतीक पहचानना और लिखने का अभ्यास करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 13

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** बच्चों को चयनित वर्ण, ध्वनि एवं प्रतीक पहचान, अलग-अलग तरीकों से करवाएँ। अब आप 'म' को अलग से बोर्ड पर, बड़े आकार में लिखें और 3-4 बार इसका उच्चारण करें। अलग- अलग तरीकों से बच्चों को 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास (बोर्ड एवं नोटबुक) करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** 'म' वर्ण की ध्वनि की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर बड़े आकार में, कई जगह 'म' वर्ण के साथ अन्य वर्णों को लिखें और फिर बच्चों से 'म' वर्ण पहचानने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** चित्रों को पहचानकर पहले वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप बच्चों के साथ कुछ परिवेशीय चीजों पर चर्चा करें। फिर बच्चों से कार्यपुस्तिका में दी गई चीजों में से उन्होंने जो देखा है, उस पर सही का निशान लगाने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'चिड़िया'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएँ और पढ़ें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे कालांश-2 की गतिविधियों को समझ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा करना

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कहानी में कौन-कौन थे? आदि।

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव एवं तर्क आधारित) के प्रश्न भी पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते हो, तो क्या करते और क्यों? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? आदि। अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने एवं अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मिलकर खोजें'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **वर्ण पहचान:** आप परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और पहली आवाज को अलग करें। फिर कुछ बच्चों को इस सप्ताह सिखाए गए वर्णों से बनने वाले शब्दों में, चयनित वर्ण ढूँढ़कर गोला लगाने को कहें। अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में वर्ण ढूँढ़ने व गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** 'न' और 'म' वर्ण के प्रतीकों की पहचान करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** बच्चों को 'र' और 'म' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और कालांश-2 के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें ।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु : कहानी पोस्टर **'जंगल का चुनाव'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- चुनाव कहाँ था? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- चुनाव, घोषणा, सुरक्षा आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- शेर की जगह आप होते तो क्या करते? आदि। अंत में, सभी जोड़ियां की प्रतिक्रिया लें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 14

तैयारी : वर्ण पहचान के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप परिचित शब्दों की आवाजों को तोड़कर-जोड़कर बोलें और पहली आवाज को अलग करें। फिर कुछ बच्चों को इस सप्ताह सिखाए गए वर्णों से बनने वाले शब्दों में, चयनित वर्ण ढूँढ़कर गोला लगाने को कहें। अब पाठ्यपुस्तक और अन्य प्रिंट सामग्री में वर्ण ढूँढ़ने और गोला लगाने को कहें। अलग-अलग तरीकों से जैसे- रेत, हवा, जमीन पर वर्ण लिखने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-10 दिवस-6 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों को चित्र को उसके पहले वर्ण से मिलाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** 'क' और 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

नोटबुक पर कार्य

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर 'क' और 'म' वर्ण के साथ-साथ कुछ अन्य वर्ण लिखें। फिर कुछ बच्चों को बुलाकर उन्हें 'क' और 'र' वर्ण पहचानने को कहें। सुनिश्चित करें कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को अवसर मिले।

लोगोग्राफिक पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा लोगोग्राफिक पठन पर कार्य करना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: लोगोग्राफिक पठन और रिमीडियल कार्य

तैयारी: संसाधनों के नामों की सूची पहले से तैयार कर लें।

लोगोग्राफिक पठन (15-17 मिनट)

- आप कक्षा संसाधनों के नाम जैसे- 'कुर्सी' को चार्ट पेपर पर लिखकर कुर्सी पर चिपका दें और दो-तीन बार पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। इसी तरह अन्य संसाधनों के नाम लिखकर भी चिपका दें।
- अब आप स्ट्रिप पर लिखे कक्षा संसाधनों को ज़मीन पर फैला दें। अब आप एक-एक कर सभी बच्चों के नाम और उन्हें कोई भी एक स्ट्रिप उठाने को कहें और दिखाते हुए लिखे हुए नाम को पहचानने के लिए कहें।
- अगर बच्चे स्ट्रिप में लिखे नाम को नहीं पढ़ पाए, तो आप उनके लिए पढ़ दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 9 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : **SEL** और **खेल गतिविधि**

तैयारी: गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'स्कूल में मेरी पसंद की वस्तुएँ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल **'बताओ यह क्या है'** गतिविधि बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अक्षर पहचान एवं ब्लेंडिंग करना।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 15

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अक्षर पहचान (5-7 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों से क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड, बोर्ड द्वारा वर्ण/अक्षर की पहचान का अभ्यास करवाएँ और वर्ण का अक्षर बनने से उसकी ध्वनियों में क्या अंतर आता है, इसकी पहचान करवाएँ, जैसे- [न][ना] (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 1 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)
- **ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द बोर्ड पर बॉक्स में इस तरह लिखें और पढ़ें। जैसे- [न][र] → [नर]
- इसी प्रकार अन्य शब्दों जैसे- कान, नर आदि को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे)। ब्लेंडिंग के चरणों को आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से वर्ण/अक्षर की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को अक्षरों के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों का प्रिंट से परिचय कराना, आदर्श वाचन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'हाथी और बकरी'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन-कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं।
- बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान, वर्णों/अक्षरों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मेले में कौन-कौन सी चीजें बिक रही हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आप लोग मेले में जाते हो, तो क्या-क्या करते हैं? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 16

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- कान, काम आदि।) शब्द पठन के चरणों को आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से वर्ण/अक्षर की ध्वनि की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** चित्रों को पहचान कर उनके नाम का पहला वर्ण/अक्षर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'हाथी और बकरी'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएँ। अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- हाथी को कैसा लग रहा होगा? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- हाथी, बकरी, पीठ, जंगल आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे बिग बुक की कहानी समझ पाए और शब्दों को पढ़ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट) :

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- साइकिल पर क्या बेच रहे हैं? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सोचें अगर मेला जाड़े में हो, तो क्या आप आइसक्रीम खरीदेंगे और क्यों? आदि।
- बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

अक्षर पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 17

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन** : बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- कम, कार आदि।) शब्द पठन के चरणों को आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : ग्रिड की सहायता से वर्ण/अक्षर की ध्वनि की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट)** : आप बच्चों को वर्णों/अक्षरों को लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : चित्रों को पहचानकर उनके नाम पढ़ने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'हाथी और बकरी'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षक के पढ़ने पर उनके पीछे सामूहिक रूप से दोहराना बच्चों के पढ़ने-सीखने में सहायता नहीं करता।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : **SEL** और **खेल गतिविधि**

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'क्या अच्छा लगा'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'पहचानो और बताओ'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- अब आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 18

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन** : बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- कान, नाना आदि।) शब्द पठन के चरणों को आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट)** : बच्चों को चित्रों को उनके नाम से मिलाने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट)** : आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'हाथी और बकरी'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएँ और पढ़ें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान, क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा करना

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था? आदि।

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। उन्हें अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मैंने खोज लिया'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **ब्लेंडिंग :** अब तक सिखाए गए तरीकों से ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और कालांश-2 के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास।

विषयवस्तु : कविता पोस्टर **'हाथी'**

तैयारी : कठिन/अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने को कहें, जैसे- कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- पूँछ, सूँड़, बोझ और समझ आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- आपको कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा? आदि। इसके बाद कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 19

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- नाक, काका आदि।) शब्द पठन के चरणों को आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-11 दिवस-6 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों से दिए गए चित्र पर बातचीत के माध्यम से अपने विचार अपने साथी के साथ साझा करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

नोटबुक पर कार्य

- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** आप कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें जैसे- कर, कम, मन, कान, नाना आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक शब्दों को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इन्हें नोटबुक में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

लोगोग्राफिक पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा लोगोग्राफिक पठन पर कार्य करना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: लोगोग्राफिक पठन और रिमीडियल कार्य

तैयारी: शब्दों की सूची पहले से तैयार कर लें।

लोगोग्राफिक पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाकर उनके द्वारा सुनी गई कहानी में आए कुछ शब्दों को बताने के लिए कहें, जैसे- बकरी, चिड़िया, सुरीली, बिल्ली आदि।
- बच्चों की प्रतिक्रिया में आए कुछ सरल परिवेशीय संज्ञा शब्दों (8-10) को एक चार्ट पेपर पर लिखें। लिखे हुए शब्दों को पहले आप 2-3 बार पढ़ें। इसके बाद बच्चों को बारी-बारी बुलाएँ और उन्हें कोई शब्द बोलें और बोलें गए शब्द को चार्ट में से ढूंढने को कहें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 10 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 12 दिवस 1

मौखिक भाषा विकास पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और **खेल गतिविधि**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न साथ बच्चों को दें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'डायलॉग'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'शब्द अन्त्याक्षरी'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्ण 'स' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 20

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5-7 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5-7 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। (**ध्यान दें** कि यहाँ हम वर्णों/अक्षरों को मिलाकर नहीं, बल्कि एक शब्द/एक इकाई के रूप में पढ़ेंगे, जैसे- रस, सर, मामा आदि।) शब्द पठन के चरण आप संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'स' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** 'स' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

बिग बुक पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों का प्रिंट से परिचय कराना, आदर्श वाचन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'माँ और बच्चे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन- कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं।
- बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 11 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने मौखिक भाषा की गतिविधियों को समझा और गतिविधियों में प्रतिभाग किया है ? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उन्हें अधिक अवसर दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'बरसात'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन क्या कर रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सोचें और बताएँ, बरसात के पानी से क्या-क्या भीगा होगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'त' की पहचान और ब्लेंडिंग।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 21

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5-7 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **ब्लेंडिंग (5-7 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से ब्लेंडिंग के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'त' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** 'त' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'माँ और बच्चे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएँ।
- अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सुरीली बच्चों को खेलता देख क्यों पकड़ना भूल गई? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- सुरीली, नदी, बच्चे आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 11 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे बिग बुक की कहानी समझ पाए और शब्दों को पढ़ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : चित्र चार्ट **'बरसात'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट) :

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कितने लोग छाता लिए हुए हैं? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सोचो अगर बरसात ना हो, तो क्या होगा? आदि।
- बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनका नाम लिखने को कहें। (यहाँ वर्तनी की अशुद्धता पर ध्यान न देते हुए, उन्हें लिखने के अवसर दें।) फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र एवं उन्होंने क्या और क्यों बनाया है, इसे कक्षा के बाकी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 22

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 2 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से वर्ण/अक्षर की ध्वनि की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से चित्रों को देखकर उनके नाम का पहला वर्ण लिखकर शब्द पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों से दिए गए चित्र पर बातचीत के माध्यम से अपने विचार अपने साथी के साथ साझा करने को कहें।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'माँ और बच्चे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 11 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: शिक्षक के पढ़ने पर उनके पीछे सामूहिक रूप से दोहराना बच्चों के पढ़ने-सीखने में सहायता नहीं करता।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : **SEL** और **खेल गतिविधि**

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'आईने की तरह नकल करना'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'मेरे बारे में बताओ'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ब' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 23

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5-7 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** 'ब' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को 'ब' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'माँ और बच्चे'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएँ और पढ़ें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 11 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे को कालांश-2 की गतिविधियों को समझ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था?

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। उन्हें अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'शब्द बनाओ पढ़कर सुनाओ'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **शब्द पठन :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को चित्रों को देखकर उनके नाम का पहला वर्ण लिखकर शब्द पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 11 सप्ताहों (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पठन कौशल को निपुणता से कर पाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु : कहानी पोस्टर **'पतंग और बकरी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- पतंग कटकर कहाँ अटक गई? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- अटक, टकराई, उड़ आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- पतंग कटकर कहाँ-कहाँ जा सकती है? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी बच्चों के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 24

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **शब्द पठन :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-12 दिवस-6 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

नोटबुक पर कार्य

- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** आप कुछ वर्णों/अक्षरों को बोर्ड पर लिखें, जैसे- स, त, ब, क, न, रा, सा, त, ता, मा आदि। फिर अंगुली रखकर एक-एक वर्णों/अक्षरों को पढ़ते जाएँ। फिर बच्चों को इन्हें नोटबुक में लिखकर जोड़ियों में पढ़ने को कहें।

लोगोग्राफिक पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा लोगोग्राफिक पठन पर कार्य करना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: लोगोग्राफिक पठन और रिमीडियल कार्य

तैयारी: बिग बुक के नाम की स्ट्रिप पहले से तैयार कर लें।

लोगोग्राफिक पठन (15-17 मिनट)

- अब आप बच्चों को अभी तक पढ़ाई गई बिग बुक के शीर्षक 'पढ़कर बताएँ' और उन्हें कक्षा में किसी एक स्थान पर रखें।
- बच्चों को संख्या के अनुसार, कागज की स्ट्रिप पर बिग बुक के नाम लिखकर रखें।
- आप बच्चों को बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे की तरफ कागज की गेंद फेकेंगे।
- जिस बच्चे के पास वह गेंद होगी, वह रखी हुई स्ट्रिप को उठाएगा और उसके नाम को पढ़कर बिग बुक के ऊपर रखकर आएगा।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- अब तक (स्कूल रेडिनेस) के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 13

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सप्ताहों में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 12 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- जो बच्चे डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्ययोजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-13 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 12 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों के साथ पुस्तकालय की किताबें, बिग बुक आदि स्वतंत्र रूप से पढ़ने को दिया जा सकता है। साथ ही, कार्यपुस्तिका के सप्ताह-13 की पुनरावृत्ति गतिविधियों को भी स्वतंत्र रूप से करने को कहें।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और **खेल गतिविधि**

तैयारी: गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'मुझे कुछ कहना है'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'इनके बारे में बताओ'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ल' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 30

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5-7 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ल' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ल' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों का प्रिंट से परिचय कराना, आदर्श वाचन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'शेर की गुफा'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन-कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं।
- बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 13 सप्ताहों के अवलोकन के आधार पर बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने मौखिक भाषा की गतिविधियों को समझा और गतिविधियों में प्रतिभाग किया है ? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उन्हें अधिक अवसर दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' में दिए गए चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : पाठ्यपुस्तक का चित्र **'परिवार'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में गाय क्या खा रही है? चित्र में कुल कितने बच्चे हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ ले सकते हैं।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको अपना परिवार कैसा लगता है? आदि।

पाठ आधारित कार्य (10-15 मिनट) :

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'द' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 31

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5-7 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'द' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'द' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

आदर्श वाचन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'शेर की गुफा'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएँ।
- अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- शेर फिर आएगा तो सियारिन बचने के लिए क्या करेगी? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- शेर, सियार, गुफा, पूँछ आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 13 सप्ताहों के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे बिग बुक की कहानी समझ पाए और शब्दों को पढ़ पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' में दिए गए चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु : पाठ्यपुस्तक का चित्र **'परिवार'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए, आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- दादी क्या कर रही है? आदि।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में हो रहे कामों में से कौन-सा काम आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पाठ आधारित कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने और अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यांशों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 32

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **शब्द पठन (5 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से मिलकर बनने वाले शब्द बोर्ड पर लिखकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। उसके बाद स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्यांश पठन (7-10 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांश को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन एवं वाक्यांश पठन का अभ्यास करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन का अभ्यास कराना एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'शेर की गुफा'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 13 सप्ताहों के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं। शिक्षक के पढ़ने पर उनके पीछे सामूहिक रूप से दोहराना बच्चों के पढ़ने-सीखने में सहायता नहीं करता।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और खेल गतिविधि

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'मैं एक जानवर हूँ'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'क्या हो अगर'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनमें रंग भरने को और चित्र पर अपना नाम लिखने को कहें। जब बच्चे चित्र बना लें, तो उनके चित्र **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'प' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्यांश पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 33

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण/अक्षर पहचान (5 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से वर्ण/अक्षर की पहचान के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **ब्लेंडिंग (5 मिनट) :** अब तक सिखाए गए तरीकों से ब्लेंडिंग के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) देते हुए करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्यांश पठन (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांश (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1, 2 और 3 (10-12 मिनट) :** 'प' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप जोड़ियों में बाँटकर बच्चों को वाक्यांश पठन का अभ्यास करवाएँ।

बिग बुक पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: बिग बुक **'शेर की गुफा'** और **रिमीडियल कार्य**

तैयारी : बंद एवं खुले छोर के प्रश्न तैयार रखें।

बिग बुक से पठन (15-17 मिनट)

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएँ और पढ़ें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 13 सप्ताहों के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज कौन-सी गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं सरल चर्चा करना।

विषयवस्तु: मौखिक कहानी सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार करें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था?

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'चलो इस राह पर'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-14 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट):** वर्णों में मात्रा 'ा' लगाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट):** चित्रों को पहचान कर बच्चों को उनके नाम पूरा करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

☞ गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 2 को भी उपयोग में ले सकते हैं।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले 13 सप्ताहों के अवलोकन के आधार पर रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और कालांश-2 के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास।

विषयवस्तु : कविता पोस्टर **'अलमारी'**

तैयारी : कठिन एवं अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने को कहें, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- पुस्तक, खिलौने, काश आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- लड़की अलमारी में होना क्यों चाह रही थी? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को सभी के साथ अपने चित्र पर बातचीत करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-14 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए गए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 34

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वर्ण/अक्षर लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 15 **दिवस 1**

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 **'मीना का परिवार'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव पाठ से बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से संबंधित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मीना को अपने भाई के साथ खेलने में आनन्द क्यों आता होगा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- नटखट, चुलबुला, प्यार आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1, 2 और 4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें और फिर उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्यांश पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 35

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **अक्षर पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप अक्षर पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 4 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)
- **वाक्यांश पठन (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांशों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से अक्षर की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का पठन एवं लेखन अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्यांश पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-1 में दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (तबला, पालना, सामना आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा पठन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के पठन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा।

विषयवस्तु: पाठ-1 **'मीना का परिवार'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से संबंधित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से संबंधित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- फल के अलावा माँ और क्या-क्या खाने को देती होंगी? गमले में पानी और कौन-कौन देता होगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 3, 5, 6 और 7 एवं पहेली)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें लिखने को कहें। बच्चों के लेखन कार्य पर व्यक्तिगत फीडबैक दें एवं आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 36

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **शब्द पठन :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को सिखाए गए वर्णों पर ' ी ' मात्रा लगाकर अक्षर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनका नाम पूरा करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-1 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 1 के शब्दों एवं वाक्यांशों को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 15 | दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का साझा लेखन और अभिनय करना।

विषयवस्तु: पाठ-1 'मीना का परिवार'

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का दोहराव (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पिछले दो दिनों की चर्चा के आधार पर कहानी के घटनाक्रम को बताने (जैसे- कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत में क्या हुआ था?) के लिए कहें।

साझा लेखन (7-10 मिनट)

- इसके बाद बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम मिलकर कहानी को अपने शब्दों में लिखेंगे। बच्चों को 6-8 वाक्यों की कहानी अपने शब्दों में बताने को कहें। इस दौरान बच्चों द्वारा बोले गए वाक्यों में आप अपनी ओर से कुछ ना जोड़ते हुए बोर्ड पर लिखें। अधिकतम बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें।
- अंत में बच्चों को बोर्ड पर लिखी कहानी पढ़कर सुनाएँ। आप इस कहानी को चार्ट पर लिखकर कक्षा में चस्पा कर सकते हैं।

बच्चों द्वारा समूह कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर उनके द्वारा बनाई गई कहानी के आधार पर चित्र बनाने को कहें। बच्चों को चित्र पर अपने समूह में चर्चा करने को कहें। फिर कुछ समूहों को अपना चित्र और चर्चा पूरी कक्षा के साथ साझा करने को कहें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1-4)** पर बच्चों से मौखिक रूप से चर्चा करें, फिर उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्यांश पठन की पुनरावृत्ति पर कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 37

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **वाक्यांश पठन :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांश के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** बच्चों को क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड में दिए वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्यांश पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-2 में दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों (मीनार, पतली, पतीला आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

बच्चों को उनकी भावनाओं को समझने और अभिव्यक्त करने के अवसर देना।

विषयवस्तु : SEL और खेल गतिविधि

तैयारी : गतिविधियों से संबंधित सामग्री तैयार रखें।

सामाजिक भावनात्मक विकास गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप सामाजिक भावनात्मक विकास (SEL) की गतिविधि **'हाव-भाव की झलक'** के विस्तृत चरणों को इस संदर्शिका से देखें।
- गतिविधि से संबंधित सभी निर्देश स्पष्टता के साथ बच्चों को देते हुए गतिविधि करवाएँ, जैसे- इस गतिविधि में हाव-भाव के कार्डों में से आपको एक कार्ड उठाना हैं और उसके भाव से जुड़ी कोई घटना सुनाना है।

खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप खेल गतिविधि **'ओला-ओला, बम का गोला'** बच्चों के साथ करवाएँ और इससे संबंधित सभी निर्देश इस संदर्शिका से स्पष्टता के साथ बच्चों को दें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर उसमें रंग भरने और अपने साथी के साथ बातचीत करने को कहें। अब बच्चों के बनाए चित्रों को कक्षा में निर्धारित **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

अक्षर पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 38

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें और वर्ण पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** 'च' वर्ण की ध्वनि और प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'च' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-2 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : रिमीडियल की गतिविधि संदर्शिका से देखें।

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 2 के शब्दों एवं वाक्यांशों को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे कालांश-2 में दी गई गतिविधियों को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा

विषयवस्तु: मौखिक कहानी को क्रमवार सुनाना

तैयारी: कहानी का चयन कर प्रश्नों की सूची तैयार करें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ-1 से संबंधित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- नटखट, चुलबुला आदि को बोर्ड पर लिखकर बच्चों से उसे पढ़ने एवं मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था?

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। उन्हें अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'ढूँढो नया शब्द'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-15 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट):** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट):** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट):** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और पुनरावृत्ति के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु : कहानी पोस्टर - **'दो चींटी'**

तैयारी : कार्य करने के चरणों को पहले से देखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- लाल चींटी क्या लाई? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- दाना, भूखी, लाल, काली आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- दोनों चींटी क्या लातीं कि उनका पेट भर जाता? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-15 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 1 और 2 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने वर्ण/अक्षर सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 39

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर वर्ण/अक्षर लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 16 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-2 **'दादा-दादी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- खादी, मुस्काते, कभी-कभी आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- दादी के गाना गाने पर दादाजी क्यों मुस्कुराते रहते थे? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (प्रश्न संख्या-1 **'झट-पट कहिये' शब्दों का खेल**) पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'अ' की पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 40

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** चित्रों को पहचान कर उसकी पहली ध्वनि का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** 'अ' वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-3 में दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों (चरखा, चपाती, बादल आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज कौन-सी गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है।

सप्ताह 16 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-2 'दादा-दादी'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- भूरी खादी कौन पहनता है? कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? आदि।
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- दादा जी कभी-कभी ही गाना क्यों गाते थे? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आओ सुनें! एवं खोजें जानें)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ह' की पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्यांश पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 41

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास -

- **वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्यांश पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांश के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ह' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक का परिचय कराएँ एवं अपने साथी को बताने को कहें। फिर वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्यांश पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-3 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 3 के वाक्यांशों एवं वाक्यों को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और कालांश-2 के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-3 'रीना का दिन'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- रीना उठकर सबसे पहले क्या करती है? आदि।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- रीना को रात में जल्दी नींद क्यों आ जाती है ? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- स्वच्छ, शरारत, हँसती-खेलती आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आओ सुनें! एवं खोजें जानें)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'घ' की पहचान, ब्लेंडिंग और वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 42

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास -

- **वर्ण पहचान व ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5 मिनट) :** 'घ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक परिचय का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** 'घ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-4 में दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए वाक्यांशों एवं वाक्यों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें। जैसे- इन शब्दों (हल, नदी, महीना आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

सप्ताह 16 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-3 'रीना का दिन'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- रीना अपनी सहेलियों के साथ कैसी शरारतें करती होगी? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ग' की पहचान, शब्द पठन एवं वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 43

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और शब्द पठन (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और शब्द पठन के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** चित्रों को पहचानकर पहली ध्वनि का अभ्यास कराएँ एवं अपने साथी को बताने को कहें। फिर प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ग' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-4 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 4 के वाक्यांशों एवं वाक्यों को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान, क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 16 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'पेंसिल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 2 और 3 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- शुभ, परिवार, गाना, मुस्काते, आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- घर की पुताई कितने रंगों से हुई है? पतंग किस रंग की है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बच्चा गुब्बारे पर क्यों उड़ रहा होगा? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु : कार्यपुस्तिका 44

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मेरे शब्दों की जोड़ी'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-16 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट)** : बच्चों से रंगों के नाम पर चर्चा करें, फिर उन्हें गतिविधि करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट)** : बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और पुनरावृत्ति के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास।

विषयवस्तु : कविता पोस्टर - **'बरसात'**

तैयारी : कठिन/अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने को कहें, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- कीचड़, छम-छम आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- आपको कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-16 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 3 और 4 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 44

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-4 'रानी भी'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- रानी हमेशा किसके साथ रहती है? आदि।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- माँ ने रानी से क्यों कहा कि जब तुम बड़ी हो जाना, तब स्कूल जाना? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- छोटी, बड़ी, चप्पल आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (1, 3, 4) पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' े ' की पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 45

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास -

- **मात्रा पहचान (7-10 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड बोर्ड द्वारा मात्रा पहचान का अभ्यास करवाएँ और मात्रा लगने से वर्णों की ध्वनियों में क्या अंतर आता है, इसकी पहचान करवाएँ। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 5 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** चित्रों को पहचानकर उसकी पहली ध्वनि का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** ग्रिड में दिए गए अलग-अलग वर्णों में मात्रा ' े ' लगाकर उच्चारण करने और लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-5 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (गरम, नाच, बनारस आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान, क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-4 'रानी भी'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- दोनों बहनों का क्या नाम था? माँ ने रानी को कहाँ नहीं जाने दिया? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- माँ रानी को स्कूल क्यों नहीं जाने दे रही थी ? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, शब्दों का खेल 2, 3 एवं गतिविधि 5)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' े ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्यांश पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 46

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **वाक्यांश पठन :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यांशों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** ग्रिड में दिए गए वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-5 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 5 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज कौन-सी गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है?

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-5 'मिठाई'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गधे ने खरगोश को क्या खाने को कहा? आदि।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- हलवाई की दुकान पर जाने की बात गधे को क्यों पसंद आई? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- मिठाई, माँगा, हलवाई आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (**1, 2, शब्दों का खेल**) के सभी प्रश्नों/ गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 47

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5 मिनट)

- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 6 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** वर्णों में ' े ' की मात्रा लगाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-6 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (दाल, नमक, कम आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-5 **'मिठाई'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- चींटे ने गधे से क्या खाने को कहा? गधे को आम खाने को किसने कहा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (12-15 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- गधे ने शहद खाने से क्यों मना किया होगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(गतिविधि 3, सही या गलत, खोजें-जानें)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'आ' की पहचान और शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 48

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'आ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** 'आ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-6 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 6 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'गिलहरी की कहानी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 4 और 5 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- मित्र, थोड़ी, पसंद आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/ घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन हैं? नदी के दूसरी तरफ रस्सी कौन फेंक रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गिलहरी रस्सी क्यों बाँध रही होगी? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 49

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'यह मेरा अक्षर'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-17 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** आप बोर्ड पर कुछ वर्णों/अक्षरों को लिखकर उनसे शब्द बनाने का अभ्यास करवाएँ, फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने मौखिक भाषा की गतिविधियों को समझा और गतिविधियों में प्रतिभाग किया है ? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उन्हें अधिक अवसर दें।

सप्ताह 17 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु : कहानी पोस्टर - **'मेंढक का गाना'**

तैयारी : कठिन/अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)
- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- गाना कौन गाने लगा? चॉकलेट किसके पास थी? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)
- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- उड़ाऊँगा, खाऊँगा आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)
- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-7 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- मेंढक गाना ना गाता तो उसे चॉकलेट कैसे मिलती? मक्खी ने पहली बार चॉकलेट देने से क्यों मना किया? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

आकलन
कालांश 2 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 49

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-17 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 5 और 6 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-32 मिनट)
- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन
कालांश 3 | 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 49

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)
- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)
- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सप्ताह 18 दिवस 1

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य
कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-6 **'तीन साथी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अगर चूहा जाल ना काटता तो क्या होता? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- जाल, शिकारी, मेल आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्र में कितने हिरण, पहले क्या हुआ, शब्दों का खेल)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'य' की पहचान।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 50

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान :** आप वर्ण पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (10-12 मिनट) :** 'य' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक पहचान और वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से चित्रों का नाम पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-7 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (गीत, नाक, बकरा आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा पठन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के पठन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

सप्ताह 18 | दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-6 **'तीन साथी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- तीन साथी कौन-कौन थे? शिकारी के जाल में कौन फँस गया? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- कौआ अगर कांव-कांव नहीं करता तो क्या होता? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, क्या होता अगर...)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ज' की पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 51

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास -

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** 'ज' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान कराएँ एवं अपने साथी को बताने को कहें। फिर वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-7 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 7 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-7 **'वाह, मेरे घोड़े'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- नैनीताल, कमाल आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- घोड़ा कैसे-कैसे कमाल दिखायेगा? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल, गतिविधि 1)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ध' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 52

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास -

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ध' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ध' वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-8 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (अचानक, गरजने, बरसने आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

सप्ताह 18 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-7 **'वाह, मेरे घोड़े'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- घोड़ा भागकर कहाँ जाएगा? चने की दाल किसके लिए है?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- घोड़ा चने की दाल के अलावा और क्या-क्या खाता होगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल, गतिविधि 2)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ट' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 53

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ट' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ट' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-8 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 8 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पठन कौशल को निपुणता से कर पाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'मछली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 6 और 7 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- काँव-काँव, जाल, फँस आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कौन-कौन से जीव-जंतु हैं? चित्र में कौन-कौन तैर रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बत्तख और कछुआ क्या बातचीत कर रहे होंगे? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मिलकर खोजें'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-18 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनकी पहली ध्वनि लिखने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

कविता गायन और मौखिक शब्दावली विकास।

विषयवस्तु : कविता पोस्टर - **'काशीफल'**

तैयारी : कठिन/अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने को कहें, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- सीताफल, कद्दू आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- आपको कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-18 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 7 और 8 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 54

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-8 **'खतरे में साँप'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- खतरे में अपनी जान बचाने के लिए बाकी जानवरों ने क्या-क्या सलाह दी होगी ? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- इकट्ठे, सलाह, बचाएँ आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(रंग भरिये, शब्दों का खेल)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ा ' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 55

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **मात्रा पहचान (7-10 मिनट) :** आप मात्रा पहचान और लेखन के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 7 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** चित्रों को पहचान कर पहली ध्वनि का अभ्यास करवाएँ, फिर साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों के पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** वर्णों में अलग-अलग मात्रा लगाकर लेखन और उच्चारण का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-9 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (मगन, जलेबी, हमारे आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज कौन-सी गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

सप्ताह 19 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-8 **'खतरे में साँप'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अंत में सबको किस की सलाह ठीक लगी? सभी जानवर कहाँ चले गए? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बन्दर ने सबको क्या सलाह दी होगी? आदि। इसके बाद कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें। फिर चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ो ' की पहचान एवं वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका **56**

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वाक्य पठन :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्यों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** आप बोर्ड पर ' ो ' की मात्रा वाले शब्द लिखकर चर्चा करें, फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-9 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 9 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-9 **'आलू की सड़क'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- भालू ने बन्दर को यह क्यों नहीं बताया होगा कि वह कहाँ जा रहा है? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- रास्ते, टपकते, धप्प आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(आवाजें तरह-तरह की, नीचे दिए गए चित्रों को वाक्यों से जोड़िए, सबसे बड़े पत्ते में हरा रंग भरिए, गतिविधि 4)** के सभी प्रश्नों/गतिविधि पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ख' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 57

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान, और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ख' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान का अभ्यास करवाएँ, फिर साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ख' वर्ण लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-10 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (बगीचे, खेलने, चलते आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे कालांश-2 में दी गई गतिविधियों को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उन्हें आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-9 **'आलू की सड़क'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- भालू ने अपनी पीठ पर क्या रखा था? आलू के गिरने पर कैसी आवाज आती थी? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बन्दर यह क्यों पता लगाना चाहता था कि भालू कहाँ जा रहा है? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, सही उत्तर चुनकर लिखिए)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'इ' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 58

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्दों के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'इ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'इ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप तुकांत शब्दों का अभ्यास करवाएँ, फिर बच्चों से गतिविधि करने को कहें।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-10 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 10 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'जंगल'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 8 और 9 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- भागना, समाप्त, देखकर, भैया आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- शेर की पीठ पर कौन बैठा है? मछली किस रंग की है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सभी जानवर मिलकर आपस में क्या-क्या बातें कर रहे होंगे? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 59

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मैंने खोज लिया'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-19 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 8 को भी उपयोग में ले सकते हैं।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से ब्लेंड करके शब्दों की तरह पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पठन कौशल को निपुणता से कर पाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

मौखिक कहानी सुनाना एवं चर्चा।

विषयवस्तु : कहानी पोस्टर - **'रामसहाय की साइकिल'**

तैयारी : कठिन/अमूर्त शब्दों को तैयार रखें।

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- साइकिल कौन चला रहा था? रामसहाय को किसने टोका? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- टोका, गुस्सा आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- रामसहाय के पिताजी क्यों नाराज थे? रामसहाय ने पिताजी के गुस्से को कैसे शांत किया होगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 59

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-19 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 9 और 10 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 59

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

सावधिक पुनरावृत्ति

व्यवस्थित कक्षा-कक्षीय शिक्षण प्रक्रिया में सिखाई गई दक्षताओं की सतत पुनरावृत्ति करते रहना एक आवश्यक रणनीति है। सतत पुनरावृत्ति से बच्चों में भाषा की अलग-अलग दक्षताओं की समझ और मजबूत होती है, साथ ही जो बच्चे इस शिक्षण प्रक्रिया में पीछे छूट रहे होते हैं, उन्हें भी कक्षा स्तर तक पहुँचने में मदद मिलती है। इसको ध्यान में रखते हुए, भाषा शिक्षण में दो तरह की पुनरावृत्ति पर कार्य किए जाने की रणनीति दी गई है।

1. **साप्ताहिक पुनरावृत्ति :** हर सप्ताह के दिवस 5 में शुरुआती चार दिन एवं पिछले सप्ताहों में सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।
2. **सावधिक पुनरावृति :** सप्ताह 13 में सप्ताह 1-12 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर और सप्ताह 20 में सप्ताह 1-19 तक की सिखाई गई दक्षताओं के आधार पर पुनरावृत्ति।

इस वर्ष सावधिक आकलन शिक्षा विभाग द्वारा NAT के माध्यम से कराए जाने की योजना है। वर्ष में न्यूनतम 2 बार NAT सप्ताह 13 तथा सप्ताह 20 में किया जाना प्रस्तावित है। संभव है कि NAT अपने प्रस्तावित समय से आगे या पीछे आयोजित किया जाए। सावधिक पुनरावृत्ति में निम्न रणनीतियों का उपयोग किया जाएगा-

- NAT अथवा सप्ताह 19 दिवस 6 के आकलन **'मैंने सीख लिया'** में बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर उन्हें 2 समूहों में बाँटकर पुनरावृत्ति/पुनर्बलन पर कुछ दिनों तक कार्य कराएँ।
- समूह-A में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं।
- समूह-B में वे बच्चे आएंगे, जिन्होंने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं।
- जिन बच्चों ने डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं, उनको आप व्यक्तिगत सहायता दें और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- जो बच्चे डिकोडिंग (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन) के कौशल में 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं, उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य दें और बीच-बीच में उनके द्वारा किए गए कार्य का अवलोकन भी करें।
- जिन बच्चों ने मौखिक भाषा विकास से संबंधित दक्षताएँ प्राप्त नहीं की हैं, उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के अवसर दें और उनका नियमित रूप से प्रोत्साहन करते रहें।

समूह-A के साथ सावधिक पुनरावृत्ति कार्ययोजना बनाने के लिए आप इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठों में दिए गए **'दैनिक रिमीडियल कार्य योजना'** का संदर्भ ले सकते हैं।

सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य कराने के लिए आपको कार्यपुस्तिका में 5 पत्रक उदाहरण स्वरूप दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पत्रकों/गतिविधियों/प्रश्नों का निर्माण एवं क्रियान्वयन की योजना आपको स्वयं तैयार करनी है और उसके आधार पर बोर्ड और बच्चों की नोटबुक पर कार्य कराना है।

समूह-A एवं समूह-B के लिए आपको दो अलग-अलग प्रकार के कार्य करने होंगे -

प्रकार 1 (समूह-A के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% से कम अंक प्राप्त किए हैं। इनके साथ मुख्य रूप से वर्ण/अक्षर स्तर और शब्द स्तर की गतिविधियाँ की जाएँगी। यह कार्य स्वनिर्मित ग्रिड कार्ड एवं वर्ण/अक्षर कार्ड, विभिन्न डिकोडिंग खेल गतिविधि, श्रुतलेख आदि के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सप्ताह-20 में दिए गए कार्यपुस्तिका के पत्रक पर कार्य करवाएँ।

प्रकार 2 (समूह-B के लिए) - इस प्रकार का कार्य उन बच्चों के साथ होगा, जिन्होंने NAT में या सप्ताह 19 दिवस 6 के साप्ताहिक आकलन में कुल 50% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन बच्चों के साथ पुस्तकालय की किताबें, बिग बुक आदि स्वतंत्र रूप से पढ़ने को दिया जा सकता है। साथ ही, कार्यपुस्तिका के सप्ताह-20 की पुनरावृत्ति गतिविधियों को भी स्वतंत्र रूप से करने को कहें।

सावधिक पुनरावृत्ति पत्रकों/गतिविधियों पर प्रतिदिन सभी बच्चों के साथ स्तरानुसार कार्य कराया जाए, ताकि सभी बच्चे सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति बेहतर तरीके से कर सकें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-10 **'झूलम-झूली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- पकड़म-पकड़ी, छुप्पम-छुप्पी आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- आप अपने साथियों के साथ छुप्पम-छुप्पी कैसे खेलते हो? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल, खेल-खेल में)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ई' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 65

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ई' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक परिचय का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'ई' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-11 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (लाल, होली, अबीर आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा पठन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के पठन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-10 **'झूलम-झूली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- खेल किसानी कैसे खेलेंगे? पेड़ पर चढ़कर कौन-सा खेल खेलने की बात हो रही है?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आप अपने साथियों के साथ और कौन-कौन सा खेल खेलते हो? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, पढ़िए और मिलाइए)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ए' की पहचान और ब्लेंडिंग।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 66

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (7-10 मिनट)

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (10-12 मिनट) :** 'ए' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** 'ए' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-11 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 11 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-11 'भुट्टे'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- भुट्टे खाकर नाना और नानी ने क्या किया होगा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- भाषा, भरकर, उबाले आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(प्रश्नों के उत्तर लिखिए 3, नीचे दिए शब्दों में उ या ऊ की मात्रा लगाकर सही शब्द लिखिए)** के सभी प्रश्नों/गतिविधि पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्ण 'छ' की पहचान, ब्लेंडिंग और वाक्य पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 67

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान, और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **वाक्य पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'छ' वर्ण की ध्वनि एवं प्रतीक की पहचान का अभ्यास करवाएँ, फिर अपने साथी को बताने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** 'छ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-12 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (नोट, बाजार, करारी आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-11 'भुट्टे'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- नाना बाजार से क्या लाए? भुट्टों को किसने उबाला? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आप भुट्टे कैसे खाना पसंद करते हो और क्यों? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(उत्तर लिखिए 1, 2)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'थ' की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 68

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान (5-7 मिनट) :** आप वर्ण पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें और अभ्यास करवाएँ।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** 'थ' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान एवं चित्र देखकर वाक्य पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** चित्र देखकर वाक्य पूरा करें एवं 'थ' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-12 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 12 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चे कालांश-2 में दी गई गतिविधियों को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और अगले दिन उनकी आवश्यकतानुसार सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'मेरा गाँव'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 10 और 11 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- कूदी, भूने, पकड़म-पकड़ी आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- औरत कुएँ से क्या निकाल रही है? किसान खेत में क्या छिड़क रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- छोटी लड़की काली बकरी को घास क्यों खिला रही है? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (12-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'हवा में अलग-अलग तरह से लिखना'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-21 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (7-10 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 9 को भी उपयोग में ले सकते हैं।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

विषयवस्तु : अनुभव पर चर्चा **'रसोई'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'रसोई'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'रसोई'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आपके रसोई में क्या-क्या है? आप रसोई घर में क्या-क्या करते हैं? आपको रसोई घर में क्या करना पसंद है? आदि। रसोई से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'रसोई'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके घर की रसोई में कौन काम करता है? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'रसोई'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहयाता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-21 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 11 और 12 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 69

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-12 **'फूली रोटी'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- जमाल से रोटी गोल क्यों नहीं बन रही थी? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- बर्तन, माँ, सेंक आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(पहेली, शब्दों का खेल)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ु ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 70

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **मात्रा पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप मात्रा पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से वर्णों में ' ु ' मात्रा लगाकर पढ़ने और लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** शब्दों के पहले वर्ण में ' ु ' की मात्रा लगाकर शब्द लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-13 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (खूब, खाई, डरकर आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज के दिवस में की गई सभी गतिविधियों पर चिंतन करें कि आज कौन-सी गतिविधियों में बच्चों ने सबसे अधिक प्रतिभाग किया और किस गतिविधि के लिए और बेहतर योजना बनाने की आवश्यकता है ?

सप्ताह 22 दिवस 2

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-12 'फूली रोटी'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बर्तनों के साथ कौन खेल रहा था? रोटी कौन बनाना चाहता था? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अगर जमाल को कटोरी नहीं मिलती तो वह रोटी और किस तरह से गोल बना सकता था? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, पढ़िए और मिलाइए)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 · 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ु ' की पहचान एवं सरल वाक्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 71

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **सरल वाक्य :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले सरल वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 10 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** चित्र देखकर वाक्य पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-13 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 13 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 22 | दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-13 **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- ठेला, सलोने, हाट आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मेले में क्या-क्या होता है? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल, गतिविधि 3, 4)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ऐ', 'व ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 72

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5-7 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ऐ' और 'व' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (5-7 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग एवं चित्र पहचानकर वाक्य पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-14 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (चट, दाना, काली आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या बच्चे कार्यपुस्तिका से पढ़ने के दौरान वर्णों/शब्दों पर अंगुली रखकर पढ़ रहे थे? बच्चों से इसकी अपेक्षा रखें और इससे संबंधित निर्देश नियमित रूप से दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-13 'मेला'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मेला कहाँ लगा था? गुड़िया किसके साथ थी?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों को अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपको भी मेले में जाने को मिले तो आप क्या-क्या करोगे? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ड', 'उ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 73

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ड' और 'उ' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि 3 और 4 (7-10 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-14 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 14 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह होना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'रसोई'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 12 और 13 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- माँगा, फूली, ठाट, हाट आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- इस चित्र में आपको क्या-क्या दिख रहा है? रसोई में कौन-कौन से सामान लटके हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में दी गई सब्जियों में से आपको कौन-सी सब्जी सबसे अच्छी लगती है और क्यों? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 74

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'शब्द बनाओ, पढ़कर सुनाओ'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-22 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप बच्चों को दिए गए वर्णों/अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

विषयवस्तु : अनुभव पर चर्चा **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मेला'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'मेला'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आप कौन-कौन से मेले में गए हैं? मेले क्यों लगते हैं? मेले में आपको क्या-क्या अच्छा लगता है? आदि। मेले से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मेला'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मेले में क्या-क्या मिलता है? आप किसके साथ मेले में जाते हो? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'मेला'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 74

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-22 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 13 और 14 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-32 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 74

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-14 **'बरखा और मेघा'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)
- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)
- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मेघा और बरखा ने मेले में क्या-क्या देखा होगा? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)
- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- डूब, तैरकर, हुर्रे आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)
- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 1, 2, 3)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ू ' की पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन एवं वाक्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 75

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास
- **मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन (7-10 मिनट) :** आप मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग और शब्द पठन के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-1 पर कार्य करें -
- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** वर्णों में ' ू ' की मात्रा लगाकर पढ़ने और लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग कर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-15 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)
- आप पठन अभ्यास-15 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (पीछे, पतंग, टकराई आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)
- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक ‘सारंगी-1’ पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तुः पाठ-14 **‘बरखा और मेघा’**

तैयारीः बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मेघा और बरखा के कितने बच्चे थे? बरखा ने सबको पास बुलाकर क्या बताया? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- बरखा ने नदी पार करने की कौन-सी जुगत बताई होगी? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए 4, 5)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित मात्रा ‘ ृ ’ की पहचान एवं शब्द पठन।

विषयवस्तुः कार्यपुस्तिका 76

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **शब्द पठन** : आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 11 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम पूरा करने को कहें।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : सही वर्ण चुनकर ‘ ृ ’ की मात्रा लगाते हुए शब्द पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट)** : बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट)** : आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तुः पठन अभ्यास-15 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 15 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षाः क्या कक्षा के सभी बच्चे शब्दों को सटीक रूप से पढ़ पा रहे हैं? यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे पठन कौशल को निपुणता से कर पाए।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-15 'होली'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- सहेजकर, टोली, संदेश आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- होली का संदेश क्या है? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1, 2, 3, 4)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'झ', 'ओ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 77

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5-7 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'झ' और 'ओ' वर्ण की ध्वनि के प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-16 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-16 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (केक, लपका, चुपचाप आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं उन्हें आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-15 'होली'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- सबने मिलकर क्या खेला? होली में क्या बनाया जा रहा है?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- आपके घर में होली में क्या-क्या होता है? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, झटपट कहिए)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित वर्ण 'ढ', 'ठ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 78

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'ढ' और 'ठ' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान और लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

☞ शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-16 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 16 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

सप्ताह 23 दिवस 5

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'मेला'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 14 और 15 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- जुगत, रास्ते, टोली, पकवान आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- गुब्बारे की दुकान पर कुल कितने गुब्बारे बिक रहे हैं? खिलौने की दुकान में कौन-कौन से खिलौने हैं? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको इस चित्र में सबसे अच्छा क्या लग रहा है और क्यों? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (12-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'चलो इस राह पर'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-23 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** ग्रिड की सहायता से शब्दों को खोजकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 12 को भी उपयोग में ले सकते हैं।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और पुनरावृत्ति के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

सप्ताह 23 दिवस 6

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

विषयवस्तु : अनुभव पर चर्चा **'होली'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'होली'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'होली'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आप कैसे होली मनाते हैं? होली में क्या-क्या बनाया जाता है? आप किस-किस के साथ होली खेलते हैं? आदि। होली से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो, उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'होली'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्सहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें। जैसे- होली में क्या-क्या होता है? आप किसके साथ होली खेलते हो? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'होली'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-23 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 15 और 16 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 79

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-16 **'जन्मदिन पर पेड़ लगाओ'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- जन्मदिवस, सुन्दरता, संसार आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- जन्मदिवस पर पेड़ लगाने की बात क्यों की जा रही है? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल 1,2,3,4)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित अनुस्वार ' ं ' ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 80

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (5-7 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** शब्दों में अनुस्वार लगाकर उच्चारण करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** सही शब्द लिखकर वाक्य पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-5 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-17 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-17 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (गाँव, घुमाया, बिठाकर आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-16 **'जन्मदिन पर पेड़ लगाओ'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- कविता में कब पेड़ लगाने की बात हो रही है? पेड़ों का प्रकृति से क्या नाता है?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- प्रकृति को बच्चों की माता क्यों कहा गया है? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए, खोजें जानें)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित अनुस्वार ' ं ' , शब्द पठन एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 81

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5 मिनट)

- **वाक्य :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों से शब्दों में सही जगह अनुस्वर लगाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों को शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों के साथ चित्र पर चर्चा करें, फिर उन्हें एक वाक्य लिखने को कहें।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-17 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 17 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

सप्ताह 24 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-17 'हवा'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- पकड़, फुग्गे, साँय-साँय आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- मुन्नी हवा को फुग्गे में ले जाने की बात क्यों कर रही है? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(चित्रकारी)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

चयनित वर्ण 'श', 'ड़', 'फ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 82

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (7-10 मिनट) :** 'श, ड़, फ' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-18 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-18 में दिए गए पाठों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (झूला, लंगूर, उदास आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

सप्ताह 24 दिवस 4

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य — कालांश 1 — 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-17 'हवा'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मुन्नी किससे हँसकर बोली? हवा कैसे चली? आदि।
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था। उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मुन्नी हवा को फुग्गे के अलावा और किसमे-किसमे ले जा सकती है? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि (2, 3) पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य — कालांश 2 — 40 मिनट

चयनित वर्ण 'भ', 'ऊ', 'अं' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं वाक्य

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 83

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप वर्ण पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि 1 और 2 (5-7 मिनट) :** 'भ', 'ऊ', 'अं' वर्ण की ध्वनि, प्रतीक की पहचान एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (7-10 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य — कालांश 3 — 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-18 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 18 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: आज की गतिविधियों के दौरान क्या आप सभी बच्चों को उनके नाम से संबोधित कर पाए? प्रयास यह रहना चाहिए कि बच्चों को हमेशा उनके नाम से संबोधित किया जाए।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'हरी-भरी दुनिया'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 16 और 17 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- हरियाली, खुशहाली, छेड़कर, हँसकर आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कुल कितने घोड़े चर रहे हैं? पेड़ के पीछे कौन छिपा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- तोते आपस में क्या बात कर रहे होंगे? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (10-12 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'शब्द अन्त्याक्षरी'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-24 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** बच्चों को शब्दों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (7-10 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और पुनरावृत्ति के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

विषयवस्तु : अनुभव पर चर्चा **'मौसम'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'मौसम'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'मौसम'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आपका पसंदीदा मौसम क्या है? कुल कितने तरह के मौसम होते हैं? आप अलग-अलग मौसमों में क्या करते हैं/खाते हैं? आदि। मौसम से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'मौसम'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपको सबसे अच्छा मौसम कौन-सा लगता है और क्यों? ठंड के मौसम में आपके घर पर क्या-क्या खाना बनता है? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'मौसम'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-24 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 17 और 18 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 84

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-18 **'कितनी प्यारी है ये दुनिया'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मुझे अपनी किताबें क्यों अच्छी लगती हैं? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- समुद्र, प्यारे, खिलौने आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल)** के सभी प्रश्नों/ गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ि ' की पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 85

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **मात्रा पहचान और ब्लेंडिंग (7-10 मिनट) :** आप मात्रा पहचान और ब्लेंडिंग के चरणों को संदर्शिका से देखें।
- **शब्द पठन (5 मिनट) :** आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-1 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट) :** वर्णों में ' ि' की मात्रा लगाकर पढ़ने और लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5 मिनट) :** वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों को चित्रों के नाम पूरा करने के लिए कहें।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-19 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-19 में दिए गए पाठों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठों को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (गुड़िया, गुदगुदी, नीचे आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा पठन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के पठन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से सहायता दें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-18 **'कितनी प्यारी है ये दुनिया'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मुझे धरती कैसी लगती है? मुझे फल और फूल कैसे लगते हैं? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- मुझे माँ और बापू क्यों प्यारे लगते हैं? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** के सभी प्रश्नों/गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ि' की पहचान एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 86

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5 मिनट)

- **वाक्य :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-2 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को वर्णों में अलग-अलग मात्राओं को लगाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** बच्चों से शब्दों के पहले वर्ण में ' ि' मात्रा लगाकर लिखने और पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों से चित्र पहचानकर वाक्य पूरा करने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

शिक्षक गतिविधि समझाते समय यह सुनिश्चित करें कि उदाहरण कार्यपुस्तिका से भिन्न हों।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-19 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 19 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या आपने बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे? प्रयास हमेशा यह हो कि बच्चों की प्रतिक्रिया से नए खुले छोर के प्रश्न पूछे जाए, ताकि बच्चों की अभिव्यक्ति मुखर हो और उनकी तार्किक क्षमता विकसित हो।

सप्ताह 25 दिवस 3

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य
कालांश 1 · 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ को पढ़कर सुनाना एवं चर्चा करना।

विषयवस्तु: पाठ-19 **चाँद का बच्चा'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- अच्छा, अम्मा, चाँद आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अम्मा ने अपने बच्चे को चाँद क्यों कहा होगा? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(शब्दों का खेल)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य
कालांश 2 · 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ै ' की पहचान एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 87

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास

- **मात्रा पहचान (5-7 मिनट) :** आप मात्रा पहचान के चरणों को संदर्शिका से देखें। (गतिविधि पर कार्य के लिए ग्रिड संख्या 13 को भी उपयोग में ले सकते हैं।)
- **वाक्य (5 मिनट) :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/ अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-3 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5 मिनट) :** वर्णों में ' ै ' की मात्रा लगाकर वर्णों को पढ़ने और लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** ग्रिड से शब्द खोजकर पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-3 (5 मिनट) :** बच्चों से एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य
कालांश 3 · 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-20 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-20 में दिए गए पाठ को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए पाठ पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए पाठ को जोड़ियों/समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (गुब्बारा, धड़ाम, डरकर आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या कक्षा के संचालन के दौरान, बच्चों को अपनी बात साझा करने का पर्याप्त अवसर मिला। प्रयास हमेशा यह रहना चाहिए कि सभी बच्चों को अपनी बात साझा करने के पर्याप्त अवसर मिलें।

पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' पर कार्य

कालांश 1 | 40 मिनट

पाठ्यपुस्तक के पाठ का दोहराव एवं समृद्ध चर्चा

विषयवस्तु: पाठ-19 **'चाँद का बच्चा'**

तैयारी: कठिन शब्द, बंद और खुले छोर के प्रश्न

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चाँद ने किसे भेजा है? रोज तमाशा कौन करता है?
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 6-7 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- अगर बादल न हों तो चाँद कैसे छिपेगा? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ की गतिविधि **(बातचीत के लिए)** पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 | 40 मिनट

चयनित मात्रा ' ै ' की पहचान एवं वाक्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 88

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

गतिविधियों के चरणों का अभ्यास (5-7 मिनट)

- **वाक्य :** आप अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले वाक्य के उदाहरण (कार्यपुस्तिका से भिन्न) को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-4 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (7-10 मिनट) :** बच्चों को दिए गए वर्णों/अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट) :** आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट) :** बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-4 (5 मिनट) :** आप कार्यपुस्तिका में दिए गए निर्देशानुसार श्रुतलेख करवाएँ।

कार्यपुस्तिका (भाग-2) पर कार्य

कालांश 3 | 40 मिनट

बच्चों द्वारा पठन अभ्यास एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: पठन अभ्यास-20 एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी : fjehfM;y dh xfrfof/k lanf'kZdk ls ns[ksaA

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 20 के पाठ को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: बच्चों द्वारा लेखन कार्य किए जाने के दौरान, क्या आपने घूम-घूमकर उनके कार्य का अवलोकन किया? बच्चों के लेखन कार्य का अवलोकन करें एवं आवश्यकतानुसार दैनिक रूप से उनकी सहायता करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

पाठ पर आधारित पुनरावृत्ति और पाठ्यपुस्तक के चित्र के बारे में अपने घर की भाषा में बात करना।

विषयवस्तु: पाठ्यपुस्तक का चित्र **'नकलची बंदर'**

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

पाठ्यपुस्तक के पाठ आधारित पुनरावृत्ति (5-7 मिनट)

- पाठ 18 और 19 से सम्बन्धित कुछ कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों को पढ़ने को कहें, जैसे- बारिश, दुनिया, बादल, तमाशा आदि। फिर कुछ बच्चों से उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनाने को कहें।

चित्र पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- पेड़ के नीचे कौन सो रहा है? झोले में क्या था? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर बच्चों की प्रतिक्रियाएँ लें।

चित्र पर समृद्ध चर्चा (10-12 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- बंदर टोपी क्यों ले गए होंगे? आदि। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और जोड़ियों में बाँटकर आपस में चर्चा करने को कहें।
- फिर किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कार्यपुस्तिका (भाग-1) पर कार्य

कालांश 2 40 मिनट

डिकोडिंग खेल गतिविधि एवं अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों पर पुनरावृत्ति कार्य।

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 89

तैयारी : डिकोडिंग के चरणों को पहले से देख लें।

डिकोडिंग खेल गतिविधि (12-15 मिनट)

- आप बच्चों के साथ **'मेरे शब्दों की जोड़ी'** की गतिविधि को करवाएँ। इसके चरणों को संदर्शिका से देखें।

कार्यपुस्तिका सप्ताह-25 दिवस-5 पर कार्य करें -

- **गतिविधि-1 (5-7 मिनट)** : वर्णों/अक्षरों को मिलाकर ब्लेंडिंग का अभ्यास करवाएँ।
- **गतिविधि-2 (5-7 मिनट)** : आप चित्रों पर चर्चा करते हुए बच्चों से उनके नाम लिखने को कहें।
- **गतिविधि-3 (5-7 मिनट)** : बच्चों को सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा करने को कहें।

स्वतंत्र पठन पर कार्य

कालांश 3 40 मिनट

बच्चों द्वारा चयनित किताब का स्वतंत्र पठन एवं अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य।

विषयवस्तु: स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य

तैयारी: बच्चों के स्तर की किताबें तैयार रखें।

स्वतंत्र पठन (15-17 मिनट)

- आप बच्चों को पुस्तकालय या रीडिंग कॉर्नर से चित्र सहित छोटी कहानी वाली किताबें अपनी इच्छा से चुनने दें। बच्चों को किताबों को उलटने-पलटने एवं पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें और आपस में बातचीत करने का अवसर दें।
- कुछ बच्चों लगभग 50% (कोशिश करें हर सप्ताह नए बच्चों को अवसर मिले) बच्चों को उनकी किताब की कहानी पर अपनी बात रखने का अवसर दें। बच्चे जैसी भी कहानी बताएँ, उसे स्वीकार करें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रिमीडियल कार्य (15-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें। बाकी बच्चों के साथ स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाए।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: क्या सभी बच्चों ने चर्चा में प्रतिभाग किया और पुनरावृत्ति के कार्य को कर पाए? यदि नहीं, तो उन बच्चों की पहचान करें और उनको हो रही कठिनाइयों के बारे में उनसे बातचीत करें।

मौखिक भाषा विकास पर कार्य

कालांश 1 40 मिनट

अपनी भाषा में अनुभव साझा करना

विषयवस्तु : अनुभव पर चर्चा 'माँ'

तैयारी: बंद एवं खुले छोर के प्रश्नों को तैयार रखें।

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'माँ'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'माँ'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आपकी माँ आपका ध्यान कैसे रखती हैं? माँ बाकी घरवालों की मदद किस-किस तरह से करती हैं? आपकी माँ आपको क्या-क्या खाना बनाकर खिलाती हैं? आदि। माँ से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'माँ'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपकी माँ आपका ध्यान कैसे रखती हैं? आपकी माँ घर पर क्या-क्या काम करती हैं? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'माँ'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और 1-2 वाक्यों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

आकलन

कालांश 2 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 89

तैयारी: आकलन की योजना और प्रश्न पहले से तैयार करें।

- आप सभी बच्चों को कार्यपुस्तिका के सप्ताह-25 के दिवस 1 से 5 के कार्यपत्रकों में दी गई, गतिविधियों में दिए शब्दों को दोबारा पढ़ने को कहें। फिर उन्हें कार्यपुस्तिका के भाग-2 पठन अभ्यास 19 और 20 को भी पढ़ने को कहें। इसके अतिरिक्त कक्षा में उपलब्ध अन्य पठन सामग्री से पढ़ने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षक द्वारा आकलन (30-35 मिनट)

- आप बच्चों को बारी-बारी से बुलाएँ और उन्हें कार्यपुस्तिका से **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने को कहें।
- बच्चों को **'मैंने सीख लिया'** को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें। अगर बच्चे झिझक रहे हों तो उन्हें सहज महसूस कराएँ।
- बच्चों द्वारा जितने शब्द सही पढ़े गए हों, उनकी संख्या को कोष्ठक में लिखें।

आकलन

कालांश 3 40 मिनट

साप्ताहिक आकलन

विषयवस्तु: कार्यपुस्तिका 89

तैयारी: आकलन की योजना पहले से तैयार कर लें।

शिक्षक द्वारा आकलन (25-27 मिनट)

- आप कालांश-2 के आकलन को जारी रखें।

सुनकर लिखें (10 मिनट)

- आप बच्चों को सामूहिक रूप से **'सुनकर लिखें'** गतिविधि करवाएँ। सभी बच्चों के लिख लेने के बाद, आप बोर्ड पर शब्द लिख दें और बच्चों को एक-दूसरे की कॉपी जाँचने को कहें। इस पर कार्य करने के चरणों को इस संदर्शिका में आगे के पृष्ठों में देखें।
- अगर कम समय में आकलन हो जाए तो बाकी समय में समूह के बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा: जिन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य किया गया है, क्या वे बच्चे इस अभ्यास को सफलतापूर्वक कर पाए हैं या नहीं, इसे देखने के लिए उन बच्चों द्वारा किए गए कार्य को अवश्य जाँचें।

कालांश-1 में कार्य करने की रणनीतियाँ

अकादमिक वर्ष 2024-25 में पहले कालांश में 40 मिनट का समय दिया गया है, जिसमें बच्चों के साथ पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-1'**, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन पर कार्य किया जाएगा। इसमें कुछ गतिविधियाँ पूरे साल चलती रहेंगी और समय के साथ गतिविधियों के स्तर में जटिलता बढ़ती जाएगी।

कालांश-1 की गतिविधियों को नीचे देखा जा सकता है-

कालांश-1: मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ

- चित्र चार्ट पर कार्य
- अनुभव पर चर्चा
- कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य
- मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ
- सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ
- मौखिक कहानी सुनाना
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य
- सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण

☞ इन गतिविधियों पर कार्य करने की रणनीति संदर्शिका के आगे के कुछ पृष्ठों में दी गई हैं। कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में इन गतिविधियों पर कार्य करने से **पहले इनके चरणों को आवश्यक रूप से पढ़ें।**

☞ प्रत्येक कालांश की शुरुआत सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियों से की जाएगी, जैसे- कविता खेलगीत आदि। इसके लिए 2-3 मिनट का समय दें।

चित्र चार्ट पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में कक्षा-1 के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **'चित्र चार्ट'** उपलब्ध करवाए गए हैं। **चित्र चार्ट को कक्षा की दीवार पर चस्पा नहीं करना है।** इनकी सहायता से बच्चों के साथ समूह में कार्य करवाए जाने की योजना है। प्रत्येक चित्र चार्ट पर कुल दो दिनों **(दिवस 2 और 3 के पहले कालांश में)** कार्य किया जाएगा। जिसके लिए **'खेल'** चित्र चार्ट को उदाहरण स्वरूप लिया गया है। इस पर कार्य करने की रणनीति को आगे के पृष्ठ पर देखा जा सकता है-

दिवस 1

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट में दिख रही चीजों/घटनाओं/ गतिविधियों के बारे में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- यह चित्र कहाँ का है? चित्र में क्या हो रहा है? आदि। फिर प्रत्येक प्रश्न पर कुछ बच्चों की प्रतिक्रियाएं लें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और बच्चों से 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- चित्र में कंचे खेलते हुए बच्चे आपस में क्या बात कर रहे होंगे? आप अपने मित्रों के साथ कौन-कौन सा खेल खेलते हो? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों से चित्र चार्ट पर हुई चर्चा से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें। फिर जोड़ियों में बाँटकर, आपस में चर्चा करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

दिवस 2

चित्र चार्ट पर शिक्षक द्वारा चर्चा (5-7 मिनट)

- कल की चर्चा को संक्षेप में दोहराते हुए, आप चर्चा को आगे बढ़ाएँ और कुछ नए बंद छोर के प्रश्न पूछें।

चित्र चार्ट पर समृद्ध चर्चा (10-15 मिनट)

- चित्र चार्ट पर दूसरे दिन कार्य करने के दौरान, आप यह सुनिश्चित करें कि आप 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- अगर मैदान ना हो, तो आप कहाँ-कहाँ खेल सकते हैं? आदि।
- बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को बोलने के अवसर मिलें।

लेखन कार्य (10-15 मिनट)

- आप बच्चों को आज की गतिविधि से संबंधित कोई चित्र बनाकर, उनका नाम लिखने को कहें। (यहाँ वर्तनी की अशुद्धता पर ध्यान न देते हुए, उन्हें लिखने के अवसर दें।) फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपने चित्र एवं उन्होंने क्या और क्यों बनाया है, इसे कक्षा के बाकी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

पाठ्यपुस्तक में दिए गए चित्र चार्ट पर केवल एक दिन कार्य होगा। ऐसे में पाठ्यपुस्तक के चित्र चार्ट पर ऊपर दी गई दिवस-1 की योजना के अनुसार कार्य करें।

अनुभव पर चर्चा

अनुभव पर चर्चा की गतिविधि **सप्ताह 21** से **25** के **छठे दिन** के पहले कालांश में प्रस्तावित है। इसके द्वारा मुख्य रूप से बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य जुड़ाव बढ़ेगा, बच्चे अपने अनुभवों को अभिव्यक्त कर पाएंगे। उनकी सम्प्रेषण कला का भी विकास होगा, साथ में अपनी बात रखते समय जब भी नवीन शब्दों का प्रयोग करेंगे, तो शब्दावली विकास भी होगा। बच्चों से उनके अनुभव पर चर्चा करते समय उनके घर की भाषा को महत्व देना चाहिए। अनुभव पर चर्चा का विषय उस सप्ताह पढ़ाए जा रहे पाठ्यपुस्तक के पाठ के थीम/केन्द्रीय विचार/पात्रों से संरेखित है। अनुभव पर चर्चा की रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है- **(अनुभव की चर्चा की विषयवस्तु 'रसोई')**

शिक्षक द्वारा अनुभव पर चर्चा (7-10 मिनट)

- आप बच्चों को बताएँ कि आज हम **'रसोई'** के बारे में बात करेंगे।
- आप 5-7 वाक्यों में स्वयं के **'रसोई'** के अनुभवों के बारे में बच्चों को बताएँ, जैसे- आपकी रसोई में क्या-क्या है? आप रसोई घर में क्या-क्या करते हैं? आपको रसोई घर में क्या करना पसंद है? आदि। रसोई से जुड़ा यदि कोई खास अनुभव हो तो उसे भी बच्चों के साथ साझा करें।

बच्चों द्वारा अनुभव साझा करना (10-15 मिनट)

- अब बच्चों को **'रसोई'** के बारे में उनके अपने विचार/समझ को कम से कम 1-2 वाक्यों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्सहित करें। इसके लिए विषय से जुड़े 6-7 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- आपके घर की रसोई में कौन काम करता है? आदि।
- इससे बच्चों को अनुभव साझा करने की प्रक्रिया में सहायता मिलेगी। बच्चों को पूरे-पूरे वाक्य में अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (10-12 मिनट)

- आप बच्चों को **'रसोई'** से जुड़ा कोई चित्र बनाने और कुछ शब्दों में उसके बारे में लिखने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों में बात करने को कहें।
- बच्चों का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहयाता करें। 3-4 बच्चों को कक्षा में अपने विचार सबके साथ साझा करने को कहें।

कविता पोस्टर पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में **कक्षा-1** के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **'कविता पोस्टर'** उपलब्ध करवाए गए हैं। कविता पोस्टर के माध्यम से बच्चों के साथ कविता गायन एवं मौखिक शब्दावली विकास पर कार्य सप्ताह के छठे दिन किया जाएगा। कविता पोस्टर पर कार्य करने की रणनीति को नीचे देखा जा सकता है- **(कविता पोस्टर 'काशीफल' का उदाहरण)**

मौखिक रूप से कविता सुनाना (7-10 मिनट)

- आप कविता पोस्टर बच्चों को दिखाते हुए, कविता के शीर्षक का अनुमान लगाने को कहें, जैसे- यह कविता किसके बारे में है? आदि।
- अब आप उन्हें हाव-भाव के साथ, कविता मौखिक रूप से 1-2 बार सुनाएँ। इसके बाद 1-2 बार कविता को बच्चों के साथ मिलकर गाएँ। फिर कविता पोस्टर दिखाते हुए, कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए पढ़ें एवं कठिन/अमूर्त शब्दों को बोर्ड पर लिखें।

कविता पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखे हुए कविता में आए कठिन/अमूर्त शब्दों, जैसे- सीताफल, कद्दू आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कविता समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-6 प्रश्नों के माध्यम से कविता के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- आपको कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों अच्छा लगा? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कविता से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को **'बच्चों का कोना'** में लगा दें।

कहानी पोस्टर पर कार्य

अकादमिक सत्र के पहले कालांश में **कक्षा-1** के बच्चों के साथ कार्य करने के लिए विद्यालयों में **'कहानी पोस्टर'** उपलब्ध करवाए गए हैं। कहानी पोस्टर के माध्यम से मौखिक शब्दावली विकास पर कार्य सप्ताह के छठे दिन किया जाएगा। कहानी पोस्टर पर कार्य करने की रणनीति को नीचे देखा जा सकता है- **(कहानी पोस्टर 'मेंढक का गाना' का उदाहरण)**

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- बच्चों को कहानी पोस्टर के चित्र दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक और कहानी के बारे में अनुमान लगाने को कहें।
- कहानी को पढ़कर बच्चों को सुनाएँ। बच्चों का जुड़ाव कहानी से बनाए रखने के लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- गाना कौन गाने लगा? चॉकलेट किसके पास थी? आदि।

कहानी पर शब्दावली विकास (7-10 मिनट)

- कहानी में आए कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- उड़ाऊंगा, खाऊंगा आदि के अर्थ बच्चों के परिचित संदर्भों से जोड़ते हुए समझाएँ।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, 5-7 प्रश्नों के माध्यम से कहानी के बारे में उनसे बातचीत करें, जैसे- मेंढक गाना ना गाता तो उसे चॉकलेट कैसे मिलती? मक्खी ने पहली बार चॉकलेट देने से क्यों मना किया? आदि। बच्चों को अपने घर की भाषा में अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से कहानी से जुड़ा कोई चित्र बनाने को कहें और अपने साथी को दिखाने और उस पर थोड़ी बातचीत करने को कहें। फिर, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ

राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 यह सुझाती है कि शुरूआती दौर में बच्चों को खेल-खेल में सीखने के अवसर देने चाहिए, ताकि खेल के माध्यम से बच्चों में संज्ञानात्मक एवं शारीरिक विकास को गति दी जा सके। इसी बात को ध्यान में रखकर खेल विकास की गतिविधियाँ दी गई हैं। मौखिक भाषा विकास के खेल की गतिविधियों के कुछ उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

1. ओला-ओला बम का गोला

☑ अलग-अलग श्रेणियों से जुड़े नामों का चयन।

- आप बच्चों से गोल घेरे में बैठने को कहें और 'ओला-ओला' बोलें। बच्चे उसके बाद 'बम का गोला' बोलें।
- फिर, आप 'मैंने बोला-सब्जियां' बोलें। इसके बाद बच्चों से बारी-बारी सब्जियों के नाम बोलने को कहें।
- यह गतिविधि आप अलग-अलग श्रेणियों के साथ करें। जैसे- फलों, जानवरों, पक्षियों, मिठाईयों, रसोई, बाजार, खेत की चीजें आदि।

2. बोलो-बोलो, कौन है मिलता?

ऐसे 20-30 परिवेशीय शब्दों का चयन जिससे बच्चे तुकांत शब्द बना सकें।

- सभी बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं और बताएँ कि आप उनमें से किसी एक बच्चे को एक गेंद देंगे और ताली बजाएगे। जब तक ताली बजती रहेगी, तब तक बच्चे गेंद को अगले बच्चे की ओर बढ़ाते रहेंगे।
- आप जब ताली बजाना बंद करेंगे, उस समय गेंद जिस बच्चे के हाथ में होगी, उसे बोलेंगे- बोलो-बोलो कौन है मिलता, माला से कौन है मिलता? बच्चे को माला से कोई भी मिलता-जुलता शब्द (अर्थपूर्ण या अर्थहीन) बनाकर बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए आप पहले 2-3 उदाहरण अवश्य दें।
- प्रत्येक शब्द पर 2-3 बच्चों से प्रतिक्रिया लें और इस गतिविधि को 20-30 अलग-अलग शब्दों के साथ करवाएँ। सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कम से कम 2-3 बार बोलने का अवसर मिले।

3. झोले की वस्तुएँ

झोला, कक्षा-कक्ष में उपलब्ध सामग्री।

- आप किसी झोले/बैग में अलग-अलग वस्तुएँ डालें। ये आस-पास, कक्षा में, या घर में उपलब्ध वस्तुएँ हो सकती हैं। जैसे- गिलास, पेन, मोबाइल, पेंसिल, कटर, किताब, कोई उपलब्ध सब्जी आदि। झोले में अधिक से अधिक अलग-अलग वस्तुओं को रखने का प्रयास करें।
- अब एक-एक बच्चे को बुलाएँ और उनसे झोले में से एक वस्तु निकालने को कहें। फिर वह बच्चा उस वस्तु के बारे में 1-2 वाक्य बोलेगा। बोले गए वाक्य उस वस्तु के बारे में हो या उससे जुड़े हुए, उनके या किसी और के अनुभवों के बारे में हो सकते हैं। जैसे- किताब पढ़ने के काम आती है, आदि।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

ध्यान रहे कि झोले में कोई नुकीली वस्तु ना हो।

4. करके दिखाओ

कागज़ की गेंद और विषय लिखी हुई कुछ पर्चियां (कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज निकालना, चुटकला सुनाना आदि)।

- आप बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें और पर्चियों को गोले के बीच में रख दें। किसी एक बच्चे को कागज़ की गेंद दें। अब ताली बजाए और जब तक ताली बजेगी, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएगे।
- ताली रूकते ही, जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाए और उसे पढ़ कर बताएँ। यदि बच्चा पढ़ ना सके, तो आप उसे पढ़ कर सुना दें।
- अब वह बच्चा पर्ची में लिखे गए कार्य को करके दिखाएँ। जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो, तो बच्चा कविता सुनाए। इसी तरह आप खेल को आगे बढ़ाएँ।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दे सकते हैं।

5. बताओ, यह क्या है?

अलग-अलग आकृतियों की सूची।

- आप बोर्ड पर एक साधारण-सी आकृति बनाएँ। जैसे- एक रेखा, एक गोला, एक टेढ़ी-मेढ़ी लकीर, एक डिब्बा आदि।
- अब बच्चे बताएँ कि वह आकृति क्या हो सकती है? जैसे- टेढ़ी-मेढ़ी लकीर को देख कर बच्चे बोल सकते हैं, साँप, रस्सी, बिजली का तार आदि।
- इस खेल में बच्चे किसी साधारण-सी आकृति देख कर उसके बारे में रचनात्मक सोचने का प्रयास करते हैं।
- बच्चों से कई ज़वाब लेने के बाद आप बताएँ कि असल में आपने क्या बनाया है। ध्यान रहे, आपका जवाब जितना रोचक और अनूठा होगा, बच्चों को इस खेल में उतना ही आनंद आएगा और वे नए-नए जवाब सोचेंगे। उदाहरण के लिए, आप कह सकते हैं- "यह मेरी कमीज़ से निकला हुआ धागा है!"
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

6. पहचानो और बताओ

स्थानीय कविता, बोर्ड, चॉक, मार्कर।

- आप बोर्ड पर कोई आकृति जैसे- तिकोना बनाएँ और बच्चों को अनुमान लगाकर पहचानने को कहें।
- अब बच्चों को आकृति पहचानकर, उस आकृति जैसी किसी वस्तु का नाम बताकर, उसके बारे में 1-2 वाक्य बताने को कहें। जैसे- तिकोना देखकर बच्चे कह सकते हैं कि यह समोसे जैसा है या मैंने कल समोसा खाया था।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।
- प्रत्येक बच्चे को बोलने का अवसर दें। यदि कोई बच्चा कुछ अलग पहचानता है, तो भी उसे वाक्य में बोलने को कहें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

7. इनके बारे में बताओ

वाक्य बनाने के लिए कुछ सरल शब्दों का चुनाव पहले से कर लें।

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं और कागज की गेंद घुमाते हुए खेल शुरू करें।
- अब जिस बच्चे के पास गेंद हो, उसे एक शब्द दें, जैसे- जलेबी।
- अब आप बच्चे को दिए गए शब्द से एक वाक्य बनाने को कहें।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।
- वाक्य बनाने के बाद वह बच्चा गेंद अगले बच्चे को देगा और वह बच्चा जलेबी से अन्य वाक्य बनाएगा। यह क्रम तब तक जारी रहेगा, जब तक कि कोई बच्चा जलेबी से नया वाक्य न बना पाए।
- अब आप कोई नया शब्द देकर खेल को तब तक जारी रखें, जब तक कि कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात दो से तीन बार रखने का अवसर ना मिल जाए।

8. क्या हो अगर?

☑ उदाहरण के लिए कुछ काल्पनिक स्थितियां तैयार रख लें।

- आप बच्चों को दो लाइनों में एक-दूसरे की ओर मुख करते हुए खड़ा करें। पहली लाइन से एक बच्चा अपने सामने वाले बच्चे को "क्या हो अगर" से शुरू होती एक मजेदार काल्पनिक स्थिति दें। जैसे- क्या हो अगर मेरे पंख लग जाए? क्या हो अगर कभी रात न हो? आदि।
- दूसरी लाइन में खड़े बच्चे को इसका जवाब देना होगा।
- फिर दूसरी लाइन से अगला बच्चा, पहली लाइन के अगले बच्चे से एक सवाल पूछेगा। जिसका उसे जवाब देना होगा। इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

9. शब्द अन्त्याक्षरी

☑ शब्द अन्त्याक्षरी के लिए कुछ शब्दों का चयन कर लें।

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं और आप स्वयं भी बैठ जाएं। आप बच्चों को बताएँ कि आज हम शब्द अंत्याक्षरी खेलेंगे। आप एक शब्द बोलेंगे और आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा, उस शब्द के अंतिम अक्षर से कोई नया शब्द बोलेगा। इस क्रम में बच्चे बारी-बारी से बोले गए शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाला, कोई नया शब्द बोलेंगे।
- आप बच्चों को एक-दो उदाहरण के माध्यम से गतिविधि को स्पष्ट करें।
- अब आप बच्चों को कोई शब्द बोलें। जैसे- **'मोर'** अब आपके बगल में बैठा हुआ बच्चा 'र' से शुरू होने वाला कोई शब्द बोलेगा। जैसे- **रस्सी**। इसी क्रम में खेल तब तक जारी रखें, जब तक कि कक्षा के सभी बच्चों को 2-3 बार शब्द बोलने का अवसर न मिल जाए।

10. जोड़ियों में अभिनय

- आप सभी बच्चों को जोड़ियों में बाँटें और हर जोड़ी को एक-एक स्थिति दें। जिस पर उन्हें एक रोल प्ले करना होगा।
- बच्चों को रोले प्ले करने के लिए कुछ सुझाव दें-
  1. हाट में सब्ज़ीवाले और एक ग्राहक के बीच मोल-भाव।
  2. पानी पूरी वाले और ग्राहक के बीच तू-तू, मैं-मैं।
  3. डॉक्टर के पास न जाने के लिए बहाना सोचो।
  4. आपको आपके दोस्त के टिफिन का खाना अच्छा लग रहा है, तो आप उसे कैसे मनाएंगे कि वह आपको खाना दे।
- आप आवश्यकतानुसार हर जोड़ी की तैयारी में सहायता करें। हर जोड़ी से प्रस्तुति करवाएँ।

11. तोता-मैना की अनोखी है जोड़ी

जोड़ी वाले चित्र कार्ड (जैसे- ताला-चाबी, सुई-धागा, बोर्ड-चॉक, रोटी-सब्जी, कॉपी-पेंसिल, शर्ट-पैंट आदि)।

- बच्चों को दो-दो की जोड़ी में बाँट दें। प्रत्येक जोड़ी को एक कार्ड दें, जिसमें कुछ जोड़ियों के चित्र बने हुए हों या नाम लिखे हुए हों, जैसे- ताला-चाबी।
- आप बारी-बारी से प्रत्येक जोड़ी के पास जाए और बोलें "तोता-मैना की अनोखी है जोड़ी। अब तुम बताओ एक नई जोड़ी।" मान लीजिए कि बच्चों के पास है, सुई और धागा, तो वे बोलें ''मेरे पास है सुई-धागे की जोड़ी।"
- फिर वे सुई धागे के बारे में कुछ बताएँ, जैसे- उससे जुड़ा कोई मज़ेदार किस्सा, वह किस काम आता है, आदि।
- इसके बाद आप दूसरी जोड़ी के बच्चों के पास जाए और बोलें "सुई-धागे की अनोखी है जोड़ी, अब तुम बताओ एक नई जोड़ी"। इसी क्रम में खेल तब तक जारी रखें, जब तक कि कक्षा की सभी जोड़ियों को अपनी बात कहने का अवसर ना मिल जाए।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

12. अजब कहानी हमने बनाई

कागज की गेंद।

- आप अपने हाथ में कागज की एक गेंद रखें और कोई भी एक मजेदार वाक्य बोलें, जैसे- शेर ने खरगोश को पकड़ा। यह वाक्य कहानी का पहला वाक्य होगा।
- इसके बाद आप किसी एक बच्चे की ओर गेंद बढ़ाएँ। यह गेंद, जिस बच्चे के पास जाए, वह उस वाक्य के साथ एक और मजेदार वाक्य जोड़े।
- फिर वह बच्चा गेंद को किसी दूसरे बच्चे की ओर बढ़ाए। जिस बच्चे के पास गेंद जाए, वह कहानी में एक नया वाक्य जोड़े।
- इस प्रकार पूरी कहानी बनाएँ। यह कहानी 8-10 वाक्यों से अधिक लम्बी न हो। कहानी पूरी होने के बाद कुछ बच्चों से पूरी कहानी सुनें। अंत में, आप स्वयं भी कहानी को हाव-भाव सहित सुनाएँ।
- समय की उपलब्धता के अनुसार आप दो कहानियों पर काम कर सकते हैं।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

13. बताओ क्या है अलग?

आसानी से मिलने वाली कुछ वस्तुएँ।

- आप टेबल पर दो वस्तुएँ रखें, जैसे- एक चॉक और पत्थर। अब कक्षा के किन्हीं दो बच्चों को बुलाकर टेबल पर रखी वस्तु के बीच अंतर बताने को कहें।
- उदाहरण के लिए, पत्थर और चॉक में अंतर बताते हुए इस प्रकार बात करें। **पहला बच्चा:** पत्थर आसानी से नहीं टूटता, चॉक टूट जाता है। **दूसरा बच्चा:** चॉक से हम बोर्ड पर लिख सकते हैं, पत्थर से नहीं लिख सकते। फिर किन्हीं अन्य दो बच्चों को बुलाएँ और पत्थर एवं चॉक में अन्तर बताने को कहें।
- यह क्रम तब तक ज़ारी रखें, जब तक कि बच्चों के पास बताने के लिए कोई अंतर न रहे। फिर आप वस्तुओं को बदलकर और अन्य बच्चों बुलाकर गतिविधि को जारी रखें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

14. इससे और क्या?

कक्षा में पड़ी कुछ वस्तुएँ (जैसे बोतल, कागज आदि)।

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं और बीच में कुछ वस्तुएँ रख दें।
- फिर निर्देश दें कि उन्हें एक-एक करके गोले के बीच में आना है और उस वस्तु को कोई अन्य वस्तु समझ कर उस पर अभिनय करना है। यहाँ अभिनय करते समय एक वाक्य और थोड़ा हाव-भाव जरूर हो।
- शुरूआत में आप स्वयं करके दिखाएँ। उदाहरण- बीच में रखी है बोतल, तो आप इस बोतल को उठाकर बल्ला मानकर उससे खेलने का अभिनय करें और बोलें- अरे वाह, आज चौका मार दिया और साथ ही खुशी का भाव अपने चेहरे पर दर्शाएं।
- बच्चे किसी वस्तु को लेकर उस पर अभिनय करें। बच्चों को सही गलत कहने की बजाय प्रोत्साहित करें। कम से कम 10-12 वस्तुएँ एकत्रित करें और किसी एक वस्तु पर 3-5 बच्चों से प्रतिक्रिया लें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

15. मेरे बारे में बताओ

कुछ आस-पास की वस्तुएँ / चित्र कार्ड।

- आप कुछ वस्तुओं को लेकर एक बक्से में डाल लें। जैसे काग़ज़, पेंसिल, गेंद, चॉक, फूल, कहानी की किताब, पत्थर, टोपी, आदि।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं और बक्से को बीच में रख लें। बच्चे एक-एक करके आए और अपनी आँखें बंद करके बक्से से कोई एक वस्तु निकालें। फिर वे छूकर अंदाजा लगाए कि उन्होंने बक्से से क्या निकाला है।
- फिर वो उस वस्तु से जुड़ा अपने जीवन का कोई मज़ेदार किस्सा / कोई बात बताएँ।
- अगर किसी बच्चे के पास पेंसिल आई है, तो वह बता सकता है कि पेंसिल छोटी हो जाने पर उसने पेंसिल के पीछे पेन का ढक्कन लगाकर, पेंसिल को बड़ा कर लिया था।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

☞ अगर इन वस्तुओं को इकट्ठा करना मुश्किल हो, तो इस खेल के लिए इन वस्तुओं के चित्र कार्ड या उनके नाम को पर्चियों में लिखकर भी उपयोग किया जा सकता है।

☞ आप गतिविधियाँ करवाने से पहले बच्चों को उदाहरण देते हुए, पहले गतिविधि स्पष्ट रूप से समझाएँ। उसके बाद बच्चों के साथ गतिविधि करवाएँ।

सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राज्य पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 दोनों दस्तावेज बच्चों के समग्र विकास के बारे में बात करते हैं। बच्चों के समग्र विकास में संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ सामाजिक और भावनात्मक विकास भी शामिल है। वर्ष 2024-25 की अकादमिक योजना में भाषा की कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सामाजिक और भावनात्मक विकास को एक महत्वपूर्ण जगह दी गई है। भाषा शिक्षण के सप्ताह के पहले और चौथे दिन के पहले कालांश में सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की गतिविधियाँ करवाते समय आप अग्रलिखित बातों का ध्यान रखें-

- कक्षा में बच्चों की भावनाओं को व्यक्त करने के अवसर सृजित किए जाए।
- कालांशों की शुरूआत कहानी/कविता/खेल से हो, ताकि बच्चे सहज हो पाए। इसके साथ ही, जब बच्चों का जुड़ाव या सहभागिता कम हो जाए, तो उनके साथ छोटी कविता/खेल करवाएँ, ताकि उन्हें शिक्षण प्रक्रिया से दोबारा जोड़ा जा सके।
- बच्चों से संवाद करते समय संवेदनशीलता बरती जाए। बच्चों को कक्षा से संबंधित नियम बनाने और अनुशासन बनाए रखने की प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए, आदि।

कुछ सामाजिक-भावनात्मक विकास गतिविधियों के उदाहरण नीचे देखे जा सकते हैं-

1. हाव-भाव की झलक

☑ कुछ हाव-भाव वाले चेहरों के चित्र कार्ड।

- आप चेहरों के हाव-भाव वाले चित्रों के कार्ड बना लें। जैसे- खुशी का चेहरा ☺, उदास चेहरा ☹, रोता हुआ चेहरा ☹ आदि।
- सभी बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं। इस घेरे के बीचों-बीच आप कार्डों को उल्टा करके रख दें।
- फिर आप एक-एक करके बच्चों को बुलाएँ। इसके लिए बच्चों के नाम की पर्ची का उपयोग करें।
- जिस बच्चे का नाम आया है, वह बीच में आकर एक कार्ड उठाए, उस चेहरे के भाव को पहचाने और सोचकर बताने को कहें कि वह कौन-सा भाव है और उसे देखकर उन्हें क्या याद आ रहा है? जैसे- खुशी का भाव देख कर, कोई बच्चा बता सकता है कि जब उसकी मम्मी ने छुट्टी के दिन उसे सुबह देर तक सोने दिया, तो उसे बहुत खुशी हुई।
- अपनी बात बताकर वह उस कार्ड को फिर उल्टा करके रख दे। इसी तरह खेल को आगे बढ़ाएँ।
- बच्चों को अलग-अलग भावों के चित्र कार्डों को पहचानने का अवसर दें।
- सभी बच्चों को कम से कम 1-2 बार भावों पर अपने-अपने अनुभवों को साझा करने का अवसर दें।

2. कक्षा में बात बोलने और कहने के तरीके को समझना

☑ अखबार, पेंट, रंग, इंक स्टैम्प, चार्ट पेपर।

- आप बच्चों से चर्चा करें कि सभी की बातों को बराबर रूप से सुना जाए, इसके लिए हमें कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।
- अब आप बच्चों को अपने पीछे-पीछे ये वादे दोहराने के लिए कहें।
  क. मैं वादा करता/करती हूँ कि जब दूसरे बोल रहे होंगे तो मैं ध्यान से सुनूंगा/सुनूंगी।
  ख. मैं वादा करता/करती हूँ कि किसी भी गतिविधि के दौरान, मैं अपनी बारी आने का इंतज़ार करूंगा/करूंगी।
  ग. मैं वादा करता/करती हूँ कि जब मुझे कुछ बोलना होगा, तो पहले मैं अपना हाथ उठाऊंगा/उठाऊंगी।
- आप एक चार्ट पर पेड़ की आकृति बनाकर दीवार पर लगा दें।
- अब बच्चे पेड़ पर बारी-बारी से अपने अंगूठे के छाप लगाते हुए वादों को दोहराएँगे। बच्चों को अपने अंगूठों को रंग में डुबोकर पेड़ की आकृति वाले चार्ट पर छापा बनाने में सहायता करें।
- यह सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने कपड़े या कक्षा को गंदा न करें।
- इस गतिविधि में आप भी हिस्सा लें और पेड़ पर अपने अंगूठे की छाप लगाते हुए वादों को दोहराएँ।

3. एक दो तीन

- आप बच्चों को निर्देश दें कि वह एक से पाँच तक अलग-अलग संख्या बोलेंगे और हर संख्या के अलग-अलग भाव हैं। जैसे- एक बोलने पर गुस्सा, दो बोलने पर हँसना, तीन बोलने पर रोना, चार बोलने पर मुँह पर अंगुली रखना, पाँच बोलने पर मुस्कुराना, आदि।
- आप जो संख्या बोलें, उस पर बच्चों को उस संख्या के भाव का अभिनय करना होगा।
- शुरूआत में संख्या धीरे-धीरे बोलें और फिर जल्दी-जल्दी बोलें।
- इसी खेल को एक और तरीके से खेला जा सकता है। इसमें आप जो हाव-भाव करें, बच्चे उसकी नकल करें। शुरू में सिर्फ चेहरे पर अलग-अलग हाव-भाव बदलें, फिर आवाज में उतार-चढ़ाव लाएं, फिर अलग-अलग अंदाज़ में एक वाक्य बोलें। जैसे- गुस्से में चिल्लाकर, प्यार से, फुसफुसाते हुए, आदि।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

4. हाव-भाव

- इस खेल में बच्चों के साथ चेहरे के भाव पर कार्य होगा ।
- आप बच्चों के सामने चेहरे पर अलग-अलग भाव लाकर दिखाएँ और बच्चों से उस भाव का अनुमान लगाने को कहें। जब बच्चे अनुमान लगाएँ, तो उन्हें भाव के साथ एक उपयुक्त स्थिति भी सोचने को कहें। उदाहरण के लिए, अगर आप गुस्से का भाव दिखाएँ, तो बच्चों से पूछें कि ऐसा क्या हो रहा होगा, जो मुझे गुस्सा आ रहा है। अलग-अलग बच्चों से इस पर प्रतिक्रिया लें ।
- दूसरी बार बच्चों के कान में कोई एक भाव बोलें और उनसे अभिनय करवाएँ, जिससे अन्य बच्चे अनुमान लगाएँ।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

5. स्कूल में मेरी पसंद की वस्तुएँ

☑ पेज, क्रेयान्स, कलर पेंसिलें, स्केच पेन या पेंट या मॉडलिंग।

- बच्चों से संक्षिप्त में चर्चा करें कि बच्चों को स्कूल में क्या करना अच्छा लगता है। उनको कुछ ऐसी गतिविधियों के बारे में बताने के लिए कहें जो उन्हें अच्छी लगती है।
- अब उन्हें कागज पर चित्र के रूप में वह वस्तु बनाने को कहें, जो उन्हें अच्छी लगती है।
- वे चाहें तो उस गतिविधि का चित्र या मॉडल बना सकते हैं या फिर उससे संबंधित लोगों अथवा उससे संबंधित वस्तुओं को बनाने के लिए कह सकते हैं।
- गतिविधि पूरी होने पर बच्चों को पूरी कक्षा के सामने यह बताने के लिए कहें कि उन्होंने क्या बनाया है? वे क्या दिखाना चाहते हैं? इस पर बातचीत करें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

6. क्या अच्छा लगा

कागज की गेंद।

- आप बच्चों को गोल घेरे में बिठाएं और कागज की एक गेंद दें।
- अब आप बच्चों को बताएँ कि आप कागज़ की गेंद घेरे में घुमाएंगे। गेंद जिसके पास भी पहुँचेगी, उसे बताना होगा कि कल उन्हें कौन-सी गतिविधि सबसे अधिक अच्छी लगी थी?
- जरूरी नहीं कि यह गतिविधि भाषा शिक्षण से संबंधित हो।
- आप घेरे में कागज़ की गेंद घुमाते हुए गतिविधि की शुरूआत करें और बच्चों से बारी-बारी से पूछें कि कल आपको सबसे अच्छी गतिविधि कौन-सी लगी थी?
- आप खेल को तब तक जारी रखें, जब तक बच्चों को बारी-बारी से अपनी बात कहने के अवसर न मिलें।
- नोट- यह गतिविधि कक्षा में अंतिम समय पर करवाई जा सकती है।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

7. डायलॉग

भावों को चुने और डायलॉग तैयार रखें।

- इस खेल में आप और बच्चों के बीच एक बातचीत होगी, जिसमें आप बच्चों को हाव-भाव से जुड़ा कोई डायलॉग किसी भाव के साथ बोलें। जैसे- गुस्से के भाव में डायलॉग- तुम यहाँ क्या कर रहे हों?
- फिर बच्चों को आपके डायलॉग का भाव पहचानना है और प्रतिक्रिया देनी है।
- इसके बाद आप अपने गुस्से का कारण बताने को कहें।
- खेल की शुरूआत में 1-2 बार आप डायलॉग बोलें और बच्चें उस पर प्रतिक्रिया देंगे।
- अगले चरण में बच्चे बारी-बारी से डायलॉग बोलें और बाकी बच्चे उस पर प्रतिक्रिया दें।
- इस खेल को तब तक जारी रखें, जब तक सभी बच्चों को अपनी बात कहने का अवसर न मिल जाए।
- यह एक पूरा (सीन) दृश्य अपने आप बनता चलेगा और फिर आप तय करें कि इसको कहाँ तक आगे लेकर जाना है।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

8. आईने की तरह नकल करना

ऐसी क्रियाओं को चुनें, जो रोचक हों।

- आप बच्चों को बताएँ कि आज उन्हें आईना गतिविधि करनी है। उन्हें आपकी सभी क्रियाओं की नक़ल करनी होगी। यदि आप अपना दाहिना हाथ उठाते हैं, तो बच्चे अपना बायां हाथ उठाएंगे। यदि आप दाहिनी तरफ चलते हैं, तो उन्हें बायीं तरफ चलना होगा।
- बच्चों को उसी तरह से क्रियाओं की नक़ल करनी होगी, जिस तरह से आईने के सामने छवियां दिखाई देती हैं।
- पहले कुछ अभ्यास करवाएँ। इसके लिए बच्चों के सामने कुछ सरल क्रिया करें और उन्हें नक़ल करने के लिए कहें।
- आप अपने स्थान पर किसी दूसरे बच्चे को बुलाएँ। कक्षा के बाकी बच्चों को इस बच्चे के द्वारा की गयी क्रियाओं की नक़ल करने को कहें।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

9. मुझे कुछ कहना है

☑ कागज की गेंद।

- आप बच्चों को गोल घेरे में बैठाएं। आप बच्चों से ताली बजाते हुए कागज की गेंद एक-एक करके आगे बढ़ाने के लिए कहें।
- ताली रुकने पर गेंद जिस बच्चे के पास होगी, उसे 3 से 5 वाक्यों में अपने बारे में बताने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि वे अपनी पसंद के भोजन, अपने पसंदीदा खेल और इस तरह, की दूसरी वस्तुओं के बारे में बता सकते हैं।
- आप बच्चों को गौर से सुनने के लिए कहें। अगर किसी अन्य बच्चे की पसंद-नापसंद भी वैसी ही है, तो उन्हें कहें कि वे अपना हाथ उठाएं और ज़ोर से कहें "बिल्कुल मेरी तरह।"
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।
- गतिविधि से संबंधित 1-2 उदाहरण आप बच्चों को दें।

10. मैं एक जानवर हूँ

- इस खेल में बच्चों को जानवरों का अभिनय करने का अवसर मिलेगा।
- आप बच्चों को गोले में खड़ा करवाएँ और बोलें कि वह एक जानवर का नाम लेंगे, उसकी आवाज निकालेंगे और नकल करेंगे। जैसे- 'मैं एक हाथी हूँ, तो आप हाथी की आवाज निकालते हुए अपनी सूँड हिलाएं।
- उसी तरह, बाकी बच्चों को भी अलग-अलग जानवर या जीव बनना है। उसकी आवाज निकालते हुए नकल करनी है, जब बच्चा अभिनय करे तो बाकी बच्चे भी उसके पीछे आवाज निकालते हुए नकल करेंगे।
- आप यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को इस गतिविधि में कम से कम 1 बार प्रतिभाग करने का अवसर मिले।

मौखिक कहानी सुनाना

मौखिक कहानी सुनाने की गतिविधि द्वारा बच्चों की अभिव्यक्ति की क्षमता विकास पर कार्य किया जाएगा। मौखिक कहानियों के कुछ उदाहरण इस संदर्शिका के अंतिम के पृष्ठों में दिए गए हैं। मौखिक कहानी सुनाने की रणनीतियों को नीचे दिए गए विवरण में देखा जा सकता है-

मौखिक रूप से कहानी सुनाना (7-10 मिनट)

- आप बच्चों के स्तर की पूर्व में सुनी या पढ़ी हुई किसी एक कहानी को अपने शब्दों/स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से बच्चों को सुनाएँ। बीच-बीच में आप कहानी से बच्चों का जुड़ाव बनाने के लिए कुछ बंद छोर के प्रश्न भी पूछें, जैसे- कहानी में कौन था? आदि।

कहानी पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर (कल्पना, अनुभव, अनुमान एवं तर्क आधारित) के प्रश्न पूछें, जैसे- यदि इस कहानी में आप होते तो क्या करते? आदि।

बच्चों द्वारा आपस में चर्चा (5-7 मिनट)

- कहानी समाप्त होने के बाद बच्चों को जोड़ियों में बाँटकर, पात्रों के बारे में चर्चा करने को कहें, जैसे- आपको कौन-सा पात्र अच्छा लगा और क्यों? अंत में, सभी जोड़ियों की प्रतिक्रिया लें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें।

लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- बच्चों से इस कहानी के आधार पर कोई चित्र बनाने को कहें। उन्हें अपने साथी के साथ चित्र पर बातचीत करने को कहें। अंत में, किन्हीं 3-4 बच्चों को अपनी बात कक्षा के सभी बच्चों के साथ साझा करने को कहें।

पाठ्यपुस्तक पर कार्य

अकादमिक वर्ष 2024-25 में पहले कालांश में पाठ्यपुस्तक **'सारंगी-1'** का उपयोग सप्ताह 15 से 25 के शुरूआती चार या पाँच दिवसों में किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक पाठ पर दो दिन कार्य किया जाएगा, जिसमें आदर्श वाचन, साझा पठन और लेखन पर कार्य किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक से चयनित गतिविधियों के अभ्यास पर भी कार्य किया जाएगा। उदाहरण के लिए- सप्ताह 16 में शुरुआती चार दिनों में पाठ्यपुस्तक के दो पाठों पर कार्य करने के उदाहरण को नीचे देखा जा सकता है-

पाठ्यपुस्तक की कविता पर 2 दिन कार्य (उदाहरण - दादा-दादी)

दिवस-1

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षकों के आधार पर पाठ की विषयवस्तु का अनुमान लगवाएँ, जैसे- यह कविता किसके बारे में है?
- अब बच्चों को हाव-भाव के साथ कविता मौखिक रूप से 2-3 बार सुनाएँ। इसके बाद आप कविता को पढ़ें और बच्चों को कविता के प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कविता का अनुसरण करने को कहें और बच्चों को प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- आप पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- खादी, मुस्काते, कभी-कभी आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- दादी के गाना गाने पर दादाजी क्यों मुस्कुराते रहते थे? आदि।
- कविता के बारे में बच्चों की राय पूछें, जैसे- उन्हें कविता में क्या अच्छा लगा और क्यों? आदि।

पाठ अभ्यास एवं सम्बन्धित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ से **(प्रश्न संख्या-1, झट-पट कहिये, शब्दों का खेल)** गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

दिवस-2

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- आप कल की चर्चा के आधार पर बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- भूरी खादी कौन पहनता है? कल हमने कौन-सी कविता पढ़ी थी? आदि।
- फिर आप कविता का 1-2 बार हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन करें और बच्चों से अपने साथ कविता दोहराने को कहें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल आपने जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर बच्चों के साथ कार्य किया था, उनके अर्थ बच्चों से पूछें और उन शब्दों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- बातचीत को समृद्ध बनाने के लिए 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- दादा जी कभी-कभी ही गाना क्यों गाते थे? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ से **(आओ सुनें! एवं खोजें जानें)** गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

पाठ्यपुस्तक की कहानी पर 2 दिन कार्य (उदाहरण - रीना का दिन)

दिवस-3

पाठ का आदर्श वाचन करना (7-10 मिनट)

- पाठ के चित्रों और शीर्षक के आधार पर कहानी का अनुमान लगवाएँ। पूरे पाठ को हाव-भाव के साथ 1-2 बार पढ़कर सुनाएँ। बच्चों का पाठ से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए बीच-बीच में कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- रीना उठकर सबसे पहले क्या करती है? आदि।

कहानी को मौखिक रूप से सुनाना और चर्चा करना (7-10 मिनट)

- अब आप पाठ की कहानी को अपने शब्दों में बच्चों को सुनाएँ। पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- रीना को रात में जल्दी नींद क्यों आ जाती है ? आदि।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- पाठ के कठिन/अमूर्त शब्दों जैसे- स्वच्छ, शरारत, हँसती-खेलती आदि के अर्थ पाठ के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बच्चों के परिवेश से जोड़कर बताएँ।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ से **(आओ सुनें! एवं खोजें जानें)** गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

दिवस-4

पाठ का दोहराव करना (7-10 मिनट)

- कल की चर्चा को दोहराते हुए पाठ की कहानी को अपने शब्दों में सुनाएँ। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पाठ से सम्बन्धित कुछ बंद छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें।

शब्दावली विकास (5-7 मिनट)

- कल जिन कठिन/अमूर्त शब्दों पर कार्य किया गया था, उन शब्दों से बच्चों से मौखिक रूप से वाक्य बनवाएँ।

पाठ पर समृद्ध चर्चा (7-10 मिनट)

- पाठ पर समृद्ध समझ बनाने के लिए पाठ से सम्बन्धित 5-6 खुले छोर के प्रश्न बच्चों से पूछें, जैसे- रीना अपनी सहेलियों के साथ कैसी शरारतें करती होगी? आदि। चर्चा में प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने के अवसर दें।

पाठ अभ्यास एवं संबंधित लेखन कार्य (7-10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पाठ से **(बातचीत के लिए)** के सभी प्रश्नों गतिविधियों पर बच्चों से मौखिक चर्चा करते हुए उन्हें प्रश्नों के निर्देशानुसार कार्य करने को कहें।

☞ शिक्षण योजना में पाठ्यपुस्तक पर कार्य की योजना के अंतर्गत पाठ की अभ्यास गतिविधियों का चयन सरल से कठिन के क्रम में किया गया है। आप दिवस अनुसार चयनित गतिविधियों पर उदाहरण (क्या है और कैसे करना है, आदि) देते हुए चर्चा करें, फिर बच्चों को लेखन कार्य करने को कहें।

सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण की गतिविधियाँ

प्रत्येक कालांश की शुरूआत में बच्चों को सहज करने के लिए 2-3 मिनट स्थानीय कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर आदि से कोई भी छोटी कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि की गतिविधियाँ ली जा सकती है। प्रतिदिन इनमें से किन्हीं एक गतिविधि से कक्षा में कार्य की शुरूआत करें। शुरूआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं/बालगीतों/ कहानियों/आसान खेल गतिविधियों का चयन करें। इन गतिविधियों पर कार्य करने का विवरण नीचे देखा जा सकता है-

- आप पहले बच्चों को कविता/बालगीत/खेल गतिविधियाँ/उठने-बैठने, चलने-फिरने आदि से संबंधित गतिविधियाँ करके दिखाएँ।
- बच्चों को गतिविधियों को निर्देशानुसार करने के लिए प्रोत्साहित करें एवं सहायता करें।
- गतिविधियों को 2-3 बार करें, ताकि बच्चों की इन गतिविधियों पर पकड़ बन जाए।
- आप यह सुनिश्चित करें कि इन गतिविधियों में सभी बच्चे प्रतिभाग कर पाएँ। गतिविधियों का चयन करते समय कक्षा में पर्याप्त जगह, बच्चों की संख्या, गतिविधि का स्तर एवं गतिविधि से बच्चों का जुड़ाव हो सके, इस बात का पूरा ध्यान रखें।

कालांश-2 में कार्य करने की रणनीतियाँ

कक्षा-1 में भाषा शिक्षण के दूसरे कालांश में मुख्य रूप से डिकोडिंग कौशलों पर कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण नीचे दिया गया है-

- कक्षा-1 के कलांश-2 में **सप्ताह 9 से 25** में मुख्य रूप से डिकोडिंग की गतिविधियाँ करवाई जाएंगी, जिसके अंतर्गत ध्वनि जागरूकता, वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, शब्द पठन, वाक्यांश और वाक्य पठन पर कार्य करवाया जाएगा।
- सप्ताह के शुरूआती 1-4 दिन में नई दक्षताओं पर कार्य करवाया जाएगा। सप्ताह के पाँचवें दिन अब तक सीखी गई दक्षताओं की पुनरावृत्ति पर कार्य करवाया जाएगा।
- सप्ताह (14 से 25) के छठे दिन आकलन पर कार्य करवाया जाएगा। (सप्ताह 9 से 12 के छठे दिन आकलन नहीं किया जाएगा।)

इस कालांश में मुख्य रूप से **कार्यपुस्तिका (भाग-1)** का उपयोग किया जाएगा, **जिसकी रणनीति को निम्नवत देखा जा सकता है-**

कालांश-2: कार्यपुस्तिका (भाग-1) की गतिविधियाँ

- वर्ण पहचान पर कार्य
- अक्षर/मात्रा पहचान पर कार्य
- ब्लेंडिंग पर कार्य
- शब्द पठन पर कार्य
- वाक्य पठन पर कार्य
- ग्रिड पर कार्य
- श्रुतलेख/सुनकर लिखें पर कार्य
- डिकोडिंग आधारित खेल गतिविधियाँ

डिकोडिंग पर कार्य

कालांश 2 में डिकोडिंग के कौशल सिखाते हुए ध्वनि जागरूकता, वर्ण/अक्षर पहचान, ब्लेंडिंग, वाक्यांश, वाक्य और डिकोडेबल पाठ (अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों/मात्राओं से इनका निर्माण किया जाता है) पर कार्य करवाया जाएगा।

सप्ताह 9 से 25 तक में कार्यपुस्तिका में किसी भी सप्ताह के दिवस 1 से 4 के लिए 1-1 कार्यपत्रक एवं दिवस 5 और 6 के लिए समेकित रूप से 1 कार्यपत्रक दिए गए हैं। इस तरह से प्रत्येक सप्ताह में कुल 5 कार्यपत्रक दिए गए हैं। दिवस 5 और 6 में कार्यपत्रकों पर कार्य के साथ-साथ बच्चों के नोटबुक पर भी कार्य करवा जाएगा।

वर्ण पहचान पर कार्य

उदाहरण : 'न' वर्ण पर कार्य करने के चरण :

- बच्चों से 'न' की ध्वनि/आवाज से शुरू होने वाले 4-5 शब्द /नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें। शब्द को तोड़कर पहली ध्वनि पर बल दें और बच्चों से 'न' पर गोला लगवाएँ।

- आप 'नल'/'नमन' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'न' को अलग से बोर्ड पर लिखकर 3-4 बार उच्चारित करें।
- अब बच्चों से 'न' वर्ण से शुरू होने वाले अन्य शब्द या नाम बताने को कहें और आप उन्हें बोर्ड पर लिखते जाए, जैसे- नमन, नगर, नहर, नमक, नकल आदि सभी शब्द लिखते हुए आप बच्चों के साथ पढ़ें और उसकी पहली आवाज के प्रतीक 'न' वर्ण पर गोला लगाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों (कविता और कहानी पोस्टर) और पाठ्यपुस्तक 'सारंगी-1' से ढूँढकर बताने को कहें। अलग-अलग तरीकों से बच्चों द्वारा 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ। जैसे- अपनी अंगुली से हवा में लिखें, जमीन/रेत पर लिखें, अपनी हथेली पर लिखें, हवा में कोहनी या पैर से लिखें, आदि।

अक्षर पहचान पर कार्य

उदाहरण : 'ना'

- आप वर्ण-मात्रा से लक्षित क्रमिक ग्रिड बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- वर्ण-मात्रा से बने इस ग्रिड से वर्ण-अक्षर पढ़ें और बच्चे को अपने बाद बोलने को कहें।
- फिर बच्चों को छोटे ग्रिड कार्ड 4-5 के समूह में दें और साथ-साथ पढ़ने के लिए कहें और गतिविधि करवाएँ।

न	ना
म	मा
र	रा

मात्रा पहचान पर कार्य

उदाहरण : मात्रा ' े ' पर कार्य करने के चरण :

- आप बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- न ने
- कुछ अन्य वर्ण लेकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे- क के, प पे, ल ले आदि।
- सिखाए गए वर्णों और लक्षित मात्रा से एक क्रमिक ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4-5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।
- क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण अक्षर पढ़ाते हुए ध्वनियों में अंतर करना बताएँ।

क्रमिक ग्रिड

म	मे
स	से
ह	हे
ज	जे
त	ते

अनुक्रमिक ग्रिड

म	जे	के	बे
हे	फ	त	न
फे	ग	ब	र
घ	घे	ह	रे
से	क	चे	य

ब्लेंडिंग पर कार्य

- आप बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बनने वाले शब्द को लिखें। फिर पहले अलग-अलग उच्चारण करके और उसके बाद इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से पढ़ें। [बा] [ल] → [बाल]
- फिर 5-6 (अलग-अलग) शब्दों के साथ भी यही चरण करें।
- 4-5 शब्द और लें एवं उन्हें बोर्ड पर इसी तरह लिखकर दें, फिर बच्चों को आपके साथ इन्हें पढ़ने को कहें।
- कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इसके लिए आप ग्रिड का उपयोग भी करें।
- 'बा' को 'ब' में 'ा' की मात्रा 'बा' की तरह नहीं पढ़ना है।

शब्द पठन पर कार्य

- 4-5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें और उन्हें दो बार पढ़कर दिखाएँ। शब्द को सीधे-सीधे ही पढ़ें। जैसे- 'काम' इसे तोड़कर (का म) की तरह नहीं पढ़ें। शब्द के नीचे अंगुली रखते हुए बोलें और शब्द बोलने की गति पर बच्चों का ध्यान दिलाएं।
- कुछ सरल शब्द बोर्ड पर लिखें और बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- बच्चों को ग्रिड की सहायता से शब्द पढ़ने के अवसर दें।

वाक्य पठन पर कार्य

- आप सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वालें सरल छोटे वाक्य को बोर्ड पर लिखें और वाक्य के नीचे शब्दों पर अंगुली रखते हुए पढ़ें।
- बच्चों से इन्हें पढ़ने को कहें।

ग्रिड पर कार्य (शिक्षक बोर्ड पर आवश्यकतानुसार ग्रिड बनाकर कार्य करें।)

बोर्ड पर बने ग्रिड से वर्ण/अक्षर को खोजना

- बोर्ड पर इस सप्ताह के ग्रिड को बनाएँ, जिस तक बच्चे आसानी से पहुँच सकें।
- अब बच्चों को 1-1 करके बुलाएँ एवं ग्रिड से कुछ वर्णों/अक्षरों को बोलें और बच्चों से उन्हें खोजकर उन पर अंगुली रखने को कहें।
- अन्य बच्चों को खोजे गए वर्ण/अक्षर सही हैं या गलत, बताने को कहें।
- यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर खोज लिया हो, तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों को बोर्ड पर लिखने को कहें।
- यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखा है, तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में अन्य बच्चों से सहायता करने को कहें।

ग्रिड पर छोटे समूहों में कार्य

- कक्षा के बच्चों को 4-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह के किसी एक बच्चे की कॉपी में ग्रिड को बना दें, जिस पर बच्चे समूह कार्य करेंगे।
- अब आप ग्रिड के सभी वर्णों/अक्षरों को एक-एक कर बिना क्रम के बोलें।
- बच्चे आपके द्वारा बोले वर्ण/अक्षर या शब्द ग्रिड में खोजकर अंगुली रखें।
- आप घूम-घूमकर समूहों में बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- आप बच्चों द्वारा ग्रिड से खोजे गए वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखते हुए उसे उच्चारित करने को कहें।
- यदि बच्चों ने सही वर्ण/अक्षर/शब्द खोज लिया हो, तो उन बच्चों को खोजे गए वर्णों/अक्षरों/शब्दों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें।
- यदि बच्चों ने गलत वर्ण/अक्षर पर अंगुली रखी है, तो उन्हें सही वर्ण/अक्षर खोजने में सहायता करें।

बोर्ड पर बनी ग्रिड के वर्णों/अक्षरों से शब्द बनाकर लिखना

- अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बना एक ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ।
- इस गतिविधि में आप बच्चों को ग्रिड में दिए गए वर्ण एवं अक्षरों को मिलाकर जितने शब्द हो सकते हैं, उतने शब्द खोजने को कहें और उन शब्दों को कॉपी में लिखने को कहें।
- जब बच्चे कार्य कर रहे हों, तब आप घूम-घूमकर बच्चों के कार्य का अवलोकन करें।
- आप हर एक समूह/जोड़े द्वारा बनाए गए शब्दों को सबके सामने पढ़ने को कहें और उनके लिखित कार्य को देखें।
- अगर कोई गलती हुई हो, तो उसे भी सुधारें।

☞ ग्रिड के वर्ण/अक्षर से शब्द बनाने और लिखने के कुछ उदाहरण आप बच्चों को बोर्ड पर लिखकर समझाएँ।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें पर कार्य करने की रणनीति

प्रत्येक सप्ताह में लगभग 2-3 दिन दूसरे कालांश में **'सुनकर लिखें'** की गतिविधि प्रस्तावित है। इसमें सप्ताहवार क्रमशः जटिलताएँ बढ़ती जाएंगी। वर्णों/अक्षरों से लेकर वाक्य लिखने का अवसर बच्चों को दिया जाएगा। इससे बच्चों की वर्तनी के सुधार में सहायता मिलती है। इसके लिए 5-7 मिनट का समय दिया जाना प्रस्तावित है।

श्रुतलेख/सुनकर लिखें के चरण-

- अब तक सिखाए गए (इसमें मुख्य रूप से पिछले सप्ताहों के) वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों का चयन करें।
- जब बच्चे कार्यपुस्तिका/नोटबुक के साथ तैयार हों, तो आप वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को बोलें। बच्चों को/किसी एक बच्चे को सुना हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य दोहराने को कहें। इससे यह पता चलता है कि उन्होंने बोला हुआ वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य ठीक से सुना है या नहीं।
- अब बच्चों को वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों को लिखने को कहें, फिर इसे 2-3 बार बोलें, जैसे- शब्द स्तर पर **'सुनकर लिखें'** करवा रहे हों, तो प्रत्येक शब्द को 2-3 बार (नमक, नमक, नमक) बोलें। शब्दों/वाक्यों की जटिलता एवं प्रवृत्ति के लिए कार्यपुस्तिका में उस सप्ताह के पाठों का संदर्भ लें।
- अगले वर्णों/अक्षरों/शब्दों/वाक्यों के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।
- शिक्षक सही वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोर्ड पर लिखेंगे, उसी क्रम में जैसा कि उन्होंने श्रुतलेख के दौरान बोला था। फिर बच्चे अपनी कार्यपुस्तिका को एक-दूसरे से बदलेंगे एवं उसकी जाँच करेंगे।

☞ कार्यपुस्तिका में भी श्रुतलेख संबंधी गतिविधियाँ दी गई हैं, परन्तु पर्याप्त नहीं है। श्रुतलेख पर कार्य नियमित तौर पर किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों में डिकोडिंग कौशल सुदृढ़ हो सके।

☞ शिक्षण योजना में दिए गए सभी चरणों का पालन करते हुए शिक्षक कक्षा-कक्ष के आवश्यकतानुसार शिक्षण प्रक्रिया में आंशिक बदलाव कर सकते हैं।

डिकोडिंग आधारित खेल गतिविधियाँ

सप्ताह 9-25 में प्रत्येक सप्ताह के पाँचवें दिवस में डिकोडिंग आधारित खेल गतिविधियाँ करवाई जाएंगी। डिकोडिंग आधारित खेल गतिविधियों के कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं-

1. यह है मेरा अक्षर

इस खेल में जमीन पर वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर/शब्द पर बच्चे बारी-बारी से कूदते हैं।

- जमीन पर वर्ग सारणी बनाएँ और प्रत्येक खाने में एक अक्षर लिख दें।
- बारी-बारी से किसी बच्चे को वर्ग सारणी में लिखे गए अक्षर पर कूदने के लिए कहें। उदाहरण के लिए आप किसी एक बच्चे को 'ब' पर कूदने को कहें। ये बच्चा 'ब' अक्षर पर कूदे और ऊँची आवाज में बोले 'ब'। इसके बाद बाकी बच्चे बताएँ कि क्या वह सही अक्षर पर कूदा है या नहीं।
- यदि बच्चा गलत अक्षर पर कूदे तो बाकि बच्चे बताएँ कि वह कौन-सा अक्षर है।
- इसी प्रकार, अलग-अलग बच्चों के लिए कोई अक्षर बोलें और बच्चे उस बोले गए अक्षर पर कूदें।

2. मिलकर खोजें

इस गतिविधि में बच्चे विभिन्न प्रकार की किताब, कॉपी, आस-पास की पठन सामग्री इत्यादि में वर्ण/अक्षर खोजते हैं।

- सभी बच्चे गोल घेरे में बैठें। घेरे के बीच में वर्ण/अक्षर की कुछ पर्चियाँ रख दें। प्रत्येक वर्ण/अक्षर की दो-दो पर्चियाँ बनाएँ।
- सभी बच्चे एक-एक पर्ची ले लें और उसे पढ़ें।
- बच्चे एक दूसरे से खोजें कि उनके जैसा वर्ण/अक्षर और किसके पास है। इसके लिए अपनी पर्ची पर लिखे वर्ण/अक्षर को बोल-बोलकर अपने साथी को ढूँढ सकते हैं।
- अपने जोड़ीदार साथी मिलने के बाद बच्चे उस वर्ण/अक्षर को कहानी की किताब, दीवार पर लगे चार्ट, कॉपी इत्यादि में खोजें और शिक्षक को दिखाएँ।

3. मैंने खोज लिया

इस गतिविधि में बच्चे कहानी या कविता में से अक्षर/ शब्द खोज कर लिखते हैं।

- आप कोई वर्ण/अक्षर बोले (जैसे 'क') और बच्चों से कहें कि उन्हें किताब का कोई भी एक पन्ना खोलना है और बताए गए वर्ण/अक्षर को उसी पन्ने में पाँच जगह ढूँढना है। ढूँढे गए वर्ण/अक्षर पर उन्हें पेंसिल से गोला लगाना है। यह करने के लिए उनके पास केवल 1 मिनट का समय होगा।
- जो बच्चे उस वर्ण/अक्षर को खोज लें, वे अपना हाथ ऊपर करें और बोलें- 'मुझ से नहीं छिपा, मैंने 'क' को खोज लिया।'
- इसी प्रकार से अलग-अलग वर्ण/अक्षर बोलें और खेल आगे बढ़ाएँ। इस दौरान शिक्षक कक्षा में घूमते हुए अवलोकन करें और जहाँ जरूरत हो, बच्चों की सहायता करें।

(इस खेल के दौरान आप बच्चों से ढूँढे हुए वर्ण/अक्षर को अपनी कॉपी या चॉक से जमीन पर लिखने के लिए भी कह सकते हैं।)

4. शब्द बनाओ, पढ़कर सुनाओ

इस खेल में बच्चे वर्ण/अक्षर कार्ड के साथ सार्थक/निरर्थक शब्द बनाते व पढ़ते हैं।

- बच्चों को छोटे समूहों में बाँट दें और हर समूह को कम से कम 20-25 वर्ण/अक्षर कार्ड दे दें। हर बच्चे को दो-दो अक्षर कार्ड जोड़कर नए शब्द बनाने और पढ़ने को कहें। उदाहरण के लिए, अगर बच्चे ने दो अक्षर कार्ड जोड़ रखे हैं- 'कि' और 'बा', तो वो उनका बोलकर अभ्यास करें- कि....बा....किबा।
- हर बच्चा जितने हो सके, नए शब्द बनाएँ और पढ़ें।

5. चलो, इस राह पर

इस गतिविधि में बच्चे अक्षरों को पढ़ते हैं एवं अक्षरों से शब्द भी बनाते हैं।

- कुछ अक्षर कार्ड ले लें और उन्हें एक बड़े गोल आकार में रख दें।
- किसी एक बच्चे को उस गोल घेरे के आस-पास चक्कर लगाते हुए अक्षर पढ़ने के लिए कहें। गलती होने पर शिक्षक उसे ठीक करें।
- एक चक्कर पूरा होने के बाद, उसी बच्चे को घेरे के बीच बुलाएँ।
- फिर उसे उन अक्षरों में से कोई 2-3 अक्षर चुनकर शब्द बनाने को कहें। बच्चा चुने हुए अक्षर घेरे से उठाए और उसे बीच में रखते हुए शब्द बनाए। अक्षर जोड़कर शब्द बनाते समय बच्चे से ऊँची आवाज में अक्षर और शब्द बोलने को कहें।
- फिर किसी दूसरे बच्चे को बुलाकर यह प्रक्रिया दोबारा करें। इसी प्रकार खेल आगे बढ़ाएँ।

6. ढूँढ़ो नया शब्द

इस खेल में बच्चे बताए गए शब्द को ग्रिड से ढूँढ़कर लिखते हैं।

- बच्चों को 2-1 की जोड़ी में बैठाएँ और हर जोड़ी को एक अक्षर ग्रिड कार्ड दें।
- फिर कोई भी एक ऐसा शब्द बोलें, जो उस ग्रिड में हो। बच्चों से वह शब्द ढूँढ़ने को कहें।
- जब बच्चे शब्द ढूँढ़ लें तो उनसे शब्द में आ रहे अक्षर/शब्द को ऊँची आवाज़ में बोलने को कहें। उदाहरण के लिए- अगर शब्द है पानी तो बच्चे ऊँची आवाज़ में कहें- /पा/ /नी/ पानी।
- फिर बच्चों से सही शब्द अपनी कॉपी या चाक से ज़मीन पर लिखने को कहें।
- लिखे हुए शब्द को उन्हें फिर से पढ़ने को कहें।

7. मेरे शब्दों की जोड़ी

इस खेल में बच्चे पर्ची में लिखे गए शब्द का मिलान चार्ट में लिखे गए शब्द से करते हैं।

- कुछ शब्दों की एक सारणी चार्ट पेपर पर बनाएँ और उन्हीं शब्दों की छोटी पर्चियाँ भी तैयार कर लें।
- सभी बच्चे एक गोल घेरे में बैठें। चार्ट को सामने दीवार/बोर्ड पर लगा दें और पर्चियों को एक खुले बॉक्स में डालकर बच्चों के बीच रख दें।
- शुरुआत में कोई भी एक बच्चा घेरे के बीच में रखे बॉक्स में से कोई एक पर्ची ले और उस शब्द को लेकर गोले के आसपास एक चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे पर्ची रख दे और उसे छूकर अपनी जगह पर आकर बैठ जाए।
- जिस बच्चे के पीछे पर्ची रखी गई है, वह उसे उठाए, पढ़कर बताए और सारणी में लिखे उस शब्द को खोजें।
- इसके बाद ये बच्चा बॉक्स में से कोई दूसरी पर्ची ले और घेरे के बाहर चक्कर लगाते हुए किसी भी बच्चे के पीछे रख दे।

8. हवा में अलग-अलग तरीके से लिखना

इस गतिविधि में अपने शरीर के अलग-अलग अंगों से हवा में वर्ण/अक्षर लिखते हैं।

- शिक्षक वर्ण (जैसे: न) को पहले कोहनी से हवा में लिखकर दिखाएँ। फिर बच्चों को साथ-साथ ऐसा करने को कहें।
- इसी तरह पूरे हाथ से, सर से, पैर से, घुटने से और अंगुली से 'न' लिखकर दिखाएँ। बच्चे साथ-साथ शिक्षक को देख कर इसी तरह करें।
- अंत में, बच्चों को खुद इन अंगों से हवा में लिखने को कहें।

कालांश-3 में कार्य करने की रणनीतियाँ

- कक्षा-1 में भाषा शिक्षण के तीसरे कालांश में मुख्य रूप से बिग बुक, पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल कार्य किया जाएगा। **सप्ताह 9-14** के दिवस 1-4 में बच्चों के साथ बिग-बुक पर प्रिंट से परिचय, आदर्श वाचन, लोगोग्राफिक पठन, साझा पठन एवं साझा लेखन तथा पाँचवें दिन स्वतंत्र पठन, साथ ही छठे दिन लोगोग्राफिक पठन **(सप्ताह 9-12)** पर कार्य किया जाएगा।
- **सप्ताह 15 से 25** तक पठन अभ्यास, स्वतंत्र पठन एवं रिमीडियल पर कार्य किया जाएगा। पठन अभ्यास की गतिविधियाँ सप्ताह के दिवस 1- 4 में की जाएंगी। प्रत्येक सप्ताह के दिवस 5 में बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन पर कार्य किया जाएगा। प्रत्येक दिन (सप्ताह के शुरुआती पाँच दिन) के तीसरे कालांश के अंतिम 20 मिनट रिमीडियल कार्य के लिए निर्धारित हैं।
- दिवस 6 में आकलन का कार्य तीसरे कालांश में जारी रखा जाएगा।

कालांश तीन में कार्य करने की रणनीति निम्नवत देखी जा सकती है-

कालांश-3

20 मिनट
- **बिग बुक पर कार्य (सप्ताह 9-14)**
- **पठन अभ्यास (सप्ताह 15-25)**
- **स्वतंत्र पठन (सप्ताह 9-25)**

20 मिनट
- **रिमीडियल कार्य** (सप्ताह के दिवस 1-5 में) इस पर कार्य करने की रणनीति आगे के पृष्ठों में दी गई है।

बिग बुक पर कार्य

सप्ताह 9 से 14 तक प्रत्येक सप्ताह में एक बिग बुक पर कार्य प्रस्तावित हैं। इस दौरान सप्ताह के पहले चार दिनों में बिग बुक से पठन कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रिंट से परिचय, आदर्श पठन, लोगोग्राफिक पठन, साझा पठन और साझा लेखन पर कार्य किया जाएगा। दिवसवार बिग बुक पर कार्य करने की योजना का एक उदाहरण यहाँ देखा जा सकता है-

दिवस-1 प्रिंट से परिचय एवं आदर्श वाचन

बिग बुक- **मुर्गी के तीन चूजे।**

- आप बिग बुक का मुख्य पृष्ठ दिखाते हुए, कहानी के शीर्षक के बारे में बच्चों से अनुमान लगवाएँ, जैसे- इस कहानी में कौन- कौन होगा? इस कहानी का क्या नाम हो सकता है? आदि।
- शिक्षक बिग बुक को बच्चों की तरफ करके रखेंगे। बच्चों को यह दिखना चाहिए कि शिक्षक क्या और कैसे पढ़ रहे हैं। फिर बिग बुक के पृष्ठों को पलटते जाए और बच्चों से चित्रों के आधार पर, कहानी का अनुमान लगाने को कहें।
- बच्चों को यह समझने का अवसर दें कि किताब को बायीं से दायीं ओर और ऊपर से नीचे की ओर पढ़ते हैं। बिग बुक का 1-2 बार आदर्श वाचन करें और बच्चों से कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें। अंत में, बच्चों से उनके द्वारा लगाए गए अनुमान पर बातचीत करें।

दिवस-2 आदर्श वाचन और लोगोग्राफ़िक पठन

बिग बुक- **मुर्गी के तीन चूजे।**

- आप कल की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ प्रश्न पूछें और कहानी का दो बार आदर्श वाचन करें।
- एक बार पुनः कहानी पढ़ें, इस बार आप प्रत्येक शब्द पर अंगुली रखते हुए कहानी को पढ़ते जाएं।
- अब आप बच्चों से खुले छोर के प्रश्न पूछें, जैसे- मुर्गी और उसके चूजे को आगे क्या मिला होगा? आदि।
- अंत में, आप कहानी के कुछ मुख्य शब्दों जैसे- मुर्गी, बच्चे, चूजे, खेल आदि को बोर्ड पर लिखकर, लोगोग्राफिक तरीके से पढ़वाएँ। इन शब्दों को चार्ट पर लिखकर, कक्षा की किसी दीवार पर बच्चों के दृष्टि स्तर पर चिपका/लटका दें।

दिवस-3 साझा पठन और लोगोग्राफिक पठन

बिग बुक- **मुर्गी के तीन चूजे।**

- आप पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें, फिर कहानी को एक बार आदर्श रूप से पढ़ें।
- शिक्षक बिग बुक को बच्चों की तरफ करके रखेंगे। बच्चों को यह दिखना चाहिए कि शिक्षक क्या और कैसे पढ़ रहे हैं।
- इसके बाद बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। यह प्रक्रिया दो बार करें।
- साझा पठन में शिक्षक द्वारा पढ़ने के दौरान बच्चे वाक्यों में अपने शब्दों को जोड़ते हुए वाक्य को पूरा करते हैं।
- आप बच्चों से कहानी पर थोड़ी और बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंत में, पिछले दिन आपने जो शब्द बोर्ड पर लिखे थे, उन्हें दोबारा लिखकर बच्चों से पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।

दिवस-4 साझा पठन और साझा लेखन

बिग बुक- **मुर्गी के तीन चूजे।**

- पिछले दिन हुई चर्चा को दोहराते हुए, कुछ बंद छोर के प्रश्न पूछें और फिर बच्चों को अपने साथ-साथ (साझा पठन) कहानी पढ़ने को कहें। आप बच्चों से कहानी पर बातचीत करें और कुछ नए खुले छोर के प्रश्न पूछें।
- आप बोर्ड पर कहानी का शीर्षक लिखें और बच्चों से कहें कि अब हम कहानी को अपने शब्दों में बोर्ड पर लिखेंगे। इसके लिए प्रत्येक बच्चे को कहानी से जुड़ी एक-एक लाइन कहानी के क्रम में जोड़ने को कहें। फिर बच्चों द्वारा कही गई कहानी को आप बोर्ड पर सरल वाक्यों में लिखते जाएं और पढ़ें।

☞ लोगोग्राफिक शब्दों की पहचान के लिए कुछ छोटे खेल और गतिविधियाँ भी करवा सकते हैं। जैसे- बिग बुक से शब्द ढूँढना या आपके द्वारा बोले गए शब्दों को शब्द दीवार पर ढूँढना। (आप 7-8 शब्दों को पहले से पढ़कर शब्द दीवार पर लिख कर रखें, इन शब्दों को साप्ताहिक रूप से बदलते रहें।)

पठन अभ्यास (सप्ताह 15-25)

इस संदर्शिका में पठन अभ्यास के लिए शब्द/वाक्यांश/वाक्य/पठन पर सप्ताह 15-25 तक कार्य किया जाएगा। पाठ बच्चों द्वारा सीख लिए गए वर्णों और अक्षरों का उपयोग करके बनाया गया है। एक पठन अभ्यास के पाठ पर दो दिन कार्य किया जाएगा, उदाहरण के लिए सप्ताह 15 दिवस 1-2 को नीचे दिया गया है-

दिवस-1

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पठन अभ्यास-1 में दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़कर सुनाएँ। सभी बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों पर अंगुली रखकर अनुसरण करने को कहें।
- आप बच्चों को दिए गए शब्दों एवं वाक्यांशों को जोड़ियों/ समूहों में बारी-बारी से पढ़ने को कहें। इस दौरान, आप कक्षा में घूम-घूम कर अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
- पठन अभ्यास के अंत में, कुछ शब्दों पर बातचीत करें, जैसे- इन शब्दों (तबला, पालना, सामना आदि) को उन्होंने सबसे अधिक कहाँ सुना है? कब सुना है? आदि।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर अतिरिक्त सहायता वाले बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करें।

दिवस-2

पठन अभ्यास (15-17 मिनट)

- आप पिछले दिन के पठन अभ्यास 1 के शब्दों एवं वाक्यांशों को आदर्श रूप से दोबारा पढ़ें और बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।
- कुछ बच्चों को सबके सामने पठन अभ्यास के शब्दों एवं वाक्यांशों को पढ़ने को कहें। बाकी बच्चों को अनुसरण करने को कहें। इस दौरान आप बच्चों के पास जाकर पठन अभ्यास का अवलोकन करें। अंत में, आप पाठ पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए समेकन करें।

रिमीडियल कार्य (17-20 मिनट)

- पिछले सप्ताह के आकलन के आधार पर रिमीडियल कार्य करवाएँ। इसके लिए बच्चों के स्तरानुसार वर्ण/अक्षर/ शब्द स्तर की गतिविधियाँ करवाएँ।

स्वतंत्र पठन (सप्ताह 9-25)

बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने आदि के अवसर मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हो सकती हैं। बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

- शुरूआत में ऐसी किताबें बच्चों को देखने के लिए दें, जिनमें अच्छे चित्र हों।
- सभी बच्चों को किताबें देकर देखने व पढ़ने के लिए कहें।
- पढ़ी हुई कहानी पर चर्चा करें कि उन्होंने क्या पढ़ा? क्या अच्छा लगा? आदि।

☞ **रिमीडियल कार्य की विस्तृत योजना भाग (आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य) में दी गई है।**

आकलन एवं दैनिक रिमीडियल कार्य

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण, के उद्देश्य पर आधारित होता है, जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

आकलन के उद्देश्य

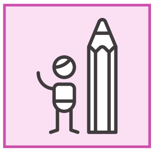

1. बच्चों की प्रगति को जानना

हर बच्चे के सीखने की गति अलग-अलग होती है। कक्षा के किस बच्चे ने क्या सीख लिया और क्या छूट गया है, इसे तय करने में आकलन हमारी सहायता करता है। निश्चित अंतराल में किया गया आकलन व्यवस्थित तौर पर बच्चों के सीखने के स्तरों के विश्लेषण में सहायता करता है।

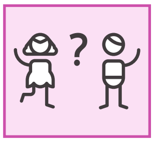

2. सीखने में आ रही कठिनाइयों को जानना

बच्चों की अवधारणाओं को समझने या किसी भी अवधारणा के अनुप्रयोग में आ रही कठिनाइयों को जानने में सतत आकलन बहुत ही प्रभावी होता है। आकलन के दृष्टिकोण से आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न और बच्चों द्वारा किए गए संवाद से सामान्य भूल का पता चलता है।

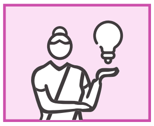

3. बच्चों की सहायता के लिए प्रभावी रणनीतियाँ बनाना

सुनियोजित आकलन शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने का कार्य करता है। यह शिक्षण कार्य की तैयारी एवं योजना बनाने में सहायता करता है और बच्चों की आवश्यकतानुसार उनके लिए प्रभावी रणनीति बनाने में भी मार्गदर्शन करता है।

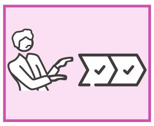

4. आगे की शिक्षण योजना बनाना

आकलन आगे की शिक्षण कार्य योजना के लिए संदर्भ बिंदु की तरह है। आकलन बच्चों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना में बदलाव के विकल्प ढूँढने में सहायता करता है।

आकलन और शिक्षण को एक समग्र और एकीकृत प्रक्रिया के रूप में देखना, अधिगम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है।

- आप यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सीखने के लिए न्यूनतम आवश्यक समय और अभ्यास के उचित अवसर मिलें।
- बच्चों की उपलब्धियों को जाँचते रहें और विश्लेषण के माध्यम से यह देखें कि कितने बच्चे लक्षित स्तर पर हैं और कितने बच्चे लक्षित स्तर से पीछे हैं।
- बच्चों को होने वाली कठिनाइयों को चिन्हित कर, लक्षित स्तर तक लाने के लिए उचित रणनीतियों का निर्धारण करें।
- शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यकतानुसार बदलाव और नई-नई गतिविधियों को योजना में शामिल करें।

आकलन की रणनीति

साप्ताहिक आकलन

- सप्ताह 14 से 25 में डिकोडिंग की दक्षताओं से संबंधित आकलन।

बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा आकलन

- इस अकादमिक वर्ष में न्यूनतम 2 बार निपुण एसेसमेंट टेस्ट (NAT) किया जाएगा।
- NAT निपुण सूची की दक्षताओं एवं अब तक सीखी गई दक्षताओं पर आधारित होगा।

साप्ताहिक शिक्षण कार्य

इस अकादमिक सत्र में सप्ताह 14 से 25 के छठे दिन साप्ताहिक आकलन किया जाना है, जिससे बच्चों को आ रही कठिनाइयों का नियमित रूप से पता चलता रहे।

दिवस 1 → दिवस 2 → दिवस 3 → दिवस 4 → दिवस 5 → दिवस 6

- दिवस 1 से दिवस 4: नई दक्षताओं / शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य एवं रिमीडियल कार्य
- दिवस 5: साप्ताहिक पुनरावृत्ति एवं रिमीडियल कार्य
- दिवस 6: साप्ताहिक आकलन → समूह A, समूह B

दिवस 5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- प्रत्येक सप्ताह के पांचवे दिन साप्ताहिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यह कार्य दूसरे कालांश में किया जाएगा। आप इसके लिए शिक्षण योजना एवं कार्यपुस्तिका को उपयोग में लें।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति में मुख्यतः उस सप्ताह में सिखाई गयी दक्षताओं तथा अब तक सिखाई गई दक्षताओं को सम्मिलित किया जाएगा।

दिवस 6 : साप्ताहिक आकलन

- साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गयी दक्षताओं को जानना और उन बच्चों की पहचान करना है, जो लक्षित दक्षता प्राप्त नहीं कर सके हैं।
- इसके साथ ही उन दक्षताओं को चिह्नित करना, जिनमें कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है। फिर इन दक्षताओं का रिमीडियल कार्य करना।

सप्ताह 14 से 25 में आकलन और रिमीडियल कार्य

सप्ताह 14-25

आकलन के आधार पर आपको बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, बच्चों को सिखाई गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटें :

समूह A : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% से कम अंक पाए हैं। (रिमीडियल कार्य)

समूह B : डिकोडिंग से संबंधित आकलन में जिन बच्चों ने 50% या उससे अधिक अंक पाए हैं। (पुनरावृत्ति)

जब आप समूह **A** के बच्चों के साथ कार्य कर रहे हो तब कक्षा के समूह **B** के बच्चों को उनकी दक्षता के अनुसार स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका और पाठ्यपुस्तक में कार्य करने को दें।

दो समूहों में कार्य

समूह-A
जो बच्चे सीखने को पीछे छूट रहे हैं, उनके साथ रिमीडियल कार्य

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्ण/अक्षर की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्ण/अक्षर को शब्दों में ढूँढकर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- वर्ण/अक्षर को लिखना।

शब्द स्तर का कार्य
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास।

समूह-B
जो बच्चे सीख चुके हैं, उनके साथ पुनरावृत्ति कार्य

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे स्वयं इन गतिविधियों को कर पाए :
- डिकोडिंग।
- कहानी की किताबें/कार्यपुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/वर्ण/अक्षर लिखना।

रिमीडियल शिक्षण में समूहों में कार्य कैसे किया जाएगा, इस पर विस्तृत चर्चा आगे के पृष्ठों में की गई है। इसे अवश्य पढ़ें।

दैनिक रिमीडियल कार्य की रणनीति

'रिमीडियल' एवं उसकी आवश्यकता

अक्सर यह देखा जाता है कि कक्षा के कुछ बच्चे अपनी कक्षा के अनुरूप अपेक्षित कार्य कर पाने में असमर्थ होते हैं। इस असमर्थता के अनेक कारण हो सकते हैं, जैसे- बच्चे का निम्न गति से सीखना, पारिवारिक समस्याएँ, बच्चे का सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की स्थिति, किसी विशेष दिवस में कार्य करने का मन ना होना, शिक्षण प्रक्रिया का रोचक ना होना, कक्षा वातावरण नीरस होना, इत्यादि। जब कोई बच्चा उक्त किसी भी कारण से कक्षावार कौशल एवं दक्षता सीखने में असमर्थ होता है, तब उसे एक विशेष प्रकार के सुनियोजित शिक्षण, गतिविधियों या सहयोग की आवश्यकता होती है, जिससे वह कक्षा में संचालित शिक्षण के बीच की क्षति को पूरा कर सके। इस विशेष सुनियोजित शिक्षण कार्य को ही रिमीडियल कार्य कहा जाता है। एक ही कक्षा के बच्चों में कौशलों एवं सीखने की भिन्नता के कारण अलग-अलग स्तर देखे जा सकते हैं। इन अलग-अलग स्तरों की पहचान साप्ताहिक आकलन **'मैंने सीख लिया'** के आधार पर की जानी है। साप्ताहिक आकलन के माध्यम से कक्षा के बच्चों को दो समूहों में बाँटना प्रस्तावित है :

साप्ताहिक आकलन → समूह A | समूह B

समूह-A में 50 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बच्चे होंगे, जिन्हें आपके अधिक सहयोग की आवश्यकता है।
समूह-B में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चे होंगे, जो आपके निम्नतम सहयोग से अपनी सीख को बेहतर कर सकेंगे।

'रिमीडियल' कार्य कब करवाया जाएगा

साप्ताहिक आकलन से रिमीडियल कार्य की आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान करने के बाद अगले सप्ताह के प्रत्येक दिन (दिवस 1-5) इन बच्चों के साथ रिमीडियल कार्य करवाया जाएगा। इसके लिए भाषा शिक्षण के **तीसरे कालांश में अंतिम 20 मिनट** का समय निर्धारित किया गया है।

कालांश-1 मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन कार्य → **कालांश-2** डिकोडिंग और संबंधित लेखन कार्य → **कालांश-3** पठन अभ्यास और **रिमीडियल कार्य**

समूह-A के साथ रिमीडियल कार्य की योजना

समूह-A अधिक सहायता की आवश्यकता वाले बच्चों का समूह है, जो सामान्यतः वर्ण या शब्द स्तर पर होंगे। इस समूह के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण योजनाएँ बनाकर शिक्षण कार्य करने की आवश्यकता है।

समूह-A की रिमीडियल शिक्षण योजना बनाते समय आपको डिकोडिंग सीखने की प्रक्रिया के मुख्यतः 3 स्तरों को ध्यान में रखना होगा-

वर्ण पहचान → अक्षर (वर्ण-मात्रा) पहचान → अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना

इन तीनों स्तरों पर कार्य करने के लिए हमें नीचे दिए गए क्रम में काम करने की योजना बनाने की आवश्यकता है -

1. वर्ण पहचान → 2. क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण/अक्षर/मात्रा पहचान → 3. अक्षरों को जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग) → 4. अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (शब्द पठन)

ध्यान रखें, बच्चों के डिकोडिंग कौशल के स्तर के अनुसार उपयुक्त चरण का चुनाव किया जाना चाहिए।

चरण 1 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचान नहीं कर पाते, उनके साथ चरण 1 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।

चरण 2 से 4 तक

जो बच्चे वर्ण–पहचानते हैं, पर अक्षर नहीं पहचानते, उनके साथ चरण 2 की गतिविधियों से काम शुरू करें व धीरे–धीरे चरण 4 तक ले जाएँ।
जब बच्चे कुछ अक्षर पहचानने लगें तो आप चरण 4 पर काम शुरू कर सकते हैं।

चरण 3 से 4 तक

जो बच्चे अक्षर पहचानते हैं, पर अक्षर जोड़ कर शब्द नहीं पढ़ पाते, उनके साथ चरण 3 व 4 की गतिविधियों की मदद से काम करें।

चरण 1 : वर्ण पहचान

वर्ण पहचान के लिए पहले बच्चों को मौखिक रूप से अलग-अलग शब्दों को बोलने और प्रथम, मध्य व अंतिम ध्वनि को पहचानने का अवसर दें। फिर ध्वनि को प्रतीक से जोड़ें व उनको अलग-अलग तरीके से प्रतीक को पहचानने और लिखने के अवसर दें। हम यहाँ वर्ण पहचान के सभी चरणों पर विस्तार से बात नहीं कर रहे हैं, इसके लिए आप इस संदर्शिका में दिए गए चरणों के अनुसार देखकर कार्य करवाएँ।

चरण 2 : क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान

क्रमिक और अनुक्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान पर कार्य करने की रणनीतियाँ नीचे दी गई हैं'

2A. क्रमिक ग्रिड से वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान

इस तरह की क्रमिक ग्रिड के साथ वर्ण / अक्षर / मात्रा पहचान का काम करवाएँ -

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने को कहें और आप स्वनिर्मित ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड दें। आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली या कंकड़ रखें।

क्रमिक ग्रिड

म	मा
स	सा
ह	हा
ज	जा

अक्षरों पर काम करते समय ध्यान रखें -

✓

✗

2B. अनुक्रमिक ग्रिड से अक्षर पहचान

क्रमिक ग्रिड पर अभ्यास के बाद वैसा ही अभ्यास स्वनिर्मित अनुक्रमिक ग्रिड के साथ करवाएँ।

- बच्चों से कुछ अक्षर बोलने के लिए कहें और आप ग्रिड में सही अक्षर पर अंगुली रखकर दिखाएँ।
- बच्चों को छोटे समूह में ग्रिड या अक्षर कार्ड बनाकर दें। फिर आप अक्षर बोलें और बच्चों से कहें कि वे सही अक्षर पर अंगुली रखें।

अनुक्रमिक ग्रिड

न	मा	की	या
च	फ	ला	ठ
टा	गा	ब	इ
घ	त	ह	रा

चरण 3 : अक्षरों को जोड़कर एक साथ उच्चारित करना (ब्लेंडिंग)

बच्चे कुछ अक्षरों को पहचानने लगें तो उनके साथ ब्लेंडिंग का अभ्यास शुरू कर दें -

- आप परिचित अक्षरों की स्वनिर्मित ग्रिड पर दाएँ से बाएँ व ऊपर से नीचे दो-दो अक्षरों पर गोला लगाते हुए एक साथ तेजी से बोलें व बच्चों को अपने साथ बोलने के लिए कहें।
- क्योंकि यहाँ ध्यान अक्षरों को एक साथ बोलने पर है, इसलिए ये शब्द अर्थपूर्ण भी हो सकते हैं व अर्थहीन भी। जैसे कि लाब, माली, मीक, कमा, बमी, बाबा, लामा आदि।
- अक्षरों को जोड़कर एक साथ बोलने का अभ्यास स्वनिर्मित अक्षर कार्ड के साथ व बोर्ड/नोटबुक पर लिखकर भी करें। अक्षर कार्ड के जोड़ें दिखाएँ या बोर्ड/नोटबुक पर लिखें व एक साथ जोड़कर तेजी से बोलें व बच्चों से भी बोलने को कहें। फिर आप 2-3 अक्षरों के जोड़े एक साथ लिखें व बच्चों को उन्हें तेजी से एक साथ जोड़कर बोलने के लिए कहें।

चरण 4 : अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाना (शब्द पठन)

बच्चे ब्लेंड करने में सहज हो जाएँ तो उन्हें स्वयं शब्द बनाने व शब्दों को पढ़ने, लिखने के ज्यादा से ज्यादा मौके दें। आप सरल ग्रिड से शुरू करते हुए ऐसी ग्रिड की तरफ बढ़ें, जिनसे 3-5 अक्षरों के विभिन्न अर्थपूर्ण शब्द बन पाएँ। बच्चों को अपने मार्गदर्शन में व स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए दें।

अक्षर कार्ड

के	रा

समूह-B के साथ स्वतंत्र कार्य योजना

साप्ताहिक आकलन के आधार पर समूह-B के बच्चे पिछले आकलन तक सिखाए गए वर्ण और मात्राओं को पहचानकर उनसे बनने वाले शब्दों को भी पढ़ पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण की आवश्यकता नहीं है, किन्तु उन्हें सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहने के लिए कुछ गतिविधियों पर कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

समूह-B के बच्चों के साथ रिमीडियल शिक्षण कार्य के समय में निम्न गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से करने को कहें-

शब्द लेखन

बच्चों के लिए किसी थीम का नाम बोर्ड/नोटबुक पर लिख दें, जैसे- रसोई, फल, फूल, खेल आदि और उस थीम से जुड़े अधिकतम शब्दों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें।

ग्रिड से वर्ण/अक्षरों से शब्द बनाना

अब तक सिखाए गए वर्णों और मात्राओं को ग्रिड में बोर्ड पर लिख दें और बच्चों को उन वर्णों और मात्राओं से मिलकर बनने वाले शब्दों को लिखने को कहें।

अनुच्छेद लिखने का प्रयास करना

बच्चों के लिए बोर्ड/नोटबुक पर अनुच्छेद लेखन के लिए लिखें, जैसे- साफ-सफाई, मेरे पसंदीदा खेल, मेला, पानी की बचत आदि और बच्चों से इनके छोटे-छोटे अनुच्छेद लिखने को कहें। अनुच्छेद के स्थान पर पहले सिर्फ चित्र और अगले चरण में अनुच्छेद के साथ चित्र भी बनाने के लिए कहें।

शब्द से वाक्य बनाना

कुछ शब्दों को बोर्ड पर लिखें और बच्चों से उन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाकर लिखने को कहें। अगले चरण में एक से अधिक शब्द तथा किन्हीं दो शब्दों के उपयोग से एक वाक्य लिखने को कहें।

शब्द से प्रश्न बनाना

बच्चों के लिए कुछ प्रश्नवाचक शब्द बोर्ड पर लिख दें, जैसे- कब, क्यों, कैसे, कहाँ आदि। फिर प्रत्येक से 1-2 प्रश्न बनाने को कहें।

शब्द अन्ताक्षरी को आगे बढ़ाना

कोई एक शब्द बच्चों के लिए बोर्ड पर लिखकर दें और उसके अंतिम वर्ण से नया शब्द बनाकर बच्चों को अपनी नोटबुक में लिखने को कहें। बच्चों से इस प्रक्रिया को दोहराते हुए जारी रखने को कहें।

समूह B के कार्य का अवलोकन एवं जाँच करें तथा आवश्यकतानुसार फीडबैक दें।

मौखिक भाषा विकास का आकलन

डिकोडिंग/पढ़कर समझने की प्रक्रिया की तुलना में मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का आकलन करना थोड़ा जटिल कार्य है। डिकोडिंग/पढ़कर समझने की प्रक्रियाओं में वर्णों/अक्षरों की पहचान, शब्द/वाक्यांश/वाक्य/पाठ पठन को आसानी से आकलित किया जा सकता है क्योंकि इसमें भाषा की संरचात्मक पहलुओं की जांच ज्यादा होती है। मौखिक भाषा विकास में मुख्य रूप से कल्पना करना, अनुमान लगाना, विश्लेषण आदि पर अपने विचार साझा करने की दक्षताओं का आकलन किया जाता है। ये सभी दक्षताएँ बजाय संरचनात्मक होने के रचनात्मकता या गुणात्मकता ज्यादा हैं। रचनात्मक या गुणात्मक चीजों के आकलन के लिए हमारे पास एक सशक्त आकलन टूल/निर्देश का होना अति आवश्यक है।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु आवश्यक परिस्थितियाँ

मौखिक भाषा विकास का प्रभावी आकलन तभी किया जा सकता है, जब बच्चों को वैसी परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जाएँ, जिनमे वे मुखर तरीके से अपने विचारों को व्यक्त कर सकें। आवश्यक परिस्थितियाँ कैसे बनाई जा सकती हैं, इसके लिए नीचे दिए गए प्रमुख बिन्दुओं को देखा जा सकता है -

- बच्चों एवं शिक्षकों के मध्य सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण होने चाहिए, ताकि बच्चे बेझिझक अपने विचार को कक्षा में रख सकें।
- बच्चों को उनके घर की भाषा में संवाद करने के पर्याप्त अवसर दिए जाएं।
- मौखिक भाषा के विकास की दक्षताओं का अवलोकन बेहतर तरीके से किया जा सके। इसके लिए हमें शिक्षण योजनाओं के अनुसार कार्य करना होगा।
- एक शिक्षक के रूप में आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बच्चे स्वतंत्र रूप से, जोड़ियों/समूहों में अधिक से अधिक बोलें (प्रत्येक गतिविधि में न्यूनतम 2 बार तो अवसर हर बच्चे को देना होगा)।
- पहले और दूसरे कालांश में चर्चाओं के दौरान जब भी खुले छोर के प्रश्न कक्षा-कक्ष में पूछे जाएं, तो एक शिक्षक के रूप में आपको सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे पूरे-पूरे वाक्यों में ही उत्तर दें।
- बच्चों को खुले छोर के प्रश्नों के जवाब देने के दौरान, कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के दौरान अथवा अनुभव आदि साझा करने के दौरान पूरे-पूरे वाक्यों में उत्तर/विचार रखने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।
- अगर कक्षा-कक्ष की शिक्षण प्रक्रियाओं के दौरान अगर कोई बच्चा अपने विचार रखने में झिझकता है, तो उसे उसके विचार रखने हेतु प्रोत्साहित करें।

मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन की प्रक्रियाएँ

मौखिक भाषा विकास के आकलन में हमें सतत रूप से बच्चों को अवलोकित करते रहना होगा, ताकि हम अपने अनुभवों के आधार पर उनका अवलोकन करके कोई निष्कर्ष निकाल सकें और आवश्यकतानुसार बच्चों की समय से सहायता भी कर सकें। बेहतर तरीके से मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आकलन हेतु जो प्रक्रियाएं की जानी चाहिएं, उनका विवरण नीचे देखा जा सकता है -

- प्रत्येक बच्चे का प्रति सप्ताह कम से कम 2 बार मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के आधार पर अवलोकन अवश्य किया जाए।
- किसी बच्चे का 2 बार अवलोकन करने के बाद ही आकलन ट्रैकर में मौखिक भाषा विकास सम्बन्धी परिणाम भरे जाएँ।
- जब बच्चे स्वतंत्र रूप/जोड़ियों में बात कर रहे हों, तभी मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का अवलोकन किया जाए। वैसे बेहतर तो यही होगा कि जब बच्चे स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर रहे हों, तो उस समय के अवलोकन को प्राथमिकता दी जाए।

बच्चों के मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का आकलन

- बच्चों के मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं का आकलन तभी पूर्ण मानें, जब वे पूरे-पूरे वाक्यों में अपनी बात रखते हों (वाक्यों की सीमा प्रत्येक कक्षा में सप्ताहवार अलग-अलग है और आकलन ट्रैकर में स्पष्ट रूप से वर्णित है)।
- कक्षा-1 की शुरुआत में बच्चे कुछ शब्दों में अपनी बात रखने में सक्षम होंगे। अकादमिक सत्र के अंत तक आते-आते वे 1-2 वाक्यों में अपनी बात रख पाएंगे।
- बच्चे जो भी विचार रखें, वह संदर्भ/विषय से जुड़ा हो और उनमें तारतम्यता/क्रमबद्धता होनी चाहिए, जैसे- अगर मेले पर अनुभव सुना रहे हों तो मेले की विषयवस्तु पर ही बात रखें, क्रमवार रखें, जैसे- मुझे मेला अच्छा लगता है, मैं .... मेले में गया, वहां खूब खिलौने... खरीदे.. आदि।
- बच्चों के बोले गए वाक्य, व्याकरण की दृष्टिकोण से भी सही होने चाहिएं, जैसे- लिंग, वचन, सर्वनाम, काल आदि का समुचित प्रयोग। कक्षा-1 के बच्चों को यहां तक आने में थोड़ा समय लगेगा।

बहुकक्षीय शिक्षण

एस.सी.एफ. 2023 के खंड 3.1 में बहुकक्षीय शिक्षण को वास्तविकता मानते हुए उसके बेहतर क्रियान्वयन संबंधित कुछ सुझाव दिए गए हैं। इन्हीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए यहां भाषा की बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक नमूना नीचे दिया गया है।

बहुकक्षीय शिक्षण के आवश्यक पहलू

बहुकक्षीय शिक्षण को यदि सुनियोजित व सुव्यवस्थित ढंग से लागू करने की योजना बनाई जाए तो शिक्षण प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सकता है। बहुकक्षीय शिक्षण के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना आवश्यक है -

1. **कक्षा की बैठक व्यवस्था :** यदि किसी विद्यालय में एक ही कक्ष में दो या दो से अधिक कक्षाएँ बैठी हैं तो वहाँ बच्चों को अलग-अलग कक्षावार समूहों में बैठाकर शिक्षण कार्य किया जाना चाहिए।
2. **बहुकक्षीय शिक्षण योजना :** सभी बच्चे अपनी कक्षा अनुरूप दक्षताएँ प्राप्त कर सकें, इसके लिए प्रभावी शिक्षण योजना का निर्माण किया जाना चाहिए।

उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था का एक उदाहरण नीचे देखा जा सकता है।

बहुकक्षीय शिक्षण की रणनीति (उदहारण : कक्षा 1 व 2)

कक्षा 1 व 2 दोनों के लिए विभाग द्वारा शिक्षक संदर्शिकाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिसमें दोनों कक्षाओं के लिए शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। बहुकक्षीय शिक्षण व्यवस्था में शिक्षक संदर्शिका में दी गई शिक्षण योजनाओं का कक्षा में संचालन कर पाना एक कठिन कार्य हो सकता है।

आइए, एक उदाहरण के माध्यम से देखें कि हम कैसे स्वयं को बहुकक्षीय शिक्षण के लिए तैयार कर सकते हैं और बच्चों के साथ इस स्थिति में एक बेहतर शिक्षण योजना के साथ शिक्षण कार्य कर सकते हैं। नीचे एक ऐसी परिस्थिति की परिकल्पना की जा रही है, जहाँ कक्षा 1 व 2 के बच्चे एक साथ बैठे हैं। आइए, इसे कालांशवार समझते हैं-

पहले कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-1 : मौखिक भाषा विकास एवं पाठ्यपुस्तक पर कार्य

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 व 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ कविता/गीत/खेल गतिविधि करवाएँ। ऐसी गतिविधियाँ शिक्षक और बच्चों के बीच आत्मीय जुड़ाव के साथ कक्षा के शिक्षण माहौल को भी सहज बनती हैं।

☞ शिक्षक प्रक्रिया के दौरान बच्चों को अपने घर की भाषा में प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 व 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

- दोनों कक्षाओं के बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधि करवाएँ, जैसे- चित्र चार्ट पर कार्य, कविता/ कहानी पोस्टर, अनुभव पर चर्चा आदि गतिविधियों से संबंधित चर्चा का स्तर आप दिवसवार बदल सकते हैं, जैसे- कभी चर्चा का स्तर कक्षा'1 का हो सकता है और कभी कक्षा-2 के स्तर का भी हो सकता है।
- इस दौरान आप अधिक से अधिक खुले छोर के प्रश्न पूछें, जिनसे बच्चों में तर्क करने, कल्पना करने, सोचने आदि के कौशल विकसित हो सकें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

कक्षा 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को मौखिक भाषा विकास की गतिविधि से संबंधित लेखन अभ्यास कार्य स्वतंत्र रूप से करने को कहें।
- कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों/समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा 2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तक के पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें।
- फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें। इस दौरान आप कक्षा में घूम-घूमकर बच्चों के पठन अभ्यास का अवलोकन करें और आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।

दूसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-2 : वर्ण पहचान एवं पढ़कर समझने पर कार्य

(10-15 मिनट)	(10-15 मिनट)	(7-10 मिनट)
कक्षा 1 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 1 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 1 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण
कक्षा 2 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 2 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ वर्ण/मात्रा पहचान की गतिविधियों एवं कार्यपुस्तिका की गतिविधियों को बोर्ड पर उदाहरण के साथ समझाएँ। फिर कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।
- बच्चों को अलग-अलग प्रकार से वर्ण लेखन अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे- रेत, जमीन, हवा आदि।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कालांश 1 में दिए गए पठन एवं लेखन कार्य को जारी रखने को कहें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को अपना लेखन कार्य साझा करने को कहें।

(10-15 मिनट)

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को स्वतंत्र रूप से कार्यपुस्तिका में कार्य करने को कहें।
- लेखन कार्य पूरा कर लेने के बाद बच्चे जोड़ियों/समूह में अपने लेखन कार्य को एक दूसरे के साथ साझा करेंगे।

कक्षा 2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के लिए कार्यपुस्तिका के स्तरित पाठ का आदर्श पठन हाव-भाव के साथ करें। फिर जोड़ियों/समूह में बच्चों को बारी-बारी से पाठ पढ़ने को कहें।

☞ आप बच्चों द्वारा कार्यपुस्तिका में किए गए कार्य पर व्यक्तिगत रूप से फीडबैक दें और सही लिखकर बताएँ।

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को सुनकर लिखने के लिए वर्ण/अक्षर/शब्द/वाक्य बोलें और लिखने को कहें।
- सुनकर लिखें गतिविधि पर कार्य करें और बच्चों की आवश्यकतानुसार सहायता करें। फिर बच्चों को अपना लेखन कार्य स्वयं जाँचने को कहें।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से पाठ पढ़ने कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास कार्य करने को कहें।

तीसरे कालांश में कार्य की रणनीति

कालांश-3 : पठन अभ्यास एवं रिमीडियल शिक्षण कार्य

(7-10 मिनट)	(7-10 मिनट)	(20 मिनट)
कक्षा 1 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	कक्षा 1 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	समूह A, समूह B — रिमीडियल शिक्षण कार्य
कक्षा 2 — बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य	कक्षा 2 — शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण	

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों के साथ बिगबुक/कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास कार्य करवाएँ।

कक्षा 2 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को कार्यपुस्तिका में दिए गए पठन अभ्यास स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। इस दौरान आप बच्चों को पढ़ने में एक-दूसरे की सहायता करने को कहें।

(7-10 मिनट)

कक्षा 1 (बच्चों द्वारा स्वतंत्र कार्य)

- आप बच्चों को पढ़े गए पठन अभ्यास/बिगबुक की कहानी को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। फिर बच्चों को जोड़ियों/समूह में पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में बारी- बारी से सुनाने को कहें।

कक्षा 2 (शिक्षक के मार्गदर्शन में शिक्षण)

- आप बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से कार्यपुस्तिका से पठन अभ्यास/ प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास पढ़ने को कहें।

(20 मिनट)

समूह A (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह A के बच्चों के साथ 'रिमीडियल शिक्षण' पर कार्य करें।

समूह B (दोनों कक्षाओं के बच्चे)

- समूह B के बच्चों को जोड़ियों/समूह में बारी-बारी से उस सप्ताह के दिवस 3 व 5 में दिए पाठ के साथ अब तक उपयोग किए गए पठन अभ्यास के पाठों को पढ़ने को कहें।
- आप बच्चों की पसंद एवं रूचि के अनुसार पुस्तकालय की पुस्तकें पढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें।

☞ बहुकक्षीय शिक्षण के दौरान प्रयास यह रहे कि दोनों कक्षाओं के बच्चों को सक्रिय रूप से गतिविधियों में प्रतिभाग करने के अवसर मिलें।

कहानियाँ

1.मेरे दोस्त

मेरे बहुत सारे दोस्त हैं। मेरे कुछ दोस्त मुझसे बड़े हैं और कुछ दोस्त छोटे हैं। मेरे कई दोस्त बूढ़े भी हैं और कुछ नन्हें-मुन्ने भी हैं। मेरे कुछ दोस्त हैं, जिनकी पूँछ है। मेरे कुछ दोस्त उड़ते हैं और कुछ दोस्त तैरते भी हैं। ओह**!** हो **!** किताबें भी तो मेरी दोस्त हैं। लेकिन, मेरा सबसे अच्छा दोस्त कौन है? मेरी माँ**!!!**

साभार- रूक्मिणी बॅनर्जी, (प्रथम)

2. जंगल का राजा

एक शेर था। वह सबसे पूछता- "जंगल का राजा कौन?" सब कहते- "आप ही हो भाई।" उसने खरगोश से पूछा। खरगोश बोला- ''आप ही हो भाई।'' शेर आगे चला तो चीता मिला। शेर ने पूछा- ''जंगल का राजा कौन?'' चीता बोला- ''आप ही हो भाई।'' शेर आगे चला तो हाथी मिला। शेर ने पूछा- ''जंगल का राजा कौन?'' हाथी ने नहीं सुना। शेर फिर से बोला- ''जंगल का राजा कौन?'' हाथी ने फिर नहीं सुना। शेर दहाड़ा। हाथी को गुस्सा आ गया। हाथी ने शेर को एक बार सूंड से मारा। दो बार मारा। जब तीसरी बार मारा तो शेर बोला- ''अरे भाई बताओ या मत बताओ, मारते क्यों हो?'' फिर शेर भाग गया।

साभार- सेव द चिल्ड्रन

3. शेर और गीदड़

एक भूखा शेर था। वह शिकार के लिए निकला। उसे गीदड़ की गुफा दिखाई दी। वह उस गुफा में जाकर बैठ गया। शाम को गीदड़ वहां आया। उसने गुफा के बाहर पैरों के निशान देखे। उसने सोचा- ''गुफा में कोई बड़ा जानवर है।'' उसे एक तरकीब सूझी। उसने आवाज लगायी- ''गुफा, अरी ओ मेरी गुफा।'' गुफा नहीं बोली। गीदड़ ने फिर आवाज लगायी- ''गुफा, ओ मेरी गुफा। आज तू क्यों नहीं बोलती। तू नहीं बोली, तो मैं चला जाऊंगा।'' शेर ने सोचा- ''गुफा बोलती होगी। आज मुझसे डर रही है।'' वह बोला- ''आओ मेरे दोस्त, तुम्हारा स्वागत है।'' शेर की आवाज सुनते ही गीदड़ भाग गया।

साभार- सेव द चिल्ड्रन

4. सेठ और चोर

एक सेठ और एक सेठानी थे। एक दिन चोरों ने सोचा- "सेठ के घर में चोरी करनी चाहिए।" रात में चोर आये। सेठ को पता चल गया। सेठ बोला- "सेठानी आपने पैसे कहां रखे हैं?" सेठानी बोली- "पेड़ पर रख दिये हैं।" चोरों ने ये बात सुनी। सुनकर वे पेड़ पर चढ़ गये। पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता लगा था। चोरों ने मधुमक्खी के छत्ते को पोटली समझा। चोरों ने छत्ते पर हाथ मारा। हाथ डालते ही मधुमक्खियों ने चोरों को काट लिया। चोर जोर-जोर से चिल्लाने लगे। वे गिरते-पड़ते वहां से भाग गए।

साभार- सेव द चिल्ड्रन

5. चिड़ा और चिड़िया

एक पेड़ पर एक चिड़ा और एक चिड़िया रहते थे। एक बार उनके मन में दावत खाने की बात आई। उन्होंने आपस में तय किया कि कौन क्या करेगा? चिड़ा कहीं से चावल तथा चिड़िया कहीं से मूँग की दाल ले आई। दोनों ने मिलकर चावल और मूँग दाल को इकट्ठा किया। चिड़ा ने चूल्हा जलाया और चिड़िया ने चूल्हे पर खिचड़ी पकाई। दोनों खिचड़ी खाने लगे, लेकिन खाते-खाते दोनों में झगड़ा हो गया। कहीं दूर से एक बिल्ली खिचड़ी खाने का अवसर ढूंढ रही थी। जब दोनो लड़ रहे थे, तभी बिल्ली ने झपट्टा मारा और उनका खाना खा लिया। दोनो देखते ही रह गए। उन्होंने सोचा कि अब हम आपस में कभी नहीं लड़ेंगे।

साभार- मुकेश श्रीवास्तव (केयर इंडिया)

6. चिड़िया

एक चिड़िया थी। एक दिन वह तालाब में पानी पीने गई। वह पानी में गिर गई। तभी वहां एक बिल्ली आई। चिड़िया बोली- बहन, मुझे यहां से निकालो। बिल्ली बोली- निकाल तो दूंगी, लेकिन मैं तुझे खाऊंगी। चिड़िया बोली- पहले मुझे निकाल, सुखा और फिर खा लेना। बिल्ली ने उसे पानी से निकाला। सूखने के लिए मैदान में रख दिया। बिल्ली पंख सूखने का इंतजार करने लगी। पंख सूखते ही चिड़िया उड़ गई। बिल्ली देखती रह गई। **साभार-** सेव द चिल्ड्रन

7. साँप ने सोचा

एक दिन एक साँप इधर-उधर घूमने निकला। साँप के सामने से एक लड़की आ रही थी। साँप ने सोचा- मेरे पास ज़हर है। लेकिन इस लड़की को काटूँ या नहीं! फिर साँप ने सोचा, यह लड़की मेरी तरफ आ रही है। तब तो आखिर इसको काटना ही पड़ेगा। लेकिन एक बात है, जब इसको मैं काटूँगा, तो यह चिल्ला पड़ेगी। चिल्लाने की आवाज सुनकर लोग दौड़कर आ जाएगे और मेरी जमकर सुताई कर देंगे। इससे अच्छा मुझे ही इस रास्ते को छोड़कर खिसक लेना चाहिए और साँप दूसरा रास्ता पकड़कर चलता बना। **साभार-** अशोक हुसैन (एकलव्य)

8. न भूत लगा, न प्रेत

एक बार की बात है। किसी कारण से मैंने ज़्यादा बोलना छोड़ दिया था। मेरी दीदी ने कहा कि तुझे कुछ हो गया है। मेरी दीदी मुझे लेकर एक ओझा के पास गई। ओझा ने अपनी मंत्रों की पोथी खोली और उसमें सवा पाँच रूपया रखने के लिए कहा। मेरी दीदी ने पोथी पर रूपए रख दिए। उसने कुछ मंत्र पढ़े और मुझे दो लड्डू देते हुए बोले कि जाओ, इन्हें बिना किसी से बोले, किसी एकांत जगह पर फेंक दो। यदि इनको किसी ने खा लिया, तो उस पर प्रेत अपना प्रभाव डालेगा। मैंने एकांत में जाकर सोचा कि देखें भूत मुझ पर कैसे प्रभाव डालता है। मैंने वे लड्डू खा लिए और दोस्तों से गपशप लगाकर घर आ गया। लेकिन मुझ पर आज तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा। **साभार-** नाहरसिंह पंथाल (एकलव्य)

9. तीन दोस्त

बात पुरानी है। तीन ही रंग थे- लाल, पीला और नीला। लाल रहता था, हर लज़ीज़ वस्तु में, जैसे- टमाटर, सेब, चेरी और आलूबुखारे। पीले ने बनाया था सूरज को चमकदार, जो मुस्कुराकर देता था रोशनी लगातार... नीला था आसमान और नीला था समुन्दर, पेड़ों से टपकती बारिश भी नीली ही थी।

एक दिन उन्होंने कहा, ''हमें और दोस्त चाहिए। चलो नए दोस्त बनाएँ।'' और वे निकल पड़े दोस्तों की तलाश में। और देखो क्या हुआ!

लाल और पीला साथ चले तो एक नया दोस्त मिला- नारंगी।

पीले और नीले ने हाथ मिलाया तो एक नया दोस्त मिला- हरा।

लाल और नीले के पास आते ही एक नया दोस्त मिला- बैंगनी।

और इस तरह उन्होंने दुनिया को बना दिया दोस्ताना और रंगीन।

साभार- इंदु हरिकुमार (एकलव्य)

10. आलू, मालू और कालू

मालू आज पहली बार बगीचे से सब्ज़ी तोड़ने गया। मालू ने तोड़े लाल टमाटर, लम्बे बैंगन और हरी-भरी भिण्डी। दादी ने कहा, "शाबाश मालू! जाओ थोड़े आलू भी ले आओ।"

मालू ने सारे पेड़, बेलें और पौधे देखे। आलू कहीं दिखाई नहीं दिये।

'दादी, आलू अभी उगे नहीं।' मालू ने खाली टोकरी रख दी। "नहीं मालू, बहुत आलू उग रहे हैं, ध्यान से देखो।" दादी ने समझाया। मालू फिर गया बगीचे में। पीछे-पीछे कालू भी चल पड़ा। मालू, आलू खोज रहा था कि उसे सुनाई दिया, "भौं, भौं, भौं।" "ओ हो! रूक-रूक कालू," मालू दौड़ा। "बगीचा खराब मत कर।" मालू ने देखा, कालू ने गड्ढा खोदा हुआ था। खुदी मिट्टी में मोटे-मोटे आलू ! "वाह कालू! ढूँढ निकाले आलू, टोकरी भर कर बोला मालू। **साभार-** विनीता कृष्णा (प्रथम)

कविताएँ

ये बालगीत और कविताएँ अलग-अलग स्रोतों से ली गई हैं। हम उन सभी लेखकों/प्रकाशकों का आभार व्यक्त करते हैं, जिनकी कविताएँ इस संग्रह में शामिल की गई हैं। इनका उपयोग कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्माण में कर सकते हैं।

मुर्गी माँ

मुर्गी माँ घर से निकली,
झोला ले बाज़ार चली।
बच्चे बोले चें चें चें,
अम्मा हम भी साथ चलें।

– निरंकार देव सेवक

नन्हा खरगोश

छोटा–सा नन्हा खरगोश,
देखो, देखो, उसका जोश।
धूप तापता दौड़ लगाता,
फिर झट झाड़ी में घुस जाता।

तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
तुम हो चंचल, बड़ी सयानी।
डाल–डाल पे झूमती हो,
फूल–फूल को चूमती हो,
इतनी मस्ती में मत आओ,
इन पंखों पर मत इतराओ।

हाथी

हाथी राजा बहुत भले
सूँड हिलाते कहाँ चले?
कान हिलाते कहाँ चले?
मेरे घर आ जाओ ना,
हलवा पूरी खाओ ना।

साभार : बिल्ली बोले म्याऊँ (एकलव्य)

अद्दक–बद्दक

अद्दक–बद्दक चंपा,
उसमें गला घंटा।
बारह बजे की छुट्टी में
बारह मिट्ठू बैठे थे।
एक मिट्ठू कच्चा,
वही रंग का पक्का।

साभार : बैठ घोड़ा पानी पी (एकलव्य)

कोयल रानी

कोयल रानी, कोयल रानी
कहाँ मिली यह मीठी बानी?
किसी नदी ने दावत में क्या
तुझे पिलाया शक्कर पानी?

– शंकुतला सिरोठिया

ग्रिड-1

क	का
र	रा
न	ना
म	मा

* सप्ताह 11 दिवस 1 से उपयोग हेतु

ग्रिड-2

स	सा
र	रा
त	ता
म	मा

* सप्ताह 12 दिवस 3 से उपयोग हेतु

ग्रिड-3

सा	रा	मा	ता
प	ना	रा	त
पा	पा	ल	क
दा	ना	ता	ला

* सप्ताह 14 दिवस 5 से उपयोग हेतु

ग्रिड-4

ल	ली
प	पी
द	दी
त	ती

स	सी
ब	बी
क	की
न	नी

* सप्ताह 15 दिवस 1 से उपयोग हेतु

ग्रिड-5

बा	घ	र	स
ग	ह	रा	त
ती	न	क	ली
अ	चा	र	ही
गी	त	क	ली

* सप्ताह 17 दिवस 1 से उपयोग हेतु

ग्रिड-6

अ	के	ला	ल
क	रे	ला	ते
से	ब	क	रे
आ	ग	ले	ना
म	हु	आ	ते

* सप्ताह 17 दिवस 3 से उपयोग हेतु

ग्रिड-7

ते	ज	मी	ल
मे	घा	स	ब
जे	ब	स	दा
चा	रा	गा	य
ध	के	ला	ज

* सप्ताह 19 दिवस 1 से उपयोग हेतु

ग्रिड-8

ब	बो
ज	जो
य	यो
ध	धो
घ	घो

त	तो
ह	हो
ट	टो
च	चो
प	पो

* सप्ताह 19 दिवस 5 से उपयोग हेतु

ग्रिड-9

रे	खा	ला	ई
छा	ता	जा	ली
दो	नो	क	मी
ए	क	ता	ला
हा	थ	का	न

* सप्ताह 21 दिवस 5 से उपयोग हेतु

ग्रिड-10

थ	थु
ख	खु
ल	लु
ध	धु
छ	छु

क	कु
ह	हु
ट	टु
घ	घु
प	पु

* सप्ताह 22 दिवस 2 से उपयोग हेतु

ग्रिड-11

झू	ला	ठी	क
का	जू	ता	खा
ना	खू	न	बी
ओ	ठ	ठे	ला
त	रा	जू	ही

* सप्ताह 23 दिवस 2 से उपयोग हेतु

ग्रिड-12

फू	टा	पू	ड़ी
ता	ऊ	प	र
ह	वा	यु	वा
बी	स	मो	सा
दु	का	न	दी

* सप्ताह 23 दिवस 5 से उपयोग हेतु

ग्रिड-13

फ	फि
ज	जि
श	शि
ढ	ढि
थ	थि

च	चि
घ	घि
भ	भि
ब	बि
ड़	ड़ि

* सप्ताह 25 दिवस 3 से उपयोग हेतु

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

साप्ताहिक ट्रैकर भरने हेतु निर्देश-

1. इस ट्रैकर में शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों की प्रगति साप्ताहिक रूप से भरा जाना अनिवार्य है।
2. तीनों कालांशों की शिक्षण योजना को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सप्ताह में तीन दक्षताएँ दी गई हैं।
3. यदि बच्चा सप्ताह की निर्धारित दक्षता (डिकोडिंग कौशल) में 50% से अधिक लाता है, अर्थात् समूह-B में हो तो उसके आगे '1' अंक लिखें अन्यथा '–' लगा दें।
4. मौखिक भाषा विकास की दक्षताओं के लिए बच्चे द्वारा सप्ताह में किए गए आपके **अवलोकन** के आधार पर ('1' या '–') दर्ज करें। (इसके लिए मौखिक भाषा विकास के आकलन का पृष्ठ देखें।)
5. जिन बच्चों का आकलन नहीं हुआ है, उनकी जगह खाली रखेंगे।
6. बच्चों के द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर समूह निर्धारण एवं रिमीडियल कार्य किया जाएगा।
7. सप्ताह 13 और 20 में आकलन ट्रैकर NAT के आधार पर भरा जाएगा।

साप्ताहिक आकलन		Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 13	अपनी आवश्यकताओं, परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में कुछ शब्दों/1 वाक्य में बातचीत करना।																														
	कविताओं/गीतों को हाव-भाव के साथ सुनाना।																														
	किसी शब्द से संबंधित तुकांत शब्द बना लेना और पहली ध्वनि को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर पहचानना और सुनकर लिखना।																														
सप्ताह 14	चित्र चार्ट/कविता पोस्टर/सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों/1 वाक्य में रखना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 15	कहानी पोस्टर/सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों/1 वाक्य में रखना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 16	कविता पोस्टर/सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों/1 वाक्य में रखना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

		साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 17		कहानी पोस्टर / सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों / 1 वाक्य में रखना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों को पहचानना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों से बनने वाले मात्रिक / अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 18		कविता पोस्टर / सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों / 1 वाक्य में रखना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों को पहचानना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों से बनने वाले मात्रिक / अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 19		कविता पोस्टर / सुनाई गई मौखिक कहानी पर अपने विचार कुछ शब्दों / 1 वाक्य में रखना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों को पहचानना।																														
		अब तक सिखाए गए वर्णों / अक्षरों से बनने वाले मात्रिक / अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 20		कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री (कविता पोस्टर / कहानी पोस्टर) एवं इसके विषयवस्तु पर अपने घर की भाषा में 1-2 वाक्यों में बात करना।																														
		चित्र / घटना / वस्तु के बारे में अपने घर की भाषा में 1-2 वाक्यों में बताना।																														
		कविता / कहानी से जुड़े 2-3 तथ्यात्मक एवं 1-2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर अपने घर की भाषा में देना।																														
		2-3 वर्ण / अक्षर (अब तक सिखाए गए) से बने सरल शब्द पढ़ लेना।																														
		2-3 अक्षर वाले शब्द (1 से अधिक मात्रा वाले) को सुनकर लिखना।																														

साप्ताहिक आकलन ट्रैकर (भाषा)

सप्ताह	साप्ताहिक आकलन	Student 1	Student 2	Student 3	Student 4	Student 5	Student 6	Student 7	Student 8	Student 9	Student 10	Student 11	Student 12	Student 13	Student 14	Student 15	Student 16	Student 17	Student 18	Student 19	Student 20	Student 21	Student 22	Student 23	Student 24	Student 25	Student 26	Student 27	Student 28	Student 29	Student 30
सप्ताह 21	परिचित/परिवेशीय विषय पर अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/1 वाक्य में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 22	परिचित/परिवेशीय विषय पर अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/1 वाक्य में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 23	परिचित/परिवेशीय विषय पर अपने अनुभवों को कुछ शब्दों/1 वाक्य में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 24	परिचित/परिवेशीय विषय पर अपने अनुभवों को 1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														
सप्ताह 25	परिचित/परिवेशीय विषय पर अपने अनुभवों को 1-2 वाक्यों में साझा करना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों को पहचानना।																														
	अब तक सिखाए गए वर्णों/अक्षरों से बनने वाले मात्रिक/अमात्रिक शब्दों को पढ़ना।																														

इस संदर्शिका में अलग–अलग आइकन (icon) और रंगों का संकेत के रूप में उपयोग किया गया है, जिनके माध्यम से आप दी गई जानकारियों को समझ और पहचान सकते हैं।

शिक्षक संदर्शिका के मुख्य संसाधन

- शिक्षण योजना
- वार्षिक साप्ताहिक ट्रैकर
- संदर्शिका का उपयोग
- सैद्धांतिक पहलू
- साप्ताहिक आकलन ट्रैकर

शिक्षण योजनाओं से संबंधित आइकन

- सप्ताह
- शिक्षण उद्देश्य
- समय
- तैयारी
- शिक्षक के लिए बिंदु
- कालांश 1
- कालांश 2
- कालांश 3
- शिक्षण–प्रक्रिया की समीक्षा
- 1 2 3 कालांश

कार्यपुस्तिका से संबंधित आइकन

- पाठ
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- साप्ताहिक आकलन : मैंने सीख लिया
- सावधिक पुनरावृत्ति
- कार्यपुस्तिका ट्रैकर
- रंग भरना
- गोला लगाना
- सुनकर लिखना
- जोड़ों में कार्य

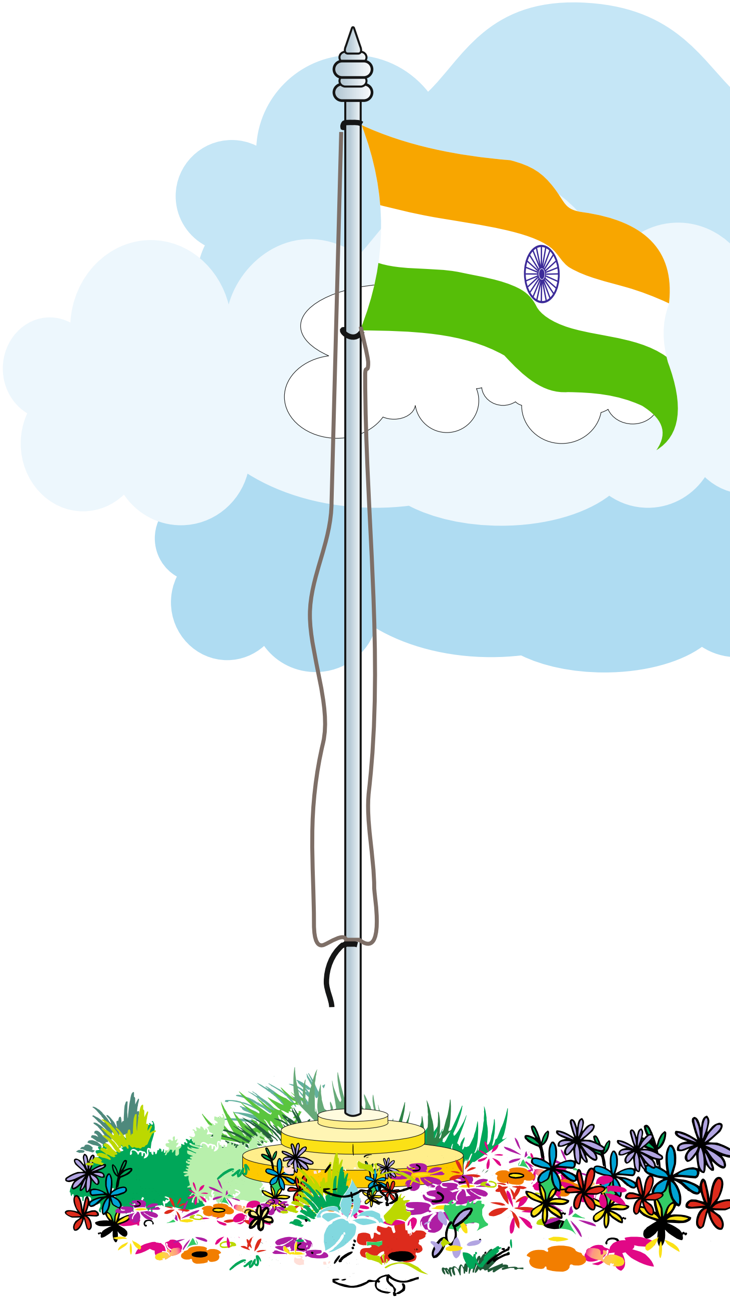

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे।
भारत–भाग्य–विधाता।।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग।
विन्ध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा,
उच्छल–जलधि तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन–गण–मंगलदायक जय हे,
भारत–भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

सत्र 2024-2025

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज................ वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9, वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियां बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार हैं एवं कागज 53.34 सेमी x 78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ0प्र0, बेसिक शिक्षा परिषद्

उत्तर प्रदेश शासन

निःशुल्क वितरण हेतु